https://www.facebook.com/jantaunion

जनता यूनियन

झाँसी
शनिवार, 2 अगस्त 2025
वर्ष 17 अंक 325
पृष्ठ 8 मूल्य ₹ 3.00

www.epaperjantaunion.com

अधिकतम : 31° से.
न्यूनतम : 27° से.

jantaunion@gmail.com

फौजी समेत तीन की मौत...- 3 | इको-फ्रेंडली राखियांपर आकांक्षा की डोर...- 8

सार संक्षेप

कानपुर के पास मुजफ्फरपुर-साबरमती एक्सप्रेस पटरी से उतरी

कानपुर (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश के कानपुर और टूंडला के बीच शुक्रवार दोपहर मुजफ्फरपुर-साबरमती जनसाधारण एक्सप्रेस के दो डिब्बे पटरी से उतर गए। रेल मंत्रालय के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा, ''अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। एक ट्रॉली कोच सहित दो डिब्बे लूप लाइन पर पटरी से उतर गए।'' उन्होंने बताया कि इंजन के पांचवे और छठे डिब्बे शाम चार बजकर 20 मिनट पर भाऊपुर यार्ड में पटरी से उतर गए। मरम्मत का काम तुरंत शुरू कर दिया गया है और कानपुर से रेलवे अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। अधिकारी ने बताया कि उत्तर मध्य रेलवे जोन के महाप्रबंधक और मंडल रेल प्रबंधक भी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं।

उच्चतम न्यायालय ने मध्य प्रदेश में शैक्षणिक वर्ष 2023-24 और 2024-25 के लिए पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया को प्रशस्त कर दिया

जबलपुर (जीएनएस)। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की जबलपुर स्थित खंडपीठ ने 16 जुलाई को विधि छात्र संघ की याचिका पर संज्ञान लेते हुए 2023-24 और 2024-25 के लिए पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों की मान्यता और प्रवेश प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी।
प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ को मध्य प्रदेश पैरामेडिकल परिषद के पंजीयक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने बताया कि उच्च न्यायालय ने कुछ कानून के छात्रों द्वारा दायर याचिका पर ऐसा सख्त आदेश पारित किया है, जिनका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है।
वरिष्ठ वकील ने कोविड-19 महामारी का उल्लेख किया और कहा कि महामारी के कारण राज्यों में कुछ पैरामेडिकल पाठ्यक्रम समय पर शुरू नहीं हो सके। उन्होंने कहा कि पैरामेडिकल परिषद का पंजीयक संस्थानों को मान्यता प्रदान करता है और प्रवेश प्रक्रिया को नियंत्रित करता है और उच्च न्यायालय के आदेश ने सब कुछ ठप कर दिया है।

ज़ेलेंस्की ने की यूक्रेन शांति वार्ता में ट्रंप की भूमिका की सराहना, कहा कि पुतिन अकेले युद्ध समाप्त कर सकते हैं

यूक्रेनी (जीएनएस)। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने रूस के साथ युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रयासों के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया और किसी भी समय रूसी नेतृत्व के साथ सीधे मुलाकात करने के लिए यूक्रेन की तत्परता दोहराई। एक्स पर एक पोस्ट में ज़ेलेंस्की ने लिखा कि हम रूस के युद्ध को समाप्त करने, हत्याओं को रोकने और एक सम्मानजनक एवं स्थायी शांति स्थापित करने के राष्ट्रपति ट्रम्प के प्रयासों को देखते हैं और उनका समर्थन करते हैं। हम दुनिया भर में उन सभी के आभारी हैं जो शांति प्रयासों का समर्थन करते हैं और जीवन की रक्षा में हमारी मदद करते हैं।
यह बयान यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिका द्वारा निर्धारित त्वरित समय-सारिणी के बीच आया है।

अमेरिका के साथ हमारे संबंध आगे बढ़ते रहेंगे, ट्रंप के टैरिफ वॉर और डेड इकोनॉमी बताने के बाद आया सरकार का बयान

नई दिल्ली (जीएनएस)। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) एक व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी साझा करते हैं और दोनों देशों के बीच साझेदारी ने कई चुनौतियों का सामना किया है, लेकिन नई दिल्ली को विश्वास है कि साझेदारी आगे बढ़ती रहेगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत और अमेरिका साझा हितों, लोकतांत्रिक मूल्यों और मज़बूत जन-जन संबंधों पर आधारित एक व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी साझा करते हैं। इस साझेदारी ने कई बदलावों और चुनौतियों का सामना किया है। हम उस ठोस एजेंडे पर केंद्रित हैं जिसके लिए दोनों देशों ने प्रतिबद्धता जताई है और हमें विश्वास है कि यह रिश्ता आगे भी बढ़ता रहेगा। जायसवाल ने शुक्रवार को यह भी कहा कि भारत और अमेरिका के बीच रक्षा संबंध मज़बूत बने हुए हैं और पिछले कुछ वर्षों में और मज़बूत हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि 21वीं सदी के लिए भारत-अमेरिका समझौते के तहत इस साझेदारी के और बढ़ने की संभावना है। जायसवाल ने कहा कि हमारी रक्षा आवश्यकताओं की पूर्ति पूरी तरह से हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा आवश्यकताओं और रणनीतिक आकलन द्वारा निर्धारित होती है।
हालांकि, उनकी यह टिप्पणी उन खबरों के बीच आई है कि राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा रूसी तेल और हथियारों की खरीद का हवाला देते हुए नई दिल्ली पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के फैसले के बाद, भारत ने सु-35 लड़ाकू विमान खरीदने के अमेरिका के प्रस्ताव को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। इससे पहले, केंद्र ने लोकसभा को यह भी बताया कि भारत ने सु-35 लड़ाकू विमानों की खरीद को लेकर अमेरिका के साथ कोई औपचारिक चर्चा नहीं की है।

10 साल की जेल...इमरान खान के साथ हो गया बड़ा खेल, पाकिस्तान में बवाल होना तय है

इस्लामाबाद (जीएनएस)। पूर्वी पाकिस्तान की एक अदालत ने गुरुवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए वरिष्ठ विपक्षी नेता उमर अयूब सहित पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के लगभग 200 समर्थकों को 2023 के दंगों में उनकी कथित भूमिका के लिए 10-10 साल जेल की सजा सुनाई। पंजाब प्रांत स्थित फैसलाबाद की अदालत ने 196 व्यक्तियों से जुड़े तीन अलग-अलग मामलों में ये फ़ैसले सुनाए। ये दोषसिद्धि 9 मई, 2023 को इमरान ख़ान की गिरफ़्तारी के बाद देश भर में भड़के हिंसक विरोध प्रदर्शनों के सिलसिले में हुई। बचाव पक्ष के वकील चंगेज काकर के अनुसार, आरोपियों पर अशांति के दौरान सैन्य अधिकारियों, सरकारी इमारतों और वाहनों पर हमला करने का आरोप लगाया गया था। दोषी ठहराए गए लोगों में नेशनल असेंबली के कम से कम छह सदस्य और खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी का एक सीनेटर शामिल है। काकर ने कहा कि पाकिस्तान के इतिहास में यह पहली बार है जब इतनी बड़ी संख्या में राजनीतिक कार्यकर्ताओं को एक साथ दोषी ठहराया गया है और सजा सुनाई गई है। उन्होंने पुष्टि की कि अदालत के फैसलों के खिलाफ अपील दायर की जाएगी। पीटीआई अध्यक्ष गौहर अली खान ने दोषसिद्धि की कड़ी आलोचना करते हुए अयूब और अन्य के खिलाफ मामलों को निराधार बताया।

संस्कृत को भारत में घर-घर तक पहुंचाने, संचार का माध्यम बनाने की आवश्यकता : आरएसएस प्रमुख भागवत

नागपुर (जीएनएस)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार (1 अगस्त, 2025) को कहा कि संस्कृत सभी भारतीय भाषाओं का मूल है और इसे संचार का माध्यम बनाने की आवश्यकता है। संस्कृत को घर-घर तक पहुंचाने की आवश्यकता है। उन्होंने संस्कृत के संरक्षण और प्रचार-प्रसार की वकालत की और कहा कि यह ऐसी है जो ''हमारी भावनाओं (भाव) को विकसित'' करती है। उन्होंने कहा कि सभी को इस प्राचीन को जानना चाहिए।
नागपुर में कवि कुलगुरु कालीदास संस्कृत विश्वविद्यालय में एक भवन के उद्घाटन समारोह में भागवत ने कहा कि संस्कृत को समझने और उसमें संवाद करने की क्षमता रखने में अंतर होता है। उन्होंने कहा कि संस्कृत विश्वविद्यालय को सरकारी संरक्षण मिलेगा, लेकिन जनता का संरक्षण मिलना भी जरूरी है।
भागवत ने कहा कि संस्कृत भारत की सभी भाषाओं की जननी है और इसे आगे बढ़ाने के लिए लोगों को अपने दैनिक जीवन में इसका इस्तेमाल करना चाहिए। आरएसएस प्रमुख ने कहा, ''हमें अपने दैनिक संवाद में इस को बोलना सीखना होगा। यह दैनिक संवाद की बननी चाहिए। मैंने यह सीखी है, लेकिन मैं इसे धाराप्रवाह नहीं बोल पाता। संस्कृत को हर घर तक पहुंचाने की जरूरत है और इस में संवाद जरूरी है।''
भागवत ने कहा कि 'आत्मनिर्भर' बनने और 'स्वबल' प्रदर्शित करने की आवश्यकता पर सभी एकमत हैं, जिसके लिए ''हमें अपनी बुद्धि और ज्ञान का विकास करना होगा।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत की ताकत उसका 'स्वत्व' है यानी कि आत्मनिर्भरता द्वारा स्वामित्व की भावना।

ट्रम्प के ऑयल डील के बाद पाकिस्तान की बारी, कच्चे तेल की करेगा खरीदारी

कराची (जीएनएस)। पाकिस्तान पहली बार अमेरिकी कच्चे तेल की खरीदारी करने वाला है और ह्यूस्टन से एक माल अक्टूबर तक कराची पहुँचने की उम्मीद है। यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पाकिस्तान में विशाल तेल भंडार विकसित करने के लिए एक समझौते की घोषणा के बाद हुआ है। इस घटनाक्रम को अमेरिका की ओर से एक महत्वपूर्ण रुख के रूप में देखा जा रहा है और यह पाकिस्तान में अमेरिका के एक निश्चित प्रभुत्व को भी दर्शाता है। सिनर्जिको और विटॉल के बीच यह ऐतिहासिक व्यापार समझौता ऐसे समय में हुआ है जब राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अमेरिका और भारत के बीच मज़बूत गठबंधन तनाव में दिख रहा है। यह स्थिति क्षेत्रीय गतिशीलता में संभावित बदलावों का संकेत देती है, खासकर जब भारत के स्वतंत्र निर्णय अमेरिकी अपेक्षाओं से अलग दिखाई देते हैं।

उपराष्ट्रपति पद पर चुनाव नौ सितंबर को होगा : निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली (जीएनएस)। उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव नौ सितंबर को होगा। निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को यह घोषणा की। आयोग के अनुसार उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए अधिसूचना सात अगस्त को जारी होगी और नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त होगी।
आयोग ने कहा कि यदि मतदान की जरूरत हुई तो यह नौ सितंबर को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संसद भवन के प्रथम तल पर स्थित कक्ष संख्या एफ-101, वसुधा में होगा। उसी दिन परिणाम घोषित किए जाएंगे।
उपराष्ट्रपति पद 21 जुलाई को निवर्तमान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा त्यागपत्र देने के कारण रिक्त हो गया था। निर्वाचन आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए राज्यसभा महासचिव को निर्वाचन अधिकारी और राज्यसभा सचिवालय के दो अधिकारियों को सहायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया है।
उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य शामिल होते हैं। राज्यसभा के मनोनीत सदस्य भी उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान करने के पात्र होते हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल में राज्यसभा के 233 निर्वाचित सदस्य, राज्यसभा के 12 मनोनीत सदस्य और लोकसभा के 543 सदस्य शामिल होते हैं। राज्यसभा में पांच और लोकसभा में एक सीट रिक्त है, जिससे निर्वाचक मंडल की प्रभावी संख्या 782 हो जाती है और जीतने वाले उम्मीदवार को 391 वोटों की आवश्यकता होगी, बशर्ते सभी पात्र मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' की रिलीज पर संस्पेस अब भी बरकरार, केंद्र नए सिरे से फैसला लेगा

नई दिल्ली (जीएनएस)। उच्च न्यायालय का स्थगन आदेश 166 पैरामेडिकल संस्थानों को 2023-24 शैक्षणिक वर्ष के लिए पाठ्यक्रम शुरू करने की अनुमति देने के कदम के बाद आया है, जबकि इन संस्थानों को मान्यता केवल 2025 में ही दी जाएगी। उच्च न्यायालय ने समय सीमा को ''अतार्किक'' पाया और सवाल किया कि संस्थान 2023-24 के लिए शैक्षणिक सत्र 2025 में कैसे शुरू कर सकते हैं, जबकि पाठ्यक्रम शुरू होने के समय उनका अस्तित्व ही नहीं था। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को केंद्र सरकार को 2022 में दर्जी कन्हैया लाल की हत्या से जुड़ी फिल्म उदयपुर फाइल्स का पुनर्मूल्यांकन करने का आदेश दिया। न्यायालय ने यह सवाल उठाया कि क्या केंद्र अपने पुनरीक्षण अधिकार क्षेत्र के तहत संपादन और कट का आदेश दे सकता है। न्यायालय ने निर्देश दिया कि पुनर्मूल्यांकन 6 अगस्त तक पूरा किया जाए और मौजूदा कानूनी मानदंडों का पालन करने का आग्रह किया।

मालेगांव विस्फोट मामले में हुई थी योगी को फंसाने की साजिश, गवाह का होश उड़ाने वाला खुलासा, टॉर्चर कर बनाया गया दवाब

मुंबई (जीएनएस)। 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत द्वारा सभी सात आरोपियों को बरी किए जाने के एक दिन बाद, एक नया विवाद सामने आया है। इस मामले के एक प्रमुख गवाह मिलिंद जोशी ने गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया है कि जाँच का राजनीतिकरण करने और एक वरिष्ठ आरएसएस पदाधिकारी को गिरफ्तार करने के लिए सबूतों को गढ़ने की जानबूझकर कोशिश की गई थी। जोशी ने आरोप लगाया कि उन्हें हिरासत में यातना दी गई और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ नेताओं को फंसाने के लिए दबाव डाला गया, जिसमें उत्तर प्रदेश के वर्तमान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल थे, जो उस समय केवल संसद सदस्य थे।
जोशी ने दावा किया कि योगी आदित्यनाथ का नाम लेने के लिए भारी दबाव था। 2008 में वे आज जितने प्रमुख व्यक्ति नहीं थे, फिर भी उन्हें और अन्य लोगों को हिंदू आतंकवाद के नाम पर झूठे आरोप लगाने की स्पष्ट कोशिश की गई। मुझे हिरासत में लिया गया और प्रताड़ित किया गया। झूठे सबूत गढ़े जा रहे थे। जोशी ने आगे बताया कि हालाँकि जाँच अधिकारियों ने भी पूछताछ में हिस्सा लिया था। उन्होंने कहा, यह अजीब था कि दिल्ली से आए कुछ सीबीआई अधिकारी हमसे पूछताछ कर रहे थे, और वे बेहद आक्रामक थे। मुझे यकीन नहीं है कि उस समय उनका अधिकार क्षेत्र था या नहीं, लेकिन वे निश्चित रूप से शामिल थे और डराने-धमकाने की रणनीति अपना रहे थे। उन्होंने बताया 2008 में योगी आदित्यनाथ, ये नाम आज जितना बड़ा नहीं था। आज वो एक वैश्विक नाम बन चुके हैं। हालाँकि, 2008 में वो सिर्फ़ एक सांसद थे, और हम पर उनका नाम लेने का काफ़ी दबाव था। इसके लिए हम पर काफ़ी दबाव डाला गया। इस मामले की जाँच दरअसल महाराष्ट्र एटीएस कर रही थी, लेकिन हैरानी की बात ये थी कि दिल्ली से कुछ सीबीआई अधिकारी आए थे, और वो भी पूछताछ कर रहे थे। मुझे नहीं पता कि उस समय ये मामला सीबीआई के अधिकार क्षेत्र में आता था या नहीं। मुझे कुछ नहीं पता, लेकिन दिल्ली से कुछ सीबीआई अधिकारी आते थे और पूछताछ करते थे, और वो बहुत ही बदतमीज़ी से करते थे।
आधिकारिक तौर पर महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) द्वारा की जा रही थी, लेकिन केंद्रीय जाँच ब्यूरो (सीबीआई) के

चुनाव आयोग ऐसे गैर-ज़िम्मेदाराना बयानों को नज़रअंदाज़ करता है... राहुल गांधी को चुनाव आयोग का करारा जवाब

नई दिल्ली (जीएनएस)। भारत के चुनाव आयोग ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा लगाए गए मतदाता चोरी के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि चुनाव निकाय ऐसे निराधार आरोपों को नजरअंदाज करता है। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर बढ़ते तनाव के बीच, गांधी ने दावा किया कि विपक्ष द्वारा की गई एक स्वतंत्र जांच से पता चला है कि ईसीआई सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को लाभ पहुंचाने के लिए बड़े पैमाने पर वोट चोरी में कथित रूप से शामिल है। चुनाव आयोग का राहुल गांधी को का जवाब -चुनाव आयोग उन्हें 12 जून 2025 को एक मेल भेजता है। वह नहीं आते। चुनाव आयोग उन्हें 12 जून 2025 को एक पत्र भेजता है, लेकिन वह जवाब नहीं देते। उन्होंने कभी भी किसी भी मुद्दे पर चुनाव आयोग को कोई पत्र नहीं भेजा। यह बहुत अजीब है कि वह बेतुके आरोप लगा रहे हैं और अब चुनाव आयोग और उसके कर्मचारियों को धमकाना भी शुरू कर दिया है। निंदनीय!

भारतीय रक्षा क्षेत्र को इस कदम से मिलेगा बढ़ावा

212 अत्याधुनिक टैंक ट्रांसपोर्टर, 223.95 करोड़ रुपये का अनुबंध

नई दिल्ली (जीएनएस)। अपनी परिचालन गतिशीलता को बढ़ाने और आत्मनिर्भर भारत पहल का समर्थन करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारतीय सेना ने 212 अत्याधुनिक 50 टन टैंक ट्रांसपोर्टर ट्रेलरों की खरीद के लिए मेसर्स एक्सिसकेड्स एयरोस्पेस एंड टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के साथ 223.95 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। यह अनुबंध 1 अगस्त, 2025 को खरीद (भारतीय-आईडीडीएम) श्रेणी के तहत हस्ताक्षरित किया गया, जिससे रक्षा निर्माण में स्वदेशीकरण के प्रति प्रतिबद्धता को बल मिला।
ये अगली पीढ़ी के ट्रेलर हाइड्रोलिक/न्यूमेटिक लोडिंग रैंप और स्टीयरेबल एवं लिफ्टेबल एक्सल से सुसज्जित हैं, जो विविध और चुनौतीपूर्ण इलाकों में टैंकों और अन्य बख्तरबंद (ए) वाहनों के तेज़ और कुशल परिवहन को सक्षम बनाते हैं। इन प्लेटफार्मों द्वारा प्रदान किए जाने वाले उन्नत गतिशीलता समाधान फील्ड आर्मी के लिए एक बल गुणक के रूप में कार्य करेंगे, जिससे इसकी रसद और परिचालन क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। यह स्वदेशी खरीद न केवल भारतीय रक्षा विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देती है, बल्कि निरंतर रोजगार सृजन का भी वादा करती है।

पुणे के दौंड में आपत्तिजनक पोस्ट के बाद तनाव, भारी संख्या में पुलिस बल तैनात, सीएम फडणवीस का भी आया बयान

पुणे (जीएनएस)। पुणे की दौंड तहसील के यवत इलाके में सोशल मीडिया पर एक युवक द्वारा आपत्तिजनक पोस्ट के बाद तनाव बढ़ गया है। सड़कों पर कई वाहनों में आग लगा दी गई है। युवाओं की भीड़ ने एक एक ढाँचे पर पथराव किया है। बढ़ते तनाव को देखते हुए यवत में साप्ताहिक बाजार बंद कर दिया गया है। पुलिस का कहना है कि एक हफ़्ते पहले गाँव में एक घटना घटी थी, इसलिए यहाँ पहले से ही तनावपूर्ण स्थिति थी। ग्रामीण सड़कों पर उतर आए और कुछ युवकों ने एक ढाँचे में तोड़फोड़ करने की कोशिश की। पुणे जिले के दौंड तालुका के यावत गांव में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का भी पूरे मामले पर बयान आया है। उन्होंने कहा कि मुझे अभी मामले की जानकारी मिली है। इसके अनुसार, किसी बाहरी व्यक्ति ने आपत्तिजनक स्टेटस पोस्ट किया था, जिससे तनाव पैदा हुआ। लोग सड़कों पर उतर आए और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा। स्थिति अब नियंत्रण में है। दोनों समुदायों के लोग एक साथ बैठकर बातचीत कर रहे हैं और तनाव कम करने की कोशिश कर रहे हैं। फडणवीस ने कहा कि कुछ लोग जानबूझकर तनाव पैदा करने के लिए ऐसे स्टेटस पोस्ट करते हैं, लेकिन उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई ज़रूर की जाएगी।

फूल पत्तियो के हिंडोले में विराजमान होकर राजाधिराज ने दिए दर्शन

जनता यूनियन मथुरा । पुष्टिमार्ग संप्रदाय के मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश के विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया के श्रावण मास में हिंडोले और घटाओं के कार्यक्रम ठाकुर मंदिर द्वारकाधीश में होते हैं जिनका निर्धारण मंदिर के गोस्वामी श्री श्री 108 डॉक्टर वागिश कुमार जी महाराज तृतीय पीठाधीश्वर कांकरोली नरेश जी के द्वारा किए जाते हैं और उनके सफल निर्देशन मंदिर के गोस्वामी श्री श्री 108 कांकरोली युवराज वेदांत कुमार जी महाराज एवं सिद्धांत कुमार जी महाराज के द्वारा किया जाता है उसी के तहत आज सावन अष्टम शुक्ल पक्ष के दिन ठाकुर द्वारिकाधीश जी महाराज फूल पत्तियों के हिंडोले में विराजमान हुए ।

यह क्रम पूरे सावन मास में निरंतर जारी रहेगा और कल ठाकुर जी लाल घटा में विराजमान होंगे और इस दौरान तिथि घड़ी और नक्षत्र के हिसाब से सावन में घटाओं के आयोजन होंगे।

घटा के दिन निम्न परिवर्तन दर्शन के समय में किया गया है और एक झांकी दर्शनार्थियों के लिए बढ़ाई गई है जिसमें निम्न प्रकार दर्शन रहेंगे जिस दिन घटा होगी उसे दिन सांयकाल के दर्शन का समय यह रहेगा 4ः50 से 5ः05 तक पहली झांकी और दूसरी झांकी 5ः45 से 6ः00 बजे तक उसके बाद 7ः00 बजे से 8ः00 बजे तक निरंतर घटा के दर्शन होंगे।

अतः समस्त धर्म पर भी जनता से अनुरोध है कि ठाकुर जी के विविध मनोरथों के लाभ लेकर अपने आप को पुण्य के भागी बने।

मुठभेड़ में दो बदमाश हुए घायल, एक की मौत

जनता यूनियन मथुरा । थाना फरह पुलिस, एसओजी टीम व सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्यवाही की। 29 जुलाई को चांदी व्यापारी के साथ लूट की घटना करने वाले दो बदमाषों के साथ मुठभेड़ हुई। मुठभेड में पुलिस की गोली लगने से दो बदमाश घायल हो गये। जिनमें से एक की मौत हो गई। जबकि दूसरे का उपचार चल रहा है। इनके कब्जे से 82.2 किलोग्राम सफेद धातु की ईंटें, एक पिस्टल, दो खोखा कारतूस, पांच खोखा कारतूस, एक बोलेरो रजिस्ट्रेशन यूपी 80 सीके 8669 बरामद किये गये। शुक्रवार की मध्य रात्रि में करीब बारह बजे ग्वालियर बाईपास पुल के नीचे एनएच 19 (मथुरा से आगरा की तरफ) से नीरज पुत्र मुंशीलाल निवासी धाना तेहरा थाना सैय्या आगरा व पदम सिंह उर्फ राहुल पुत्र रामभरोसी निवासी धाना तेहरा थाना सैय्या आगरा को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया। पुलिस पार्टी पर फायर करने के कारण पुलिस मुठभेड़ में घायल दोनों अभियुक्तों को तत्काल उपचार के लिये जिला अस्पताल भेजा गया। उपचार के दौरान पुलिस मुठभेड़ में घायल हुए नीरज पुत्र मुंशीलाल निवासी धाना तेहरा थाना सौय्या आगरा की मृत्यु हो गई। पदम सिंह उर्फ राहुल पुत्र रामभरोसी निवासी धाना तेहरा थाना सौया आगरा का उपचार जारी है। लूट की घटना में बृजमोहन रैपुरिया के ड्राइवर रोहित, लव बघेल पुत्र भजनलाल निवासी धाना तेहरा थाना सैंया आगरा, भोला उर्फ राजकुमार पुत्र मोहन सिंह निवासी तेहरा थाना सैंया आगरा व केपी उर्फ केन्द्रपाल पुत्र शिवराम निवासी ग्राम हसेला थाना अछनेरा आगरा के नाम भी प्रकाश में आये हैं। पुलिस फरार चल रहे बदमाशों की तलाश में जुटी है। मृत बदमाश नीरज के खिलाफ वर्ष 2022 में धारा 504, 506 आईपीसी थाना सैंया पश्चिमी कमिश्नरेट आगरा पर एक अभियोग पंजीकृत हुआ था। पुलिस मारे गये बदमाश का आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है। वहीं पुलिस की गोली से घायल हुए बदमाश पदम के खिलाफ पुलिस को अभी कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला है। पुलिस बदमाशों के आपराधिक रिकार्ड खंगालने में लगी है। कार्यवाही करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक त्रिलोकी सिंह थाना फरह, निरीक्षक अपराध यशपाल सिंह थाना फरह, एसआई अर्जुन सिंह, एसआई तेजेन्द्र सिंह, एसआई विनीत नेहरा, एसआई अजय सिंह मलिक, एसआई हरेन्द्र सिंह थाना फरह, एसआई राकेश कुमार एसओजी प्रभारी जनपद मथुरा, एसआई विकास कुमार सर्विलांस सैल जनपद मथुरा आदि थे।

29 जुलाई की देर शाम को हुई थी घटना

29 जुलाई की देर शाम को करीब एक करोड रुपये की चांदी लूट की घटना हुई थी। इस घटना को एसएसपी श्लोक कुमार ने गंभीरता से लिया। कारोबारियों में भी लूट की इस बडी घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सुगबुआहट थी। मामला उपर तक पहुंचा था। एसएसपी श्लोक कुमार ने घटना के खुलासे के लिए आठ टीमों का गठन किया था।

इनके साथ हुई थी घटना

गोविंद नगर के मंडी रामदास में श्रीजी ज्वैलर्स के मालिक सराफा कारोबारी हरिओम सोनी निवासी मुहल्ला पंजाबी पेच के बेटे कन्हैया और गौरव चालक शब्बीर के साथ अपनी स्विफ्ट डिजायर कार से मंगलवार शाम को आगरा के नमक की मंडी से चांदी लेकर आ रहे थे। फरह के हिंदुस्तान इंटर कॉलेज के समीप बाइक व बोलेरो से आए हथियारों से लैस नकाबपोश बदमाशों ने कार रुकवा ली और चालक को खींचकर बाहर निकाल दिया।

न्यूज ब्रीफ

बिजली व्यवस्था को लेकर व्यापारियों के साथ अधिकारियों की माथापच्ची

जनता यूनियन मथुरा । बिजली विभाग से सम्बद्ध समस्याओं के निवारण के लिए उद्यमियों के संगठन लघु उद्योग भारती ने विद्युत विभाग के उच्चाधिकारियों के साथ स्थानीय होटल में एक बैठक की। जिसमें विद्युत विभाग के चीफ इंजीनियर सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। मंडल सचिव सोनल अग्रवाल ने सभी विभाग के अधिकारियों को लघु उद्योग भारती के बारे में जानकारी दी। बैठक में जिले में व्याप्त बिजली की समस्या को लेकर विस्तार से चर्चा हुई जिसमें चीफ राजीव गर्ग ने पहले सभी की समस्याओं को क्रमवार सुना और समझा तत्पश्चात उन सभी विषयों पर अपनी तथ्यात्मक बात रखी। बैठक में सलेमपुर फीडर से जुड़ी एक महत्वपूर्ण समस्या साझा की गई जिस पर चीफ श्री गर्ग ने तत्काल अधिशासी अभियंता आशीष गर्ग को निर्देशित कर समाधान करने के निर्देश दिए। विभोर तायल ने एलेंबी2 ओर एच वी 2 से जुड़े विषय को रखा जिस पर भी चर्चा कर जल्द समाधान का भरोसा दिलाया।

फुटपाथ पर सजे बाजार को हटाने में जुटा नगर निगम

जनता यूनियन मथुरा । रक्षाबंधन व श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व को दृष्टिगत रखते हुए अतिक्रमण हटाओ अभियान की गति को नगर निगम ने बढा दिया है। नगर निगम मथुरा वृन्दावन द्वारा महापौर विनोद अग्रवाल एवं नगर आयुक्त जग प्रवेश के निर्देशानुसार नगर क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह के नेतृत्व में नगर निगम की टीम द्वारा नया बस स्टैंड बीएसए रोड भूतेश्वर तिराहा कृष्णा नगर मार्केट भूतेश्वर चौराहा तक अभियान चलाया गया। इस दौरान सार्वजनिक मार्ग पर अतिक्रमण कर रखे गए 35 दुकानदारों के सामान, जैसे स्टूल ,मेज ,स्टॉल, बोर्ड, टेबल, फ्रेम आदि को जब्त किया गया। इसके अतिरिक्त, सार्वजनिक स्थान पर गंदगी फैलाने पर एक हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। अभियान में सहायक नगर आयुक्त राकेश कुमार त्यागी, ईटीएफ टीम कमांडर कर्नल आरके सिंह, ईटीएफ टीम तथा अन्य निगम कर्मी उपस्थित रहे। नगर निगम का यह अतिक्रमण हटाओ अभियान निरंतर जारी रहेगा। सभी दुकानदारों एवं नागरिकों से अपील की जाती है कि वे अपने प्रतिष्ठानों का सामान निर्धारित क्षेत्र के भीतर ही रखें, मार्ग पर अतिक्रमण न करें एवं स्वच्छ और व्यवस्थित शहर बनाए रखने में सहयोग करें।

सड़क किनारे कूड़े के ढेर देख भड़के नगर आयुक्त

जनता यूनियन मथुरा । नगर आयुक्त द्वारा गोवर्धन रोड की सफाई व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण किया गया। शहर की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ एवं व्यवस्थित बनाए रखने के लिए नगर आयुक्त जग प्रवेश द्वारा वार्डों व मुख्य मार्गों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है, जिसमें आवश्यकतानुसार संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को सुधारात्मक निर्देश दिए जा रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को नगर आयुक्त द्वारा गोवर्धन चौराहे से श्रीजी बाबा स्कूल, बाकलपुर होते हुए सतोहा तक सम्पूर्ण गोवर्धन रोड की सफाई व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वार्ड संख्या 16, बाकलपुर में तैनात सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया गया, जिसमें 5 सफाई कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। इस पर संबंधित कर्मियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। इसके उपरांत, नगर आयुक्त ने वार्ड संख्या 48, सतोहा असगरपुर के मुख्य मार्गों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सड़क के दोनों ओर कूड़े के ढेर पाए जाने पर वार्ड सुपरवाइजर को स्पष्टीकरण नोटिस जारी करने के निर्देश नगर स्वास्थ्य अधिकारी को दिए गए।

नाबालिग पुत्री की बरामदगी के लिए भटक रहा पिता

जनता यूनियन मथुरा । थाना हाईवे क्षेत्र के नौगांव निवासी प्रेमचंद ने आरोप लगाया है कि पुलिस उसकी नाबालिग पुत्री का कोई पता नहीं लगा रही है। उसकी पुत्री का मोबाइल नम्बर भी नहीं मिल रहा है। जो युवक नाबालिग बेटी को भगा कर ले गया था उसके खिलाफ भी किसी तरह की कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है जबकि वह लगातार उसे धमका रहा है और अपमानित कर रहा है। जिससे वह आहत है। उसका पूरा परिवार बिखर गया है और सदमे में है। अपनी पत्नी के साथ एसएसपी कार्यालय पहुचं प्रेमचंद ने एसएसपी को प्रार्थना पत्र देकर युवक के खिलाफ कार्यवाही करने और नाबालिग बेटी की जानकारी उपलब्ध कराये जाने की मांग की है। एसएसपी को दिये प्रार्थनापत्र में प्रेमचंद ने कहा है कि नौ अप्रैल को कुम्हेर गेट बडा मोहल्ला भरतपुर निवासी युवक पुष्कर उसकी नाबालिग बेटी को बहला फुसला कर भगा ले गया था। इसकी शिकायत 10 अप्रैल को थाना हाईवे में दर्ज कराई थी।

श्रीबांके बिहारी कॉरीडोर पर है सरकार की मंशा खराब

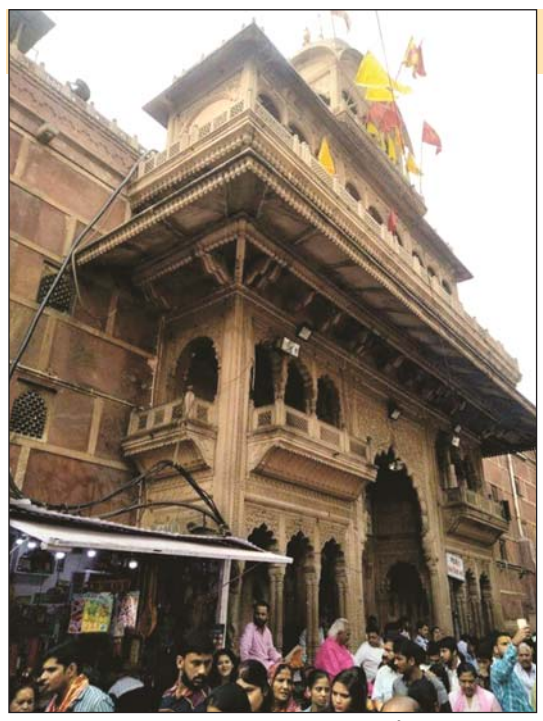

जनता यूनियन मथुरा । -(दिनेश आचार्य/पुनीत वाजपेयी) जिला प्रशासन जब हरियाली तीज पर भीड़ को नियन्त्रित करने के लिये अच्छी व्यवस्था कर सकता है तो सरकार कॉरीडोर बना कर वृन्दावन का स्वरूप क्यों बिगाड़ना चाह रही है? क्या ऐसी व्यवस्था रोज नहीं हो सकती है या सरकार की मंशा खराब है ?

''म्हारो वृंदावन'' यह पंक्ति मथुरा रोड पर छटीकरा स्थित भव्य द्वार पर वृंदावन के आत्मीय स्वरूप को दर्शाती है। वृंदावन आस्था का समुंदर है।वृंदा की खुशबू से महकता है रस-सरोवर एवं आनंदित रहता है। इसकी कुंज गलियां प्रभु के श्री चरणों के सौंदर्य को स्पर्श करती है। राधा- कृष्णा युगल स्वरूप का सौंदर्य यहां की सुंदर,कुंज गलियों में , रज में, पशु -पक्षियों में, लताओं में,कुंडो में, ब्रज के हर कण-कण मैं दिखाई देती है। ब्रज के आराध्य इन्हीं कुंज गलियों में राधा रानी के साथ अठखेलियाँ एवं रास रचते अनुभूतित। हो जाते हैं। गइयाओं को चराते थे और सौंदर्य की सभी लीलाओं का हृदयस्पर्शी सृजन एव अभिनंदनदित करते थे। चौतन्य महाप्रभु इन्हीं कुंज गलियों में मृदंग की धुन के साथ प्रभु के आनंद में डूबे रहे।

बिहारी जी हृदय और कुंज गलियां उनकी बांसुरी की तन है। जो बृज नहीं अपितु संपूर्ण ब्रह्मांड को अपनी और आकर्षित करती है। हमारे बिहारी जी ने इन्हीं कुंज गलियों में। तुलसीदास की पीड़ा को समझते हुए। मुरली को त्याग कर धनुष- बाण धारण किया था। प्रभु राम की सुंदर छवि को धारण किया था। क्योंकि व्यथित तुलसीदास ने अपनी वेदना को इन्हीं कुंज गलियों में तुलसी चबूतरा पर कुछ इस प्रकार व्यक्त किया था।

कहा कहूं छवि आपकी? भली करे हो नाथ।
तुलसी मस्तक तब नबे। जब धनुष- बाण लो हाथ।

यह लीला,लीलाधर ने इन्हीं कुंज गलियों में ही रची थी ।

मैं यह नहीं कहता। कॉरिडोर का निर्माण नहीं किया जाना चाहिए। लेकिन सावन में हरियाली तीज के अवसर पर इन्हीं कुंज गलियों को इन्हीं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा इतनी सुंदर तरीके से व्यवस्थित किया गया कि किसी भी प्रकार की कोई अनहोनी, असुविधा नहीं हुई। वही हरिद्वार में मनसा देवी में कितना हृदयविदारक दुर्घटना हुई। हरियाली तीज पर प्रशासन द्वारा किए गए अभिनव प्रयोग को संपूर्ण बज हृदय से अभिनंदनदित करता है। और यही चाहता है कि कुंज गलियों का हृदय स्वरूप न बिगाड़ जाए यही व्यवस्था सुचारू की जाए। जिससे हमारे गोपाल बिहारी जी अपने बाल गोपालो के साथ इन्हीं कुंज गलियों में अटखेलिया करते रहें,जिससे ना तो बृजवासियों को, ब्रज के आराध्य को अपनी सुंदर कृति, लीला स्थली को खोना पड़े। क्योंकि? यह वही बृज है। जिसकी रज को पाने के लिए मुक्ति कुछ इस प्रकार रहती है।--

मुक्ति कहे गोपाल से, मेरी मुक्ति बताएं।
बृजराज उड़ मस्तक लगे। मुक्ति-मुक्ति हो जाए।

प्रशासन की व्यवस्थाओं में है कमी

गांवों में जलभराव की समस्या को देखने पहुंचे डीएम

जनता यूनियन मथुरा । बरसात कम हो या ज्यादा लेकिन एक समस्या जरूर बरकरार रहती है और वह है जलभराव की। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने वर्षा ऋतु के दृष्टिगत हो रहे जलभराव के संबंध में ग्राम महरौली एवं जानू का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने ग्राम वासियों से वार्ता की तथा विभिन्न समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने खेतों में हो रहे जलभराव का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधानों, सचिवों तथा लेखपालों को निर्देश दिए कि खेतों में पंप लगाकर पानी निकालने का कार्य किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि समन्वय स्थापित करते हुए जलभराव की समस्या का निराकरण सुनिश्चित करे। ग्राम वासियों द्वारा जलभराव की समस्या के निराकरण के विभिन्न उपाय जिलाधिकारी से सांझा किए गए। जिलाधिकारी ने उनकी बातों को ध्यानपूर्वक सुना तथा लेखपाल व सचिव को निर्देश दिए कि विभिन्न पुलिया एवं नालों की सफाई कराए। जिलाधिकारी ने लेखपाल एवं सचिव से ग्राम में क्षतिग्रस्त मकानों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि क्षतिग्रस्त मकानों के परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया जाए। प्रभावित परिवारों की सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराए। जिलाधिकारी ने लेखपाल, सचिव तथा उप जिलाधिकारी गोवर्धन को निर्देश दिए कि सभी क्षतिग्रस्त मकानों का सर्वे कराए। सर्वे कराकर नियमानुसार मुआवजा दिया जाए।

सीएम युवा कॉन्क्लेव एण्ड एक्सपो में पहुंचे मथुरा के युवा उद्यमी

जनता यूनियन मथुरा । मुख्यमंत्री युवा कॉन्क्लेव एव एक्सपो 2025 में मथुरा के युवा उद्यमी शामिल हुए। सीएम युवा योजना में बिजनेस ऑन व्हील फ्रेंचाइजी सर्विस और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए इन्नोवेटिव बिजनेस मॉडल को देख युवाओं ने कहा हम बनेंगे और बनाएंगे देश के युवाओं को उद्यमी। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत मिशन कार्यालय लखनऊ के निर्देशन पर दो दिवसीय कॉन्क्लेव एव एक्सपो का आयोजन 31 जुलाई और एक अगस्त को आयोजन प्रस्तावित किया गया। जिसमें उत्तर प्रदेश के प्रत्येक मंडल व जिले से 50 युवाओं को एक सफल उद्यमी बनने की दिशा में सरकार के द्वारा यह आयोजन किया गया। जिसमें मथुरा के उपयुक्त उद्योग रामेंद्र कुमार के निर्देशन पर मथुरा से 50 युवाओं ने अपनी सहभागिता सीएम युवा कॉन्क्लेव एण्ड एक्सपो में दी, जिला उद्योग केंद्र मथुरा से सीएम युवा फेलो बृजेन्द्र कुमार, अमिश सिंह, शैलेन्द्र कुमार, रवि कुमार, प्रमोद कुमार, तजवेंद्र सिंह, रघुनाथ सिंह शामिल हुए।

बर्गर किंग से वेज बर्गर व चाकलेट टॉपिंग का नमूना संग्रहित

जनता यूनियन मथुरा । आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश लखनऊ एवं जिलाधिकारी महोदय, मथुरा के आदेश के अनुपालन में आगामी जन्माष्टमी एवं रक्षाबन्धन पर्व के दृष्टिगत धीरेन्द्र प्रताप सिंह सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वितीय, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, मथुरा के निर्देशन एवं ज्ञानपाल सिंह मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नेतृत्व मे जनपद में भरत सिंह खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा स्टेट बैंक चौराहा स्थित केरला कॉफी हाउस से सांभर का एक नमूना संग्रहित किया गया। राम नरेश खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा बी0एस0ए0 कॉलेज के सामने स्थित बर्गर किंग से वेज बर्गर व चाकलेट टॉपिंग का नमूना संग्रहित किया गया। धर्मेन्द्र सिंह खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा जय गुरूदेव मंदिर के निकट स्थित ट्रंक बार एण्ड रेस्टोरेंट से पनीर का एक विधिक व मोजितो का एक सर्विलांस नमूना संग्रहित किया गया। मोहर सिंह कुशवाह खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा गोर्वधन से मिश्रित दूध का एक नमूना संग्रहित किया गया। अरूण कुमार खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा पचावर से खोआ का एक नमूना संग्रहित किया गया तथा रीना शर्मा खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा बांके बिहारी मंदिर के पास, वृन्दावन से पेड़ा व बेसन लड्डू का एक-एक नमूना संग्रहित किया गया। संग्रहित किये गये कुल 09 नमूने विश्लेषण हेतु राजकीय खाद्य प्रयोगशाला प्रेषित किये जा रहे हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त अग्रिम विधिक कार्यवाही की जायेगी।

एक माह में दो सो से अधिक वादों का निस्तारण

जनता यूनियन मथुरा । सम्पूर्ण राष्ट्र में एक जुलाई से 30 सितम्बर तक राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान चलाया जा रहा है। सचिव जिला विधिक सुरेन्द्र प्रसाद के मुताबिक इस अभियान का उद्देश्य मध्यस्थता के माध्यम से न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का अधिकाधिक संख्या में निस्तारण कराना है। इस अभियान में वैवाहिक विवाद के मामले, दुर्घटना दावे के मामले, घरेलू हिंसा के मामले, चेक बाउंस के मामले, वाणिज्यिक विवाद के मामले, सेवा विवाद के मामले, शमनीय आपराधिक मामले, उपभोक्ता विवाद के मामले, ऋण वसूली के मामले. संपत्ति के बंटवारे से संबंधित मामले, बेदखली से सम्बंधित मामले, भूमि अधिग्रहण के मामले, अन्य उपयुक्त दीवानी मामलों का निस्तारण सुलह समझौते के आधार पर किया जा रहा है।

भूमि अधिग्रहण में उचित मुआवजे की मांग को लेकर आंदोलित हैं किसान

जनता यूनियन मथुरा । भारतीय किसान यूनियन सुनील के बैनर तले मथुरा ब्लॉक के गांव कोटा मौजा में रेलवे अधिकारियों जिला प्रशासन की मनमानी के विरोध में अनिश्चितकालीन धरने को शुक्रवार को 48 दिन हो गये। किसानों ने कोटा मौजा गांव में रेलवे अधिकारियों के खिलाफ ट्रैक्टर जेसीबी के साथ हाथों में झंडा लेकर नारेबाजी करते हुए मार्च निकाला। भारतीय किसान यूनियन सुनील के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन चतुर्वेदी ने कहा 48 दिन से देश का अन्नदाता भूमि अधिग्रहण के उचित मुआवजे की मांग के लिए धरने पर बैठे हुए हैं भीषण गर्मी बरसात में भी किसान धरने से नहीं हट रहे आज किसानों ने हाथों में झंडा लेकर कोटा मौजा गांव में रेलवे अधिकारियों के विरोध में नारेबाजी करते हुए मार्च निकाला है दिनांक 3 अगस्त 2025 दिन रविवार को दर्जनों ट्रैक्टरों के साथ रेलवे ट्रैक को जाम किया जाएगा जिसकी तैयारी में किसान लगे हुए हैं जब तक कोटा मौजा गांव के किसानों को 7500 वर्ग मीटर के हिसाब से चौगान मुआवजा नहीं मिल जाता तब तक यह आंदोलन चलता रहेगा। भारतीय किसान यूनियन सुनील महिला प्रकोष्ठ की उत्तर प्रदेश महासचिव रूप लवानिया ने कहा 15 दिन के अंदर कोटा मौजा गांव के किसानों को मथुरा वृंदावन नगर निगम के सर्किल रेट के हिसाब से मुआवजा नहीं मिला तो भारतीय किसान यूनियन सुनील की महिला प्रकोष्ठ की उत्तर प्रदेश की महासचिव रूपा लवानिया आमरण अनशन पर बैठेंगी।

फौजी समेत तीन की मौत

झांसी जयूसं। अलग- अलग स्थानों पर फौजी समेत तीन लोगों की मौत हो गई। फौजी ने पंखे में गमछे से फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। वहीं, जहर खाने से किसान की मौत हुई है। इसके अलावा सड़क हादसे में युवक की जान चली गई।

तमिलनाडु के जिला आरियालुर के थाना अनदीमदम के ग्राम सुरापल्लम निवासी वेट्रीवेल (47) आर्मी की 511एडी बबीना कैंट में तैनात था। कतिपय कारणों के चलते फौजी ने पंखे में गमछे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इसकी जानकारी आर्मी के अफसरों को हुई तो हड़कंप मच गया। तत्काल प्रभाव से वह लोग मौके पर पहुंचे। इसकी सूचना बबीना थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। पुलिस का कहना है कि घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी गई है। वहीं, दतिया के थाना उन्नाव बालाजी के ग्राम गुजर्रा निवासी महाराज सिंह ने आपसी विवाद के चलते विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। उपचार के लिए उसे मेडिकल कालेज लाया गया। यहां उसकी मौत हो गई। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। उधर, महोबा के कबरई थाना क्षेत्र में रहने वाले ह्रदेश श्रीवास प्रेमनगर थाना क्षेत्र के ईसाई टोला मोहल्ले में परिवार समेत रहता था। बीते रोज सड़क हादसे में उसकी मौत हो गई। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की जयंती पर चार दिवसीय कार्यक्रम

झांसी जयूसं। स्वाधीनता आंदोलन के समय देश में राष्ट्रीय चेतना का संचार करने वालेऔर - भारत भारती जैसे महान काव्य का प्रणयन करने वाले राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की पावन जयंती के अवसर पर हिंदी विभाग, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय तथा हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान मेंचार दिवसीय भव्य आयोजन किया जाएगा। 02अगस्त2025 को विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इनमें निबंध लेखन कविता लेखन एवं वाचन तथा गद्य की अन्य विधाएं -संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोर्टाज, लघु कहानी लेखन शामिल हैं। इन प्रतियोगिताओं का विषय लोक जागृति एवं राष्ट्रवाद- बुंदेलखंड के परिप्रेक्ष्य में तय किया गया है।

प्रतियोगिताओं के विवरण-

नबंध प्रतियोगिता

प्रथम पुरस्कार-5100 रुपए,द्वितीय पुरस्कार-3100 रुपए,तृतीय पुरस्कार-2100 रुपए, कविता लेखन एवं वाचन प्रथम पुरस्कार-5100 रुपए,द्वितीय पुरस्कार-3100 रुपए,तृतीय पुरस्कार=2100 रुपए , वहीं गद्य की अन्य विधाएंप्रथम पुरस्कार- 5100 रुपए, द्वितीय पुरस्कार-3100 रुपए,तृतीय पुरस्कार= 2100 रुपए, प्रतिभागियों को निम्नलिखित दो वर्गों में बांटा गया है।शोधार्थी वर्ग - शोधार्थी निम्नांकित तीन में से किसी एक प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर सकते हैं। बी.ए. एवं एम.ए. वर्ग - बी.ए. एवं एम. ए. के छात्र/छात्राएं तीनों प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर सकते हैं। विजेताओं के नाम की घोषणा 03अगस्त को किया जायेगा पुरस्कृत कार्यक्रम के अंतर्गत तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 03 से 05अगस्त 2025 तक किया जाएगा। राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन 03अगस्त 2025 को शाम 5 बजे बुंदेलखंड विश्वविद्यालय की गांधी सभागार में किया जाएगा। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मुकेश पाण्डेय द्वारा की जाएगी। समारोह के मुख्य अतिथि झांसी मंडल के मंडलायुक्त डॉ बिमल कुमार दुबे तथा सारस्वत अतिथि झांसी परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक केशव कुमार चौधरी होंगे। मुख्य वक्ता के रूप में प्रख्यात साहित्यकार महेश कटारे तथा साहित्य एकेडमी मध्य प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष डॉ उमेश कुमार सिंह मौजूद रहेंगे।

उद्घाटन के उपरांत राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त महाविद्यालय, चिरगांव तथा हिंदी विभाग बुंदेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से दिए जाने वाले इस सम्मान के लिए इस वर्ष प्रख्यात गीतकार विष्णु सक्सेना को चयनित किया गया है। गीतों के जादूगर के नाम से मशहूर विष्णु सक्सेना को साहित्य और कविता में उनके योगदान के लिए यह सम्मान दिया जाएगा। सम्मान समारोह के उपरांत सांस्कृतिक संध्या और राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। कवि सम्मेलन में विष्णु सक्सेना, प्रयागराज के नवगीतकार विनम्रसेन सिंह, तथा राम पर अपनी कविताओं के लिए मशहूर अमन अक्षर शिरकत करेंगे।

संगोष्ठी के दूसरे दिवस04.अगस्त 2025 को प्रथम सत्र हिंदी विभाग के वृंदावन लाल वर्मा सभागार में आयोजित किया जाएगा। इस सत्र की अध्यक्षता डॉ. उमेश कुमार सिंह, पूर्व अध्यक्ष, साहित्य एकेडमी, भोपाल करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर योगेंद्र प्रताप सिंह होंगे। वक्ता के रूप में प्रोफेसर हिमांशु सेन -लखनऊ, डॉ. विनम्रसेन सिंह -प्रयागराज तथा डॉ. गोपेश्वर दत्त पांडेय-नई दिल्ली होंगे। द्वितीय सत्र 12.15 बजे से 2 बजे तक आयोजित किया जाएगा। तृतीय सत्र 3 बजे से 5 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इसकी अध्यक्षता प्रोफेसर अवधेश कुमार शुक्ल -वर्धा द्वारा की जाएगी। मुख्य वक्ता प्रोफेसर देवेंद्र- बिलासपुर तथा वक्ता के तौर पर डॉ. विनोद कुमार द्विवेदी - लखनऊ, प्रो. सिद्धार्थ शंकर - छपरा, प्रो सतेंद्र कुमार दुबे- सिद्धार्थनगर उपस्थित रहेंगे। संगोष्ठी का चतुर्थ सत्र शाम 6:00 बजे गांधी सभागार में आयोजित किया जाएगा। इस सत्र में प्रख्यात साहित्यकार एवं संस्कृतिकर्मी मालिनी अवस्थी अपनी नई पुस्तक चंदन किवाड़ पर चर्चा करेंगी। संगोष्ठी का समापन समारोह दिनांक 05अगस्त को सुबह 11 बजे हिंदी विभाग के वृंदावनलाल वर्मा सभागार में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के अध्यक्ष माननीय कुलपति प्रोफेसर मुकेश पाण्डेय तथा मुख्य अतिथि श्री हरगोविंद कुशवाहा, माननीय दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश होंगे। कार्यक्रम के सारस्वत अतिथि विश्वविद्यालय के कुलसचिव राज बहादुर तथा मुख्य वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. पवन अग्रवाल होंगे। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा।

उक्तजानकारी हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो मुन्ना तिवारी नेदी । इस अवसर पर राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के पौत्र वैभव गुप्त, डॉ. श्रीहरि त्रिपाठी, डॉ. बिपिन प्रसाद, डॉ. कौशल त्रिपाठी, डॉ .प्रेमलता श्रीवास्तव, डॉ. सुधा दीक्षित, डॉ. रेनू शर्मा, डॉ. पूजा निरंजन, डॉ. सुनीता वर्मा, गरिमा, रिचा, जोगिंदर, आकांक्षा सिंह, मनीष मंडल उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

रेलकर्मी कर सकेंगे अपने पदोंव विभागों की अदला बदली

झांसी जयूसं। अब रेलकर्मी आपसी स्वेच्छा से अपने अपने पदों और विभागों की किसी भी स्तर पर अदला बदली कर सकते हैं। रेलवे बोर्ड ने म्युचुअल ट्रांसफर से संबंधित आदेश जारी कर दिया है। 1800 ग्रेड पे में कार्यरत दो रेलकर्मियों के बीच मंडल के अंदर या दो मंडलों के बीच या दो विभिन्न जोन में आपसी सहमति से उनके पदों और विभागों की अदला बदली की जा सकेगी। ऑल इंडिया रेलवेमेंस फेडरेशन से जुड़ी एनसीआरएमयू ने बोर्ड के निर्णय का स्वागत किया है। बोर्ड के निर्णय से रेलकर्मियों को राहत मिली है। अब अपनी इच्छा के अनुसार सुविधाजनक विभाग, जोन और मंडल में आपसी सहमति से पदों की अदला-बदली कर सकेंगे।

इनका कहना

एनसीआरएमयू के मंडल सचिव अमर सिंह ने बताया कि यह देखा जा रहा था कि दो अलग-अलग विभागों के बीच आपसी सहमति से पदों की अदला बदली को मंडल व जोन स्तर पर स्वीकार नहीं किया जा रहा था। रेलवे बोर्ड की स्थाई वार्ता तंत्र की बैठक में इस पर बोर्ड से गाइडलाइन जारी करने का आग्रह किया गया था। बोर्ड ने स्पष्ट किया कि 1800 ग्रेड पे में कार्यरत दो रेलकर्मियों के बीच मंडल के अंदर या दो मंडलों के बीच या दो विभिन्न जोन में आपसी सहमति से उनके पदों और विभागों की अदला बदली की जा सकती है।

रेलवे इंजीनियर्स फेडरेशन की बैठक आज

झांसी जयूसं। नॉर्थ सेन्ट्रल रेलवे इंजीनियर्स एसोसिएशन के तत्वावधान में ऑल इंडिया रेलवे इंजीनियर्स फेडरेशन की केंद्रीय कार्यकारिणी की बैठक 2 अगस्त को एक होटल में आयोजित की गई है। यह जानकारी एसोसिएशन के महासचिव आर के गुप्ता ने दी। उन्होंने बताया कि 3 अगस्त को नॉर्थ सेंट्रल रेलवे इंजीनियर्स एसोसिएशन का द्वार्षिक अधिवेशन विश्वेश्वरैया ऑडिटोरियम वर्कशॉप में प्रांत: दस बजे आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि केंद्रीय कार्यकारिणी की बैठक में देशभर के विभिन्न जोनों व मंडलों से पदाधिकारी सम्मिलित होंगे और रेल अभियंताओं की विभिन्न समस्याओं व विसंगतियों के बारे में विस्तृत चर्चा की जाएगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की विभिन्न तैयारियों के संबंध में एक बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में बताया गया कि 3 अगस्त को संरक्षा सेमिनार के मुख्य अतिथि एमएलसी डॉ. बाबूलाल तिवारी व विशिष्ट अतिथि मुख्य कारखाना प्रबंधक इं. अजय श्रीवास्तव रहेंगे। बैठक में ए के त्यागी, आर के गुप्ता, सुधीर गुप्ता, मधुर पांडेय, सुनील यादव, जितेंद्र शर्मा आदि लोग शामिल रहे हैं। अंत में इं. अंजनी कुशवाहा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सीसीएम ने जनरल बुकिंग में ऑन ड्यूटी रजिस्टर को किया चेक

झांसी जयूसं। सीसीएम (पीएस) ने आरक्षण कार्यालय, टीटीई रेस्ट हाउस आदि स्थानों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जनरल बुकिंग में ऑन ड्यूटी रजिस्टरों को चेक किया। इससे वहां हडकंप मच गया। सीसीएम (पीएस) बसंत कुमार शर्मा एक दिवसीय दौरा पर झांसी आए। यहां आकर शुक्रवार की सुबह टीटीई रेस्ट हाउस का निरीक्षण किया। इसके बाद वह वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी रेलवे स्टेशन पहुंचे। यहां पर उन्होंने आरक्षण कार्यालय, जनरल वेटिंग रुम, फूड प्लाजा आदि स्थानों का निरीक्षण निरीक्षण किया। बुकिंग कार्यालय में लगी भीड़ को देखते हुए उन्होंने क्यूआर कोड लागू करने के निर्देश दिए हैं।

स्वच्छता की दिलाई गई शपथ

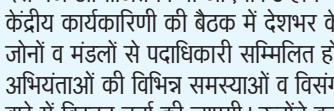

सीसीएम (पीएस) बसंत कुमार शर्मा ने वीरांगना लक्ष्मी बाई झांसी रेलवे स्टेशन पर सभी रेल कर्मचारियों एवं सफाई मित्रों को स्वच्छता शपथ दिलाई एवं यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर स्टेशन डायरेक्टर सीमा तिवारी, सहायक वाणिज्य प्रबंधक पंकज त्रिपाठी, मुख्य टिकट निरीक्षक हुकुम सिंह चौहान, सीसीआई मनोज तिवारी, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक तेजपाल सिंह, स्वास्थ्य निरीक्षक मनीराम, रिटायरिंग प्रभारी अवधेश दुबे आदि लोग शामिल रहे है।

टीटीई से अभद्र व्यवहार करना आरक्षी को पड़ा महंगा, निलंबित

बिना टिकट यात्रा कर रहे सिपाही ने टीटीई सेकी थी, गाली गलौज

झांसी जयूसं। अब खाकी को टीटीई से अभद्र व्यवहार करना काफी महंगा पड़ना शुरु हो गया। ऐसा ही एक मामला छतरपुर रेलवे स्टेशन का प्रकाश में आया है। यहां पर बिना टिकट यात्रा कर रहे सिपाही ने टीटीई से गाली गलौज व जेल में बंद करने की धमकी दी थी। इस मामले को वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमन वर्मा ने गंभीरता से लेते हुए एसपी छतरपुर से वार्तालाप की। तत्काल प्रभाव से एसपी छतरपुर ने आरक्षी को निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। इस कार्रवाई से टीटीई को न्याय मिला है। उपमुख्य टिकट निरीक्षक संदीप तिवारी महाराजा छत्रसाल छतरपुर रेलवे स्टेशन पर तैनात है। बीते रोज वह छतरपुर रेलवे स्टेशन पर ड्यूटी कर रहा था, तभी गाड़ी संख्या 22163 महामना एक्सप्रेस छतरपुर रेलवे स्टेशन पर आकर खड़ी हुई। इसी गाड़ी से उतरे रेलयात्रियों के टीटीई द्वारा टिकट चेक किए जा रहे थे। इसी बीच टीटीई संदीप तिवारी ने खाकी वर्दी पहने एक व्यक्ति को रोका और उससे रेलयात्रा टिकट मांगा। इसी बात को लेकर सिपाही भड़क गया। सिपाही ने अपना नाम अविनाश रजक बताया। सिपाही ने कहा कि वह छतरपुर पुलिस लाइन में तैनात है। वह बिना टिकट यात्रा कर रहा था। हिम्मत है तो उसे पकड़कर दिखाओ। तभी टीटीई ने सिपाही से कहा कि महोदय, बिना टिकट यात्रा करना नियम विरुद्ध है, जुर्माना वसूला जाएगा। यह बात सुनते ही सिपाही आग बबूला हो गया और कहने लगा कि हिम्मत तो उससे जुर्माना वसूला। अगर जुर्माना वसूला तो टीटीई महोदय जेल भिजवा दूंगा। इसी दौरान सिपाही ने टीटीई से अभद्र व्यवहार किया। तभी किसी ने सिपाही की वीडिया सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इसके बाद सिपाही स्टेशन पर ही टीटीई को धमकी देकर चला गया। इस घटना की सूचना टीटीई संदीप तिवारी ने कॉर्मिशयल कंट्रोल व संबंधित रेल अधिकारियों को दी। साथ ही घटना की लिखित शिकायत जीआरपी चौकी छतरपुर व सिविल पुलिस छतरपुर को भी दी। इस मामले को जानकारी वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमन वर्मा को हुई तो उन्होंने मामले को गंभीरता से लिया। तत्काल प्रभाव से उन्होंने पीड़ित टीटीई से फोन पर वार्तालाप की। इस मामले में पुलिस अधीक्षक छतरपुर और पुलिस अधीक्षक जीआरपी जबलपुर को पत्र लिखकर सिपाही के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

इनका कहना है

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमन वर्मा ने कहा कि जैसे ही टीटीई संदीप तिवारी के साथ सिपाही ने अभद्र व्यवहार किया है। इस घटना को उन्होंने गंभीरता से लेते हुए एसपी छतरपुर व एसपी रेलवे जबलपुर से संपर्क किया है। उनका कहना है कि अपने कर्मचारियों की गरिमा, सुरक्षा और सम्मान के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यह घटना न केवल रेलवे कर्मचारियों के मनोबल को ऊंचा करती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि किसी भी प्रकार के व्यवहार या अन्याय को सहन नहीं किया जाएगा। रेल प्रशासन ऐसे प्रत्येक कर्मचारी के साथ खड़ा है जो कर्तव्यनिष्ठा से पने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करता है।

इनका कहना है

एसपी छतरपुर अमन जैन ने कहा कि इस घटना को उन्होंने गंभीरता से लिया है। रेलवे के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमन वर्मा से फोन पर वार्तालाप की। तत्पश्चात दोषी सिपाही अविनाश रजक को निलंबित कर दिया। साथ ही उक्त मामले में विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। एसपी छतरपुर का कहना है कि इस तरह की हरकत गलत है। ऐसे सिपाही के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी, ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

मोटरसाइकिल व मोबाइल आदि लूट के मामले में दोषी को 07 वर्ष का कठोर कारावास , 20 हजार रूपये अर्थदण्ड

झांसी जयूसं। दस साल पहले मोटरसाइकिल व मोबाइल आदि लूट के मामले में दोषी एक अभियुक्त को विशेष न्यायाधीश(द. प्र.क्षे.)नेत्रपाल सिंह) के न्यायालय ने 07 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई, साथ ही 20 हजार रूपये अर्थदण्ड से भी दंडित किया गया। विशेष अधिवक्ता विपिन कुमार मिश्रा के अनुसार वादी मुकदमा बालादीन कुशवाहा ने थाना शाहजहाँपुर लिखित तहरीर देते हुए बताया था कि अपने भतीजे मोनू पुत्र हरीमोहन कुशवाहा के साथ अपने बहनोई राजाराम पुत्र मन्त्रूलाल कुशवाहा की मोटर साइकिल से भाण्डेर से अपने गाँव शाहजहाँपुर आ रहा था कि बझेरा स्टेट शाहजहाँपुर रोड पर बम्बा की पुलिया पर दो बदमाशों ने अपनी मोटर साइकिल आगे अड़ाकर तमंचे की बट से एवं लात-घूसों से मुझे व मेरे भतीजे मोनू के साथ मारपीट कर हमारी मोटर साइकिल , एक फोन लावा कम्पनी का लूट ले गये। हम दोनों ने उन में से एक बदमाश जिसके पास तमंचा था, ग्राम खजूरी के वीरेन्द्र पाल का भाँजा गोविन्द पाल दतिया वाला पहचान लिया तो हम लोग अपने अन्य रिश्तेदारों की मदद से अपनी मोटर साइकिल आदि की तलाश में लगे रहे, तो पता चला कि लूटने वाले दोनों बदमाशों में एक गोविन्द पाल पुत्र जगदीश पाल निवासी दतिया मध्य प्रदेश तथा दूसरा अजय यादव पुत्र राममिलन यादव हाल निवासी होमगार्ड कालोनी दिनारा रोड थाना कोतवाली, दतिया, मध्य प्रदेश थे। इन बदमाशों से मुझे, मेरे भतीजे व परिवार के सदस्यों को जान माल का भविष्य में खतरा है। वादी की तहरीर के आधार पर थाना शाहजहाँपुर पर 05 जुलाई 2015 अभियुक्तगण गोविन्द पाल एवं अजय यादव के विरुद्ध धारा-×94 के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। दौरान विवेचना विवेचक द्वारा अभियुक्तगण को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से तमंचा, कारतूस एवं मोबाइल बरामद किये गये। उक्त मामले में आरोप सिद्ध होने पर न्यायालय द्वारा अभियुक्त गोविन्द पाल पुत्र जगदीश पाल निवासी ग्राम जिगना जिला दतिया, मध्यप्रदेश को धारा-×94 भा.द.स. में 07 वर्ष के कठोर कारावास एवं 10 हजार रूपये अर्थदण्ड, अर्थदण्ड अदा न करने पर 06 माह के अतिरिक्त कठोर कारावास , धारा-411 भा.द.सं. में 2 वर्ष के कठोर कारावास एवं 5 हजार रूपये अर्थदण्ड , अर्थदण्ड अदा न करने पर 0× माह के अतिरिक्त कारावास, धारा-25 आयुध अधिनियम में 2 वर्ष के कारावास एवं 5 हजार रूपये अर्थदण्ड , अर्थदण्ड अदा न करने पर 0× माह के अतिरिक्त कारावास की सजा सुनाई गयी।

एक दिवसीय वेबिनार सम्पन्न : वाणिज्य व अर्थशास्त्र विभाग के छात्र-छात्राओं के लिए ''वित्तीय साक्षरता, प्रतिभूति बाजार जागरूकता कार्यक्रम'' पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन

झाँसी जयूसं। शुक्रवार को वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र विभाग, बुन्देलखण्ड कॉलेज, झाँसी, उ.प्र. एवं उद्यम एक्सपर्ट कन्सलटेंसी एलएलपी, हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में ''वित्तीय साक्षरता एवं प्रतिभूति बाजार जागरूकता कार्यक्रम'' विषय पर एक दिवसीय वेबिनार - ऑनलाइन का आयोजन किया गया। वेबिनार की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. एस.के. राय के द्वारा की गयी। वेबिनार की मुख्य वक्ता पायल गुप्ता - सेबी स्मार्ट ट्रेनर, मोनिका सिंह - प्रशिक्षण समन्वयकएवं नीशु चौधरी - ट्रेनिंग एग्जीक्यूटिव-वित्तीय साक्षरता सलाहकार निकाय उद्यम विशेषज्ञ रहीं। वेबिनार में मुख्यतः शेयर बाजार, वित्तीय नियोजक - दीर्घ एवं लघु अवधि, निवेश एवं प्रकार, म्यूचुअल फण्ड, निवेशक जागरूकता एवं वित्तीय सुरक्षा, ऑनलाइन धोखा-धड़ी और उसके बचाव हेतु सेबी द्वारा सारथी ऐप बनाया गया है और बैंकों की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। वेबिनार के समन्वयक डॉ. अरूण कुमार, डॉ. प्रशान्त एवं डॉ. संतोष रानी रहे। कार्यक्रम में 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस वेबिनार का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को वित्तीय साक्षरता एवं स्टाक मार्केट (सेबी) के बारे में जागरूक करना था। छात्र-छात्राओं को जागरूक निवेशक बनाने के लिए भारत सरकार (हस्छरु एवं वित्त मंत्रालय) के माध्यम से ''बाजार का एकलव्य'' नामक अभियान संचालित कर रही हैं।

प्रो. पी.एल. सिंह -वाणिज्य, विभाग प्रभारी, प्रो. उमारतन यादव, - अर्थशास्त्र, विभाग प्रभारी एवं प्रो. मंजरी दमेले ने छात्र-छात्राओं को शेयर मार्केट के विभिन्न बारीकियों एवं आयामों से अवगत कराया। कार्यक्रम में शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

भारत गौरव रत्न श्री सम्मान अवार्ड से सम्मानित हुए डॉ.संदीप, वर्ल्ड ह्यूमन राइट प्रोटेक्शन कमीशन के नेशनल वॉइस प्रेसिडेंट हुए नियुक्त

नई दिल्ली। संघर्ष सेवा समिति जिसके संस्थापक डॉ. संदीप सरावगी ने असहाय वर्ग को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने की विचारधारा के साथ यह समाजसेवी संगठन शुरु किया था। समय के साथ-साथ सदस्यों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई, समाजसेवा का कार्यक्षेत्र भी व्यापक होता गया। लोगों को सहायता मिली तो प्रसिद्धी भी तीव्र गति से मिलती गई। झाँसी जनपद और आसपास के क्षेत्र में डॉक्टर संदीप के समाजसेवी कार्यो को देखते हुए अब तक राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय, राज्य और क्षेत्रीय स्तर के सैकड़ों अवॉर्डों से सम्मानित किया जा चुका है। डॉ. संदीप के कार्यो को देखते हुए देश की राजधानी दिल्ली चाणक्यपुरी स्थित दा अशोक होटल में डॉ.संदीप को भारत गौरव रत्न श्री सम्मान अवार्ड से विभूषित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में असम, नागालैंड और मिजोरम के पूर्व गवर्नर जदीश मुखी, दिल्ली विधानसभा सदस्य चंदन कुमार चौधरी, बॉलीवुड अभिनेत्री नुशरत भरूचा, निजाम फैमिली वीफेयर संगठन के अध्यक्ष नजफ अली खान, द रिपब्लिक ऑफ पलाऊ टू इंडिया के पदाधिकारी नीरज शर्मा, वेनेजुएला के बोलीवेरियन गणराज्य की राजदूत कैपया रोड्रिगेज गोंजालेज, मालदीव गणराज्य की उच्चायुक्त ऐशथ अज़ीमा, इराक गणराज्य से नजर मिरजन अल असदी, रवांडा गणराज्य के उच्चायुक्त मुंकागिरा जैकलीन, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ तिमोर-लेस्टे के राजदूत कार्लिटो नन्स, बोस्निया और हर्जेगोविना के सचिव आर्मिन मेसिनोविक उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा कार्यक्रम में आमंत्रित प्रभावशाली व्यक्तित्वों को प्रशस्ति पत्र एवं प्रशस्ति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान मिनिस्ट्री ऑफ़ कॉरपोरेट अफेयर्स गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया के तहत भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त अवार्ड है। विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले प्रभावशाली व्यक्तित्वों को सम्मानित करने हेतु प्रतिवर्ष यह सम्मान समारोह राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया जाता है। इस वर्ष देश भर के कुल 40 लोगों को इस सम्मान से विभूषित किया गया। इसके साथ ही डॉक्टर संदीप को वर्ल्ड ह्यूमन राइट प्रोटेक्शन कमीशन के नेशनल वॉइस प्रेसिडेंट के पद पर भी नियुक्त किया गया। डॉ. संदीप का कहना है समाजसेवा किसी एक व्यक्ति विशेष के बस की बात नहीं है इसके लिए एक सशक्त संगठन की आवश्यकता होती है। संगठन में ऐसे सहयोगियों का होना जरूरी है जो पूर्ण मनोयोग के साथ परोपकार की भावना रखते हुए समाज को मुख्य धारा से जोड़ने हेतु सजगता के साथ कार्य करें। यदि आपके समक्ष कभी ऐसी स्थिति आती है कि कोई असहाय या पीड़ित व्यक्ति आपसे सहायता का अनुरोध कर रहा हो और सहयोग में आपका हाथ आगे बढ़ता है तो निश्चित रूप से आपके अंदर मानवता जीवित है। हमें निश्चित रूप से असहायों पीड़ितों की क्षमतानुसार सहायता करना चाहिए यही मानव धर्म है। आज विभिन्न स्तरों पर जो सम्मान प्राप्त हो रहे हैं निश्चित रूप से इसमें संघर्ष सेवा समिति के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों का सहयोग है। मैं देश भर की जनता से यह आवाह्न करता हूं यदि आप प्रत्यक्ष रूप से समाज हेतु कोई कार्य नहीं कर पा रहे हैं तो आप हमारी समिति से जुड़कर समाज का सहयोग कर सकते हैं, यह विश्वास रखिए परोपकार कर निश्चित रूप से आपको आत्मशुद्धि जैसी भावनाओं का अनुभव होगा।

राष्ट्रीय लोक दल किसान प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष बने राकेश

झाँसी जयूसं। राष्ट्रीय लोक दल उत्तर प्रदेश किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रामकृष्ण सिंह पटेल ने प्रदेश स्तर पर जिला स्तर पर राष्ट्रीय लोकदल किसान प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश को मजबूती प्रदान करने के लिए भारत रत्न स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह एवं स्वर्गीय चौधरी अजीत सिंह की विचारधारा में आस्था रखते हुए जयंत चौधरी के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोक दल के संगठन को मजबूती एवं गतिशील प्रदान करने के लिए झांसी निवासी अधिवक्ता राकेश रायकवार वह झांसी का किसान प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया है और प्रदेश अध्यक्ष रामकृष्ण सिंह पटेल किसान प्रकोष्ठ संगठन को गति प्रदान करने के लिए संघर्ष रहेंगे और पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों को गांव-गांव पहुंचाएंगे।

लोक मोर्चा कार्यकर्ता सम्मेलन कल

झाँसी जयूसं। लोकमोर्चा का कार्यकर्तासम्मेलन 03अगस्त खुशीपुरा में आयोजित किया जा रहा है राष्ट्रीय समानता दल की बैठक बड़ा गांव निवासी आत्माराम कुशवाहा के निवास पर झांसी जिला अध्यक्ष राजेंद्र सिंह कुशवाहा राजू के मुख्य अतिथि में संपन्न हुई बैठक कीअध्यक्षता दल के प्रवक्ता महेश कुमार कुशवाहाने उपस्थित भक्तों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए उपस्थित लोगों को भागवत कराया की आगामी 3 अगस्त 2025 दिन रविवार को स्वतंत्र राज जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष घनश्याम कोरी के निवास के निकट से द श्यामलाल सरपंच भवन खुशीपुरा झांसी में सुबह प्रातः 11ः00 बजे से शाम 5ः00 बजे तक लोक मोर्चा कार्य करता सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है जिसमें राष्ट्रीय समानता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोतीलाल शास्त्री, पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री स्वामी प्रसाद मौर्य मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे आयोजित लोक लोक मोर्चा कार्यकर्ता सम्मेलन को गठबंधन पार्टी के राष्ट्रीय प्रदेश लेवल के नेता संबोधन करेंगे राष्ट्रीय समानता दल के राष्ट्रीय कार्यकर्न ए अध्यक्ष नरेश पाल जी का आगमन हो रहा है उनके स्वागत के लिए रूपरेखा बनाई गई है जिनका की मौठ, चिरगांव, पारीछा, बड़ागांव, कोछा भावर, मेडिकल बाईपास बस स्टैंड तालपुरा खुशीपुरा में उनका भविष्यवाणी किया है जिसकी तैयारी के लिए आज कार्यकर्ताओं ने रणनीति बनाई वह आगामी तीन अगस्त 2025 को लोक मोर्चा कार्य करता सम्मेलन में पहुंचने की सभी सती की गई जय राम कुशवाहा बड़े समाजसेवी को जिला उपाध्यक्ष उनके साथ कई लोग उपस्थित रहे।

cmyk +

स्तन कैंसर को लेकर शोधकर्ताओं का अध्ययन

कोविड व फ्लू वायरस से स्तन कैंसर कोशिकाएं हो सकती हैं सक्रिय

■ शोध में चूहों पर किए गए प्रयोगों और मानव रोगियों के विश्लेषण में चला पता

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। एक नए अध्ययन के अनुसार कोविड-19 और इन्फ्लूएंजा जैसे सामान्य श्वसन संक्रमण फेफड़ों में निष्क्रिय (डॉर्मेंट) ब्रेस्ट कैंसर कोशिकाओं को सक्रिय कर सकते हैं, जिससे नए मेटास्टेटिक ट्यूमर बनने का खतरा बढ़ जाता है।

'नेचर' मैग्जीन में प्रकाशित इस शोध में चूहों पर किए गए प्रयोगों और मानव रोगियों के विश्लेषण से पता चला है कि कोविड-19 (सार्स-कोविड-2) महामारी के दौरान कैंसर से बचे लोगों में मृत्यु दर और फेफड़ों में मेटास्टेटिक बीमारी में वृद्धि हुई। अमेरिका के अल्बर्ट आइंस्टीन कॉलेज ऑफ मेडिसिन के जूलियो अगुइरे-घिसो ने कहा कि हमारे निष्कर्ष बताते हैं कि कैंसर सर्वाइवर्स को श्वसन वायरस से बचाव के लिए सावधानी बरतनी चाहिए। इसमें वैक्सीनेशन और डॉक्टर से सलाह लेना भी शामिल है।

पिछले शोधों से पता चला है कि सूजन की प्रक्रिया निष्क्रिय कैंसर कोशिकाओं को सक्रिय कर सकती है। ये कोशिकाएं प्राइमरी ट्यूमर से अलग होकर अन्य अंगों में फैलती हैं और लंबे समय तक निष्क्रिय रहती हैं। कोविड महामारी के दौरान कैंसर मृत्यु दर में वृद्धि ने इस विचार को बल दिया कि गंभीर सूजन इन कोशिकाओं को सक्रिय कर सकती है। शोधकर्ताओं ने चूहों पर सार्स-कोविड 2 और इन्फ्लूएंजा वायरस का परीक्षण किया।

दोनों ही वायरस ने फेफड़ों में निष्क्रिय डीसीसीएस को सक्रिय कर दिया, जिससे कुछ ही दिनों में मेटास्टेटिक कोशिकाओं की संख्या तेजी से बढ़ी और दो सप्ताह के भीतर मेटास्टेटिक घाव दिखाई दिए।

मॉलेक्यूलर एनालिसिस से पता चला कि यह प्रक्रिया इंटरल्यूकिन-6 नामक प्रोटीन के कारण होती है, जो संक्रमण या चोट के जवाब में इम्यून सेल्स छोड़ती हैं। इससे अवरोधकों या अन्य लक्षित इम्यूनोथेरेपी से मेटास्टेसिस को रोकने या कम करने में मदद मिल सकती है।

मानव डेटाबेस के विश्लेषण से पता चला कि कैंसर से ठीक हुए मरीजों में श्वसन संक्रमण के बाद मेटास्टेसिस का खतरा बढ़ जाता है, खासकर पहले साल में। नीदरलैंड्स की यूट्रीख्ट यूनिवर्सिटी के रूल वर्म्यूलन ने बताया कि कैंसर से बचे लोगों में सामान्य श्वसन वायरल संक्रमण के बाद मेटास्टेटिक रिलैप्स का जोखिम बढ़ सकता है। उन्होंने बताया कि यह अध्ययन कोविड-19 टीकों के उपलब्ध होने से पहले का है।

सीलिएक की दवा बच्चों के पोस्ट कोविड सिंड्रोम इलाज में मददगार

नई दिल्ली। सीलिएक रोग (आंतों की एक ऑटोइम्यून बीमारी) के इलाज के लिए बनाई गई दवा 'लाराजोटाइड' उन बच्चों के लिए फायदेमंद हो सकती है, जो कोविड-19 के बाद गंभीर पोस्ट-कोविड सिंड्रोम से पीड़ित हैं। यह बात एक अध्ययन में सामने आई है। यह अध्ययन 'साइंस ट्रांसलेशनल मेडिसिन' पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

कोविड-19 बच्चों में कम होता है, लेकिन कुछ मामलों में यह मल्टीसिस्टम इन्फ्लेमेटरी सिंड्रोम इन चिल्ड्रन (एमआईएस-सी) का कारण बन सकता है। यह एक गंभीर स्थिति है, जिसमें तेज बुखार, पेट की समस्याएं और दिल को नुकसान जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। अध्ययन में पाया गया कि लाराजोटाइड ने एमआईएस-सी से पीड़ित बच्चों को जल्दी सामान्य गतिविधियों में लौटने में मदद की।

मास जनरल ब्रिघम के सिस्टिक फाइब्रोसिस सेंटर की सह-निदेशक और प्रमुख शोधकर्ता लाएल योनकर ने कहा कि हमारा अध्ययन छोटा है, लेकिन इसके परिणाम महत्वपूर्ण हैं। यह न केवल एमआईएस-सी बल्कि लॉन्ग कोविड (लंबे समय से पीड़ित) के इलाज में भी उपयोगी हो सकता है।

उन्होंने बताया कि लाराजोटाइड सुरक्षित है और यह बच्चों में एमआईएस-सी के लक्षणों को तेजी से कम करती है। वर्तमान में एमआईएस-सी के इलाज के विकल्प सीमित हैं। कुछ मरीजों को सामान्य सूजन-रोधी दवाएं दी जाती हैं, लेकिन इनके बंद होने पर लक्षण फिर से सामने आ सकते हैं। ये दवाएं आंतों में मौजूद सार्स-कोविड-2 वायरस कणों को लक्षित नहीं करतीं। वहीं, लाराजोटाइड मुंह से ली जाने वाली दवा है, जो आंतों की दीवार को मजबूत करती है और वायरस कणों को खून में जाने से रोकती है।

शोधकर्ताओं ने 12 बच्चों पर डबल-ब्लाइंड क्लिनिकल ट्रायल किया। बच्चों को 21 दिनों तक रोज चार बार लाराजोटाइड या प्लेसिबो दिया गया और छह महीने तक उनकी निगरानी की गई। लाराजोटाइड लेने वाले बच्चों में पेट के लक्षण जल्दी ठीक हुए, वायरस कण तेजी से खत्म हुए और वे जल्दी सामान्य जीवन में लौटे।

'हाउसफुल-5' में शूट से पहले चित्रांगदा थीं नर्वस

मुंबई, (एजेंसियां)। गैसलाइट, इनकार, हजारों ख्वाहिशें ऐसी जैसी फिल्मों काम कर चुकी अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने बताया कि वह कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल-5' में काम करने से पहले बहुत घबराई हुई थीं क्योंकि बाकी सभी एक्टर्स पहले से ही कॉमेडी के अंदाज में ढल चुके थे, और वह उस माहौल में ढलने की कोशिश कर रही थीं। अभिनेत्री ने बताया कि मैं सच में शूटिंग शुरू होने से पहले घबराई हुई थी। लेकिन एक बार जब मैं उस माहौल में ढल गई, तो मैंने शूटिंग को खूब इंजॉय किया और बहुत मजा आया। अभिनेत्री ने बताया कि जब उन्हें कॉमेडी का तरीका समझ में आ गया, तो शूटिंग में बहुत मजे किए थे। 'तरुण मनसुखानी' द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अभिनेत्री ने कुछ स्टंट भी किए हैं। चित्रांगदा सिंह ने बताया कि हाउसफुल 5 की शूटिंग के दौरान कोई रिहर्सल नहीं हुई, बस सीधा सेट पर जाकर एक्टिंग शुरू करनी पड़ी। उन्होंने कहा कि मैं कभी शूटिंग में लड़ाई के सीन कर रही थीं। मुक्के मार रही थीं, लातें चला रही थीं, और कभी खुद गिर रही थीं। मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं फिर से बच्ची बन गई हूं। गंभीर, रोमांटिक किरदार करने वाली चित्रांगदा के लिए माया जैसा मस्तीभरा और अजीबोगरीब किरदार निभाना कुछ नया था। लेकिन उन्हें यह अनुभव काफी अच्छा लगा। अभिनेत्री ने आगे कहा कि सच कहूं तो ये बहुत मजेदार अनुभव था। अभिनय के दौरान मैंने खुद को आजाद कर दिया था और बस पागलपन को इंजॉय करने लगी थी। इस फिल्म में अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, जैकलीन फर्नांडीज और सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर जैसे सितारे अहम भूमिका में हैं।

शॉर्ट फिल्म प्रतियोगिता के लिए अश्विनी अय्यर तिवारी व शूजीत सरकार जूरी में शामिल

मुंबई, (एजेंसियां)। इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) 2025 के शॉर्ट फिल्म प्रतियोगिता के लिए फिल्मकार अश्विनी अय्यर तिवारी और शूजीत सरकार को जूरी में शामिल किया गया है। भारतीय सिनेमा और इसकी कहानियों को दुनियाभर में सम्मानित करने वाला प्रतिष्ठित मंच आईएफएफएम, 2025 की शॉर्ट फिल्म प्रतियोगिता के लिए अश्विनी अय्यर तिवारी और शूजीत सरकार को जूरी सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। हर साल इस प्रतियोगिता में कई नई और साहसी कहानियां सामने आती हैं, और शॉर्ट फिल्म श्रेणी सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी और रचनात्मक रूप से समृद्ध मानी जाती है। अश्विनी अय्यर तिवारी, जिनकी फिल्में नील बटे सन्नाटा और बरेली की बर्फी मानवीय भावनाओं को खूबसूरती से दर्शाती हैं, ने जूरी का हिस्सा बनने को लेकर कहा कि आईएफएफएम की शॉर्ट फिल्म प्रतियोगिता की जूरी में शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात है। शॉर्ट फिल्में एक बेहद असरदार माध्यम होती हैं, जो नई सोच और ताज़गी भरे नज़रिए से भरी होती हैं। मैं उन कहानियों को देखने के लिए उत्साहित हूं जो सच्चाई, नवाचार और युवा फिल्ममेकर्स का जुनून दिखाती हैं।

शूजीत सरकार, जिन्होंने पीकू, अक्टूबर, और सरदार उधम जैसी सामाजिक रूप से संवेदनशील फिल्में बनाई हैं, ने कहा कि आईएफएफएम एक शानदार मंच है जो दुनियाभर की प्रतिभाओं को एक साथ लाता है। शॉर्ट फिल्में अपनी संक्षिप्तता और गहराई से अक्सर लंबे समय तक असर छोड़ जाती हैं। मैं इस साल की प्रविष्टियां देखने और कुछ नए, दमदार फिल्ममेकर्स को जानने के लिए उत्सुक हूं।

फेस्टिवल डायरेक्टर मितु भौमिक लांगे ने कहा कि हम बेहद खुश हैं कि अश्विनी अय्यर तिवारी और शूजीत सरकार इस साल की शॉर्ट फिल्म प्रतियोगिता की जूरी में शामिल हो रहे हैं। वे भारतीय सिनेमा के सबसे सम्मानित क्रिएटिव लोगों में से हैं, और उनकी समझ और नजरिया प्रतियोगिता के मूल्यांकन को और खास बनाएगा।

स्कूली छात्राओं के पॉकेट मनी से बनाई राखियां

■ सीमाओं पर तैनात जवानों की कलाईयों में बंधेंगी

जांजगीर- चांपा, (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर चाम्पा जिला के स्काउट एंड गाइड में शामिल स्कूली छात्राओं के हाथों से बनी राखियां थल सेना के जवानों के लिए भेजी जा रही है। जिले भर के स्कूल्स की छात्राओं ने तीन हजार राखियां अपने हाथों से बनाई है। छात्राओं के पॉकेट मनी से बनी राखियां थल सेना के जवानों के हाथों में बंधेंगी।

जांजगीर चांपा के स्काउट गाइड प्रभारी दीपक यादव ने बताया कि जिले के स्कूल्स से राखियों को इकट्ठा करके रायपुर छत्तीसगढ़ स्थित कार्यालय में भेजा जा चुका है। छत्तीसगढ़ राज्य स्कूल शिक्षा विभाग और स्काउट एंड गाइड, छत्तीसगढ़ राज्य ने मिलकर एक राखी, सैनिक भाइयों के नाम का कार्यक्रम चलाकर राज्य भर के स्कूलों में इस कार्यक्रम में शामिल होने का आदेश जारी किया था।

दीपक ने कहा कि 'एक राखी, सैनिक भाइयों के नाम' की योजना पर काम कर रही स्कूली छात्राओं ने अपने पॉकेट मनी के रुपयों से यह राखियां बनाई हैं। स्काउट गाइड राज्य कार्यालय की ओर से यह राखियां, सीमा पर तैनात सेना के जवानों के लिए भेजी जाएंगी। स्कूली छात्राओं की यह पहल,सेना का मनोबल बढ़ाने में सहायक होगा। साथ ही, होगा यह भी कि हंसते-हंसते देश के लिए कुर्बानी देने को तैयार वीर जवानों की आंखों में खुशी आंसू होंगे और उनका दिल कहेगा- ये मेरा इंडिया।

स्वाद व औषधीय गुणो से भरपूर 'लिंगुड़ा'

■ रक्त चाप कंट्रोल करने व वजन घटाने में मददगार
■ विटामिन ए, विटामिन बी-कॉम्प्लेक्स, पोटैशियम, कॉपर और कैरोटीन जैसे पोषक तत्व

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। बरसात के मौसम में सेहत की देखभाल करना काफी जरूरी होता है, क्योंकि इस मौसम में नमी, गंदगी और वातावरण में बदलाव आता है, जो कई बीमारियों को साथ लाता है। ऐसे में बेहद जरूरी हो जाता है कि हम अपने भोजन में ऐसे खाद्य पदार्थ शामिल करें जो न सिर्फ शरीर को ऊर्जा दें, बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाएं। इस मौसम में हरी पत्तेदार सब्जियों और मौसमी फलों का सेवन फायदेमंद माना जाता है। लेकिन इन सबके बीच एक ऐसी पहाड़ी सब्जी भी है, जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। इस सब्जी का नाम है 'लिंगुड़ा', जिसे अलग-अलग क्षेत्रों में 'लिंगड़', 'लुंगडू' या 'कसरोड' जैसे नामों से जाना जाता है।

अमेरिकी वेबसाइट 'वेबएमडी' और अन्य न्यूट्रिशन पोर्टल्स के अनुसार, लिंगुड़ा का वानस्पतिक नाम मैटेरिया स्ट्रुथिओप्टेरिस है। इसमें लगभग 6 ग्राम प्रोटीन, 3 ग्राम फाइबर, 2 मिलीग्राम आयरन, 31 मिलीग्राम विटामिन सी, 8 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, और केवल 1 ग्राम फैट होता है। इसके अलावा, इसमें विटामिन ए, विटामिन बी-कॉम्प्लेक्स, पोटैशियम, कॉपर, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, सोडियम, और कैरोटीन जैसे आवश्यक पोषक तत्व भी पाए जाते हैं, जो शरीर को बीमारियों से बचाने के लिए जरूरी माने जाते हैं।

यह एक मौसमी सब्जी है, जो खासतौर पर उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और पूर्वोत्तर राज्यों के पहाड़ी इलाकों में उगती है। यह सब्जी बरसात के मौसम में पाई जाती है। स्वाद में बेहद खास होने के साथ-साथ यह सब्जी औषधीय गुणों से भरपूर होती है। पहाड़ी क्षेत्रों में लोग इसे सब्जी, अचार या साग के रूप में खाते हैं।

लिंगुड़ा के सेवन से कई जबरदस्त फायदे मिलते हैं। लिंगुड़ा में पाया जाने वाला फाइबर शरीर में जमे खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करता है, जिससे दिल की बीमारियों का खतरा घटता है। साथ ही, इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स ब्लड वेसल्स को स्वस्थ बनाए रखते हैं। यह ब्लड शुगर और बीपी को कंट्रोल करता है। इस सब्जी में पोटैशियम की भरपूर मात्रा होती है, जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करती है। साथ ही, इसमें कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स होने के कारण यह डायबिटीज के मरीजों के लिए भी फायदेमंद है। फाइबर की मौजूदगी ब्लड शुगर लेवल को संतुलित रखने में मदद करती है। इसके अलावा, लिंगुड़ा पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। विटामिन सी का भरपूर स्रोत होने के कारण यह सब्जी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करती है। इसमें मौजूद फाइबर कब्ज, गैस, अपच और एसिडिटी जैसी समस्याओं को दूर करता है। यह आंतों की सफाई में मदद करता है और पाचन क्रिया को सुधारता है। यह वजन घटाने में मददगार होती है। कम कैलोरी, कम फैट और अधिक फाइबर वाली यह सब्जी मेटाबॉलिज्म को तेज करती है और भूख को नियंत्रण में रखती है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

'सेलून वाले गुरुजी' की अनोखी पहल

गुरुजी खुद निःशुल्क काटते हैं छात्रों के बाल

■ अब तक 300 से अधिक बच्चों तक पहुंच चुकी है पहल

कबीरधाम/रायपुर, (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में शासकीय स्कूलों की दुर्दशा और शिक्षकों की उदासीनता के किस्से आम हैं, लेकिन कबीरधाम जिले के एक शिक्षक ने अपने कार्यों से इस धारणा को बदलने का प्रयास किया है।

जिले के बोड़ला ब्लॉक के शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय में पदस्थ शिक्षक पूनाराम पनागर, जिले में 'सेलून वाले गुरुजी' के नाम से पहचाने जाते हैं। वजह है-बच्चों की पढ़ाई को बढ़ावा देने उनका ये अनोखा तरीका। पूनाराम न सिर्फ बच्चों को पढ़ाते हैं बल्कि सरकारी हॉस्टलों में रह रहे गरीब और आदिवासी छात्रों के बाल भी खुद निःशुल्क काटते हैं। उनका उद्देश्य बच्चों के अभिभावकों का आर्थिक बोझ कम कर उन्हें पढ़ाई की ओर प्रेरित करना है। पूनाराम बताते हैं, जब मैं महलीघाट गांव के स्कूल में पदस्थ था, वहां आस-पास सैलून नहीं थे। बच्चों के लंबे बालों से परेशानी होती थी, तब मैंने खुद बाल काटना शुरू किया। बाद में यह आदत बन गई। वर्ष 2012 से शुरू हुई यह पहल अब तक 300 से अधिक बच्चों तक पहुंच चुकी है। हर महीने एक रविवार को पूनाराम सरकारी एससी-एसटी हॉस्टल के बच्चों के बाल काटते हैं। साथ ही वह बीते 15 वर्षों से पहली से दसवीं कक्षा तक के बच्चों को मुफ्त कोचिंग भी दे रहे हैं। पनागर हर साल खुद पर्चा छपवाकर लोगों से सरकारी स्कूल में बच्चों को पढ़ाने की अपील करते हैं।

स्पेशल ओलंपिक्स भारत में जेपी पब्लिक स्कूल के छात्रों ने हासिल किया बारह पदक

ग्रेटर नोएडा, (एजेंसियां)। डीजे ग्रुप ऑफ कॉलेजे, मोदीनगर में आयोजित स्पेशल ओलंपिक्स भारत उत्तर प्रदेश राज्य चैम्पियनशिप में बौद्धिक अक्षमता वाले खिलाड़ियों ने प्रतिभा और खेल भावना का अद्भुत प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों के रूप में डॉ. मल्लिका नड्डा (अध्यक्ष, स्पेशल ओलंपिक्स भारत), उत्तर प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण और दिव्यांगजन मंत्री, नरेंद्र कश्यप उपस्थित रहे। इस चैम्पियनशिप में जेपी पब्लिक स्कूल ग्रेटर नोएडा के छात्रों ने कुल 12 पदक जीतकर स्कूल का नाम रोशन किया, जिसमें 9 स्वर्ण और 3 रजत पदक शामिल हैं। प्रमुख विजेताओं में शामिल हैं। इस प्रतियोगिता में अंश ठाकुर-गोल्फ और टेनिस में स्वर्ण, कुशिका चौहान- गोल्फ और बास्केटबॉल में स्वर्ण, आराध्या सिंह- टेनिस और बास्केटबॉल में स्वर्ण, रिवान श्रीवास्तव-बास्केटबॉल में स्वर्ण, टेबल टेनिस में कांस्य, आर्यन सिंह-बास्केटबॉल में स्वर्ण, टेबल टेनिस में कांस्य, विवान जैन-बास्केटबॉल में स्वर्ण, टेबल टेनिस में कांस्य, जगन पनिमिल-बास्केटबॉल में रजत, अरुष सिंह- बास्केटबॉल में रजत, हृद्य शंकर-गोल्फ में रजत प्राप्त किया। प्रतियोगिता में संयोजक नीरज सिंह, एचओडी पीई स्पोर्ट्स, कोच सचिन कुमार, धर्मेंद्र कुमार, पारुल गोस्वामी, आकाश शर्मा तथा विशेष शिक्षक पूनम ठाकुर मौजूद रहे।

विश्व स्तनपान सप्ताह 2025

बच्चों के स्वस्थ विकास का सबसे प्रभावी तरीका

मुंबई, (एजेंसियां)। हर साल अगस्त के पहले सप्ताह में विश्व स्तनपान सप्ताह (1-7 अगस्त) मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य शिशुओं को कुपोषण से बचाना और उनके मानसिक-शारीरिक विकास को बढ़ावा देना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के सहयोग से यह अभियान स्तनपान के महत्व को रेखांकित करता है, जो बच्चों के स्वस्थ विकास और जीवन रक्षा का सबसे प्रभावी तरीका है।

इस वर्ष की थीम 'स्तनपान को प्राथमिकता दें स्थायी सहायता प्रणालियां बनाएं है, जिसका उद्देश्य माताओं और शिशुओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाना है। यह थीम माताओं को स्तनपान के लिए प्रोत्साहित करने और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए सहायता पर भी ध्यान दिलाती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के अनुसार, स्तनपान बच्चों को स्वस्थ रखने का सबसे अच्छा तरीका है। यह शिशुओं को पोषण और रोगों से लड़ने की ताकत देता है, जिससे दस्त और निमोनिया जैसी बीमारियों से बचाव होता है। साथ ही, यह माताओं में स्तन कैंसर, डिम्बग्रंथि कैंसर और टाइप-2 मधुमेह का खतरा कम करता है। वर्तमान में दुनिया भर में 6 महीने से कम उम्र के केवल 48 प्रतिशत शिशुओं को ही पूरी तरह स्तनपान कराया जाता है। पिछले 12 सालों में यह आंकड़ा 10 प्रतिशत बढ़ा है, जिससे लाखों बच्चों की जान बची है। फिर भी साल 2025 तक 50 प्रतिशत का लक्ष्य पाने के लिए और मेहनत चाहिए। यूनिसेफ के आंकड़ों के अनुसार, स्तनपान दरों में सुधार से हर साल 8.2 लाख बच्चों की जान बचाई जा सकती है। आपात स्थितियों में यह शिशुओं के लिए सुरक्षित और सुलभ भोजन का स्रोत है। यूनिसेफ के अनुसार, 'पिछले 12 वर्षों में दुनिया भर में छह महीने से कम उम्र के उन शिशुओं की संख्या, जिन्हें केवल स्तनपान कराया जाता है, 10 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ी है। इसका मतलब है कि दुनिया भर में 48 प्रतिशत शिशु अब जीवन की इस स्वस्थ शुरुआत का लाभ उठा रहे हैं। इसका मतलब है कि स्तनपान से लाखों शिशुओं की जान बच गई है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता और स्वास्थ्य कर्मी माताओं को स्तनपान के बताएंगी फायदे

इस कैंपेन का लक्ष्य समाज, ऑफिस और सरकारी नीतियों में ऐसी व्यवस्थाएं बनाना है जो माताओं को स्तनपान के लिए समर्थन दें। बोतलबंद दूध के नुकसान के बारे में जागरूकता फैलाना और कार्यस्थलों पर सहायता बढ़ाना भी इसका हिस्सा है। 2025 की थीम पर्यावरण और मातृ स्वास्थ्य को जोड़ती है, जो स्तनपान को टिकाऊ और पर्यावरण के लिए फायदेमंद बताती है। जब माताओं को अपने शिशुओं को स्तनपान कराने के लिए आवश्यक सहायता मिलती है, तो सभी को लाभ होता है। आंकड़ों के अनुसार, स्तनपान दरों में सुधार से हर साल 8,20,000 से ज्यादा बच्चों की जान बचाई जा सकती है। शुरुआती वृद्धि और विकास के इस महत्वपूर्ण दौर में स्तन के दूध में मौजूद एंटीबॉडी शिशुओं को बीमारी और मृत्यु से बचाती हैं। यह आपात स्थिति के दौरान विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जब स्तनपान शिशुओं और छोटे बच्चों के लिए एक सुरक्षित, पौष्टिक और सुलभ भोजन स्रोत की गारंटी देता है।

कश्मीर में मटन का संकट गहराया

शादियों की तैयारियों में जुटे परिवारों के लिए चिंता का विषय

■ अवैध भुकतान वसूलने से शंभू बॉर्डर व माधोपुर में ट्रांसपोर्टर परेशान
■ कसाई से लेकर रसोइयों और आपूर्तिकर्ताओं तक, पूरी व्यवस्था ठप

जम्मू, । कश्मीर में मटन का संकट गहरा गया है, ठीक ऐसे समय में जब कश्मीर एक अगस्त से शुरू होने वाले शादियों के चरम सीजन की तैयारी कर रहा है। मटन डीलरों की हड़ताल वीरवार को लगातार छठे दिन भी जारी रही, जिससे मांस की आपूर्ति लगभग ठप हो गई है, जिससे शादियों की तैयारी कर रहे परिवारों में व्यापक कमी और चिंता पैदा हो गई है। कश्मीर मटन डीलर्स एसोसिएशन के नेतृत्व में यह हड़ताल, व्यापारियों द्वारा पंजाब के अधिकारियों पर लगाए गए व्यवस्थित जबरन वसूली और उत्पीड़न के खिलाफ एक विरोध प्रदर्शन है - यही एकमात्र रास्ता है जिससे पशुओं से लदे ट्रक जम्मू-कश्मीर जाते हैं।

एसोसिएशन के महासचिव मेहराजुद्दीन गनी कहते थे कि कश्मीर में पशु लाने वाले सभी ट्रकों को पंजाब से होकर गुजरना पड़ता है, और हर ट्रक से 20,000 से 40,000 रुपए तक का अवैध भुगतान वसूला जा रहा है। हमने कैबिनेट मंत्री सतीश शर्मा और जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी के समक्ष यह मुद्दा उठाया है, लेकिन कुछ भी नहीं बदला है। हमारे ट्रांसपोर्टरों को शंभू बॉर्डर और माधोपुर में अभी भी परेशान किया जा रहा है।

डीलरों का कहना है कि सभी कर चुकाने और आवश्यक परमिट प्राप्त करने के बावजूद, पशुओं के ट्रकों को मनमाने ढंग से रोका जा रहा है और बेबुनियाद आधारों पर दंडित किया जा रहा है, जिससे आपूर्ति में देरी हो रही है और परिवहन लागत बढ़ रही है। गनी कहते थे कि हम रियायतों की मांग नहीं कर रहे हैं। हम बस अपने व्यापार को सुचारू रूप से चलाने के लिए एक सुरक्षित, वैध मार्ग की मांग कर रहे हैं।

यह हड़ताल इससे बुरे समय पर नहीं आई है। अगस्त कश्मीर में सबसे व्यस्त शादियों के मौसम की शुरुआत का प्रतीक है, जब हर हफ्ते सैकड़ों शादियां होती हैं। कश्मीरी शादियों के लिए, मटन अपरिहार्य है - पारंपरिक बहु-कोर्स वाजवान का मुख्य आकर्षण। शादी के मौसम के शुरू होने में बमुश्किल दो दिन बचे हैं, हमारे पास स्टॉक में मटन नहीं है। अगर यह हड़ताल जल्द खत्म नहीं हुई, तो शादियों को स्थगित करना पड़ेगा या उनके आकार को छोटा करना होगा, श्रीनगर शहर के एक कैटरर का कहना था। कसाई से लेकर रसोइयों और आपूर्तिकर्ताओं तक, पूरी व्यवस्था ठप हो गई है। बढ़ते दबाव के मद्देनजर, जम्मू कश्मीर सरकार ने वरिष्ठ अधिकारियों की एक तीन-सदस्यीय टीम गठित की है, जिसे पंजाब के अपने समकक्षों के साथ बातचीत करने का काम सौंपा गया है। इस टीम में विधिक माप विज्ञान विभाग के उप-नियंत्रक मनोज प्रभाकर, कश्मीर के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के उप-निदेशक मुहम्मद रफीक भट और जम्मू के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के उप-निदेशक शाम लाल अबरोल शामिल हैं। एक सरकारी आदेश के अनुसार, समिति को संबंधित अधिकारियों से बातचीत करने और राजमार्गों पर अधिक शुल्क वसूलने और कथित जबरन वसूली के मुद्दे को सुलझाने के लिए पंजाब का दौरा करने की मंजूरी दी गई है। उम्मीद है कि वे इस दौरे के बाद प्रशासनिक विभाग को एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपेंगे।

संपादक की कलम से

बयानों में देखने को मिले कई उतार-चढ़ाव

पिछले कुछ समय से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह अलग-अलग देशों पर शुल्क लगाने की बात कर रहे थे, उसे कई अर्थों में दबाव की रणनीति माना जा रहा था। मगर इस मसले पर अब उन्होंने जिस तरह के फैसले लेने शुरू कर दिए हैं, उससे साफ है कि मनमाने तरीके से शुल्क लगाने के फैसले का इस्तेमाल किसी देश की नीति को प्रभावित करने के लिए एक औजार के तौर पर किया जा रहा है। इस क्रम में ट्रंप बीते दिनों बार-बार यह कहते रहे कि वे भारत से आयात किए जाने वाले उत्पादों पर भारी शुल्क लगाएंगे। मगर उनके बयानों में जैसे उतार-चढ़ाव देखे गए, उसके मद्देनजर यह उम्मीद की जा रही थी कि वे अपनी जिद पर विचार करेंगे और भारत को लेकर उदार रुख अपनाएंगे।

खासतौर पर इसलिए भी कि बीते कुछ वर्षों के दौरान भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों के नए दरवाजे खुले थे और थोड़ी सक्रियता बढ़ी थी। गौरतलब है कि व्यापार वार्ता के संदर्भ में अमेरिका और भारत के बीच जारी बातचीत में कुछ गतिरोध के संकेत सामने आने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से आयात की जाने वाली वस्तुओं पर एक अगस्त से पच्चीस फीसद शुल्क और रूस से तेल खरीदने पर जुर्माना लगाने की घोषणा कर दी।

हालांकि यह कोई अचानक हुआ फैसला नहीं लगता है और ट्रंप ने इस बार सत्ता में आने के बाद से ही आयात पर शुल्क लगाने की घोषणाओं पर कुछ जगहों पर अमल करना शुरू कर दिया है। मसलन, कनाडा पर ट्रंप ने पैंतीस फीसद शुल्क लगाने की घोषणा कर दी थी, जबकि उस समय व्यापार वार्ता जारी थी और एक समझौता होने की उम्मीद थी। भारत पर भी पच्चीस फीसद शुल्क तब लगाने की बात कही गई, जब अमेरिका के साथ द्विपक्षीय अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर अंतिम दौर की कोशिशें जारी थीं।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका के वार्ताकारों का एक समूह पच्चीस अगस्त को भारत के दौरे पर आने वाला है जो प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत के अगले दौर में हिस्सा लेगा। सवाल है कि व्यापार वार्ता के प्रयास जारी रहने और उसके निष्कर्ष तक पहुंचने से पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति को शुल्क लगाने की घोषणा करने की जल्दबाजी करने की जरूरत क्यों लगी। क्या इस फैसले को व्यापार वार्ता में अपने हित में नीतिगत फैसले लेने के लिए दबाव बनाने की रणनीति नहीं माना जाएगा?

एक दलील यह दी गई है कि भारत का शुल्क बहुत ज्यादा रहा है, इसलिए अमेरिका ने इसके साथ अपेक्षाकृत कम व्यापार किया है। अगर ऐसा है तो इस मसले पर पहले बातचीत के जरिए दोनों पक्षों के बीच सहमति के बिंदुओं तक पहुंचने की जरूरत थी, न कि सीधे भारी शुल्क लगाने की घोषणा के जरिए दबाव बनाने की। फिर इसी बीच पाकिस्तान के साथ मिल कर अमेरिका के 'तेल भंडारों को विकसित करने' के सौदे की खबर के क्या मायने हो सकते हैं?

भारत ने हाल के वर्षों में अपने निर्यात के पक्ष को जिस तरह मजबूत किया है, उसमें इस तरह के अमेरिकी दबाव क्या व्यापार में सहयोग के बजाय एक प्रतिद्वंद्विता की बिसात बिछाने की कोशिश नहीं हैं? यों सवाल यह भी है कि क्या भारत की ओर से समय रहते इस मसले को सुलझाने की कोशिश नहीं की गई या फिर जरूरी रणनीति को तवज्जो नहीं दिया गया। हालांकि माना जा रहा है कि ट्रंप की ताजा घोषणा से कुछ अन्य देशों के मुकाबले भारत पर कम असर पड़ेगा, लेकिन इस एकतरफा फैसले के बाद द्विपक्षीय संबंधों में थोड़ी शिथिलता जरूर आ सकती है।

राजमार्गों पर सुरक्षा मानदंडों की हो रही अनदेखी

देश में जब राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया जा रहा था, तब यह उम्मीद जताई गई थी कि ये आवाजाही के सुगम और सुरक्षित मार्ग साबित होंगे। कई लेन में आने-जाने के लिए बनीं चौड़ी सड़कों ने तेज रफ्तार को मानो नए पंख दे दिए। कम समय में गंतव्य तक पहुंचने की चाह रखने वालों की बरसों पुरानी इच्छा पूरी हो गई। लोग कुछ ही घंटे में सैकड़ों किलोमीटर की यात्रा पूरी करने लगे। मगर यह सुगम मार्ग सुरक्षित नहीं रहा। आज स्थिति यह है कि चालक गति सीमा तोड़ कर वाहन चलाने लगे हैं। इस दौरान वे कई नियमों की अनदेखी करते चले जाते हैं। नतीजा यह कि हादसे से बचने के लिए उन्हें ब्रेक लगाने तक का समय नहीं मिलता।

राजमार्गों पर अचानक ब्रेक लगाना न केवल चालक के लिए, बल्कि दूसरे वाहन चालकों के लिए भी जानलेवा बन जाता है। ऐसी सड़कों पर तेज रफ्तार और अचानक ब्रेक लेने से बढ़ रहे हादसों ने कई सवाल खड़े किए हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में कोयंबटूर में हुई एक दुर्घटना की सुनवाई के दौरान शीर्ष न्यायालय ने एक महत्त्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने अपने निर्णय में कहा है कि हाइवे पर बिना कोई चेतावनी दिए अचानक ब्रेक लगाना लापरवाही मानी जाएगी।

इसमें कोई दोराय नहीं कि कोई वाहन चालक अगर राजमार्ग पर गाड़ी रोकना चाहता है, तो पीछे आ रही गाड़ियों को संकेत देना चाहिए। शीर्ष अदालत का कहना उचित है कि आपात स्थिति में भी कोई अचानक ब्रेक लगा देता है, तो यह गैर-जिम्मेदाराना है। सामान्य स्थितियों में यह जरूरी होना चाहिए कि तेज रफ्तार वाहन ब्रेक लगाने से पहले चेतावनी संकेत दें। यों यह भी सच है कि राजमार्गों पर तेजी से वाहन दौड़ा रहे चालक आमतौर पर दूसरी गाड़ियों से सुरक्षित दूरी बना कर नहीं चलते।

यह एक सबसे खतरनाक स्थिति है। 'हाइवे रोड सेफ्टी रपट 2021' के मुताबिक राजमार्गों पर होने वाले सभी दुर्घटनाओं में 74.4 फीसद हादसे गति सीमा से अधिक वाहन चलाने के कारण होते हैं। स्पष्ट है कि राजमार्गों पर सुरक्षा मानदंडों की अनदेखी हो रही है। इन्हें और भी सख्त बनाने के साथ चालकों को भी जागरूक करने की अब जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला लापरवाह चालकों के लिए कड़ी चेतावनी है।

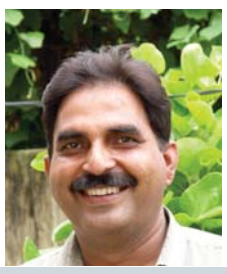

संजय सक्सेना

ट्रंप की पाक के सहारे भारत को सबक सिखाने की साजिश

उन्होंने भारत के रूस से तेल और हथियार खरीदने पर आपत्ति जताई और फिर भारत-पाकिस्तान के बीच एकतरफा संघर्ष विराम की घोषणा कर दी। यह भारत के लिए अप्रत्याशित था। ट्रंप ने न केवल पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर को व्हाइट हाउस में आमंत्रित किया, बल्कि पाकिस्तान के साथ एक बड़े व्यापारिक समझौते की घोषणा भी की। इस समझौते में तेल और क्रिप्टो कारोबार जैसे क्षेत्र शामिल थे, जिसे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ ने ऐतिहासिक करार दिया। ट्रंप ने तो यहां तक कह डाला कि एक दिन पाकिस्तान भारत को तेल बेचेगा। यह बयान भारत के लिए एक तमाचे की तरह था।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत के खिलाफ लगातार जहर उगल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दबाव में लेने की नाकाम कोशिश के बाद अब ट्रंप भारत के खिलाफ तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। हाल के ट्रंप के कदमों ने भारत को थोड़ा असहज जरूर कर दिया था, लेकिन भारत इन विषम परिस्थितियों में नया रास्ता तलाशने में लगा है। अर्थशास्त्री कहते हैं ट्रंप के पाकिस्तान के प्रति बढ़ते झुकाव और भारत पर लगाए गए 25 फीसदी टैरिफ ने न केवल द्विपक्षीय संबंधों में खटास ला दी थी, बल्कि एक नई राजनीतिक उलझन को भी जन्म दिया था। ट्रंप का यह कदम भारत को सबक सिखाने की कोशिश थी, लेकिन यह सवाल उठ रहा था कि क्या यह रणनीति अमेरिका के लिए ही उलटी पड़ सकती है? और भारत इस साजिश से कैसे बाहर निकलेगा?

सब कुछ तब शुरू हुआ जब ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में भारत को महान दोस्त कहने के बाद तीखी टिप्पणियां कीं। उन्होंने भारत के रूस से तेल और हथियार खरीदने पर आपत्ति जताई और फिर भारत-पाकिस्तान के बीच एकतरफा संघर्ष विराम की घोषणा कर दी। यह भारत के लिए अप्रत्याशित था। ट्रंप ने न केवल पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर को व्हाइट हाउस में आमंत्रित किया, बल्कि पाकिस्तान के साथ एक बड़े व्यापारिक समझौते की घोषणा भी की। इस समझौते में तेल और क्रिप्टो कारोबार जैसे क्षेत्र शामिल थे, जिसे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ ने ऐतिहासिक करार दिया। ट्रंप ने तो यहां तक कह डाला कि एक दिन पाकिस्तान भारत को तेल बेचेगा। यह बयान भारत के लिए एक तमाचे की तरह था।

नई दिल्ली में यह साफ था कि ट्रंप भारत को अपने प्रभाव क्षेत्र में रखना चाहते थे, लेकिन उनकी रणनीति में पाकिस्तान को एक औजार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था। भारत के विदेश मंत्रालय ने तुरंत जवाब दिया। प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत और पाकिस्तान के बीच कोई भी समझौता द्विपक्षीय होगा, इसमें किसी तीसरे पक्ष की भूमिका नहीं होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए साफ किया कि भारत ने किसी बाहरी दबाव में आकर सीजफायर नहीं किया। यह भारत की स्वतंत्र विदेश नीति का एक मजबूत संदेश था।

लेकिन चुनौती यहीं खत्म नहीं हुई। ट्रंप प्रशासन ने भारत की छह कंपनियों पर ईरान से व्यापार के लिए प्रतिबंध लगाए और चाबहार पोर्ट परियोजना की समीक्षा की बात कही। यह भारत के लिए रणनीतिक झटका था, क्योंकि चाबहार अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुंच का एक महत्वपूर्ण रास्ता था। इसके साथ ही, ट्रंप ने पाकिस्तान को एफ-16 के रखरखाव के लिए 40 करोड़ डॉलर की सहायता दी और काबुल हमले के एक आतंकी को पकड़ने में पाकिस्तान की मदद की सराहना की। ये कदम भारत को अलग-थलग करने की कोशिश का हिस्सा लग रहे थे।

भारत ने इस स्थिति को गंभीरता से लिया। रक्षा मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के बीच ताबड़तोड़ बैठकें हुईं। भारत की रणनीति स्पष्ट थी वह न तो ट्रंप के दबाव में झुकेगा और न ही अपनी स्वतंत्र नीति से समझौता करेगा। भारत ने तुरंत रूस और फ्रांस के साथ अपने रक्षा सौदों को और मजबूत किया। रूस से एस-400 मिसाइल सिस्टम की डिलीवरी तेज की गई, जबकि फ्रांस के साथ राफेल जेट्स की खरीद पर बातचीत को अंतिम रूप दिया गया। भारत ने अपनी कूटनीतिक पहुंच का भी विस्तार किया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ब्रिक्स देशों के साथ बैठकें कीं और भारत की स्थिति को मजबूती से रखा।

आर्थिक मोर्चे पर, भारत ने ट्रंप के टैरिफ का जवाब देने के लिए अपनी रणनीति तैयार की। वाणिज्य मंत्रालय ने स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भर भारत अभियान को तेज करने का फैसला किया। फार्मा, स्टील, और टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में स्वदेशी उत्पादन को प्रोत्साहन दिया गया। भारत ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों के साथ व्यापार समझौतों पर जोर दिया।

ट्रंप की रणनीति का एक पहलू यह भी था कि वह भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को भुनाना चाहते थे। लेकिन भारत ने इस जाल में फंसने से इनकार कर दिया। कश्मीर मुद्दे पर ट्रंप की मध्यस्थता की पेशकश को भारत ने ठुकरा दिया। इसके बजाय, भारत ने संयुक्त राष्ट्र में अपनी स्थिति को और मजबूत किया। भारतीय राजनयिकों ने वैश्विक मंचों पर स्पष्ट किया कि कश्मीर भारत और पाकिस्तान का द्विपक्षीय मुद्दा है।

ट्रंप का पाकिस्तान प्रेम अमेरिका के लिए जोखिम भरा साबित हो सकता था। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पहले से ही कमजोर थी, और अमेरिकी सहायता के बावजूद उसकी स्थिरता संदिग्ध थी। इसके विपरीत, भारत की बढ़ती आर्थिक और सैन्य शक्ति वैश्विक मंच पर उसकी स्थिति को और मजबूत कर रही थी। ट्रंप की नीति से भारत को अल्पकालिक नुकसान हो सकता था, लेकिन दीर्घकाल में यह अमेरिका के लिए ही उलटा पड़ सकता था। भारत ने अपनी कूटनीति और आर्थिक रणनीति को तेज करते हुए यह साफ कर दिया कि वह किसी भी सबक को स्वीकार नहीं करेगा।

जैसे-जैसे दिन बीत रहे थे, नई दिल्ली में विश्वास बढ़ रहा था। भारत ने न केवल ट्रंप की चुनौतियों का सामना करने की तैयारी कर ली थी, बल्कि वह एक नई वैश्विक भूमिका के लिए भी तैयार था। ट्रंप की रणनीति ने भारत को और अधिक आत्मनिर्भर और रणनीतिक रूप से मजबूत बनाने का अवसर दे दिया था। यह एक ऐसा सबक था, जो शायद ट्रंप ने नहीं सोचा था।

चुनाव आयोग पर फिर राहुल गांधी का 'विस्फोटक' हमला

अजय कुमार

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मतदाता सूची में गड़बड़ी को लेकर एक और सनसनीखेज बयान दिया है। उन्होंने दावा किया कि उनके पास ऐसी बड़ी चीजें हैं, जिनके खुलासे से भारत का चुनाव आयोग कठघरे में खड़ा हो सकता है। यह बयान न केवल उनकी पिछली टिप्पणियों की निरंतरता है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र और इसकी चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठाता है। राहुल गांधी ने संसद परिसर में मीडिया से रूबरू होते हुए दावा किया कि उनके पास मतदाता सूची में गड़बड़ी को लेकर ठोस सबूत हैं, जो चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हैं। उन्होंने संकेत दिया कि ये सबूत इतने विस्फोटक हैं कि इनके सार्वजनिक होने पर चुनाव आयोग की साख खतरे में पड़ सकती है। हालांकि, उन्होंने विशिष्ट विवरण या सबूतों को तत्काल सार्वजनिक नहीं किया, जिससे उनके बयान पर सवाल उठ रहे हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया और महाराष्ट्र व कर्नाटक के हाल के चुनावों में मतदाता सूची को लेकर पहले से ही विवाद चल रहा है।

राहुल गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी ने कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूची की गहन जांच की और पाया कि 45, 50, 60, और 65 वर्ष की आयु के हजारों नए मतदाता पंजीकृत किए गए हैं, जो संदिग्ध है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने इन गड़बड़ियों को नजरअंदाज किया और पारदर्शिता सुनिश्चित करने में विफल रहा। उनके इस बयान ने विपक्षी दलों को एकजुट करने का काम किया है, खासकर शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) जैसे सहयोगियों ने उनके दावों का समर्थन किया है।

बहरहाल, राहुल गांधी का यह पहला अवसर नहीं है जब उन्होंने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान भी उन्होंने मतदाता सूची में धांधली और फर्जी वोटिंग के आरोप लगाए थे। तब उन्होंने महाराष्ट्र में मतदाता संख्या में असामान्य वृद्धि का दावा किया, जिसमें पांच महीनों में 41 लाख नए मतदाता जोड़े गए, जबकि पिछले पांच वर्षों में केवल 31 लाख की वृद्धि हुई थी। उन्होंने इसे वोट चोरी का ब्लूप्रिंट करार दिया और आरोप लगाया था कि फर्जी मतदाताओं को जोड़कर और मतदान प्रतिशत को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाकर धांधली की गई।इसके अलावा, राहुल गांधी ने चुनाव आयोग से डिजिटल मतदाता सूची और मतदान केंद्रों की सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करने की मांग की थी, जिसे आयोग ने गोपनीयता और सुरक्षा कारणों से खारिज कर दिया। उनके इन दावों को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और चुनाव आयोग ने निराधार और असंवैधानिक बताते हुए चुनाव आयोग को बदनाम करने की कोशिश करार दिया। बीजेपी नेता निशिकांत दुबे ने तो यह भी कहा कि राहुल गांधी को अपने पिता राजीव गांधी द्वारा पारित कानूनों की जानकारी नहीं है, जो मतदाता सूची पुनरीक्षण को नियंत्रित करते हैं।

चुनाव आयोग का राहुल गांधी को उत्तर

चुनाव आयोग ने ठोस सबूत के अभाव में हर बार राहुल गांधी के आरोपों को बार-बार खारिज किया है। आयोग ने कहा कि कर्नाटक लोकसभा चुनाव 2024 की मतदाता सूची को लेकर कांग्रेस ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 24 के तहत कोई अपील दायर नहीं की, जो एक वैध कानूनी उपाय था। इसके अलावा, 2024 के लोकसभा चुनाव में हारे हुए किसी भी कांग्रेस उम्मीदवार ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 80 के तहत चुनाव याचिका दायर नहीं की। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि मतदाता सूची सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ साझा की जाती है, और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त प्रावधान हैं।

आयोग ने राहुल गांधी के बयानों को अनुचित और धमकी भरा बताया और कहा कि एक संवैधानिक संस्था को निशाना बनाना दुर्भाग्यपूर्ण है। इसके बावजूद, आयोग ने राहुल गांधी को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के आरोपों पर चर्चा के लिए आमंत्रित किया, लेकिन इस पर कोई ठोस प्रगति नहीं हुई। वहीं दूसरी तरफ राहुल गांधी के बयानों ने भारतीय चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनके दावों ने विपक्षी दलों को एक मंच पर ला दिया है, जो चुनाव आयोग से अधिक पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं। हालांकि, उनके सबूतों की कमी और विशिष्ट विवरण न देने की रणनीति ने उनके दावों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए हैं। अगर राहुल गांधी के पास वास्तव में 100 प्रतिशत पुख्ता सबूत हैं, जैसा कि उन्होंने दावा किया है, तो इन्हें सार्वजनिक करना या कानूनी प्रक्रिया के तहत प्रस्तुत करना उनके और उससे भी अधिक देश के लिए महत्वपूर्ण होगा। दूसरी ओर, चुनाव आयोग की ओर से बार-बार खारिज किए जाने और कानूनी उपायों का उपयोग न करने के लिए कांग्रेस की आलोचना ने इस विवाद को और जटिल बना दिया है। यह संभव है कि राहुल गांधी का यह बयान राजनीतिक रणनीति का हिस्सा हो, जिसका उद्देश्य विपक्षी मतदाताओं को एकजुट करना और सत्तारूढ़ दल पर दबाव बनाना हो। हालांकि, बिना ठोस सबूतों के इस तरह के गंभीर आरोप संवैधानिक संस्थाओं के प्रति जनता का भरोसा कमजोर कर सकते हैं, जो लोकतंत्र के लिए खतरनाक हो सकता है।

लब्बोलुआब यह है कि राहुल गांधी के हालिया और पूर्व के बयानों ने भारत में चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर एक महत्वपूर्ण बहस छेड़ दी है। उनके दावे, हालांकि गंभीर हैं, अभी तक ठोस सबूतों के अभाव में विवादास्पद बने हुए हैं। चुनाव आयोग ने इन आरोपों को खारिज करते हुए अपनी प्रक्रियाओं की पारदर्शिता का दावा किया है। इस स्थिति में, राहुल गांधी और कांग्रेस के लिए यह महत्वपूर्ण होगा कि वे अपने दावों को कानूनी या सार्वजनिक मंच पर साबित करें, ताकि उनकी विश्वसनीयता बनी रहे। जनता का भरोसा कायम रहे। यह विवाद न केवल राजनीतिक बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की साख से जुड़ा है, और इसका समाधान दोनों पक्षों के लिए एक चुनौती बना रहेगा।

सुख के स्वभाव में डूबो

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख की छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है।

दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो! अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं।

और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी लगाए हुए है। ऐसा है। क्यों? और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोजते हैं। मेरे पास रोज लोग आते हैं, जो कहते हैं- हम सुख चाहते हैं। अगर तुम सुख चाहते हो तो कोई भी बाधा नहीं है; सुख तो लुट रहा है। सुख तो चारों तरफ मौजूद है। ऐसे ही हो तुम, जैसे सामने गंगा बहती हो और किनारे पर खड़े तुम छाती पीटते हो, चिल्लाते हो- प्यासा हूं, मैं जल चाहता हूं!' झुको और पीओ! गंगा सामने बहती है। और गंगा के लिए तो चाहे दो कदम भी उठाना पड़े, सुख तो उससे भी करीब है। सुख तो तुम्हारा स्वभाव है। डूबो इस स्वभाव में। जिन्होंने भी कभी आनंद पाया है, उन्होंने एक बात निरंतर दोहराई है कि आनंद तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार है। तुम जिस दिन तय कर लोगे कि आनंदित होना है, उसी क्षण आनंदित हो जाओगे। फिर एक पल की भी देरी नहीं है। देरी का कोई कारण नहीं है।

देश को 9 सितंबर को मिलेगा नया उपराष्ट्रपति, चुनाव आयोग ने जारी किया शेड्यूल

अजय कुमार

भारत में उपराष्ट्रपति पद के लिए नया चुनाव तय हो गया है। चुनाव आयोग ने 9 सितंबर 2025 को मतदान की तारीख घोषित की है। 7 अगस्त को अधिसूचना जारी होगी और 21 अगस्त तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। 22 अगस्त को नामांकन की जांच होगी और 25 अगस्त तक नाम वापस लेने का समय होगा। मतदान सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक होगा और परिणाम उसी दिन घोषित कर दिए जाएंगे।यह चुनाव उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद हो रहा है। उन्होंने 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए पद छोड़ा और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अगले दिन उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया। धनखड़ का कार्यकाल अगस्त 2027 तक था, लेकिन उनके अचानक इस्तीफे ने राजनीति में हलचल मचा दी।

चुनाव प्रक्रिया के तहत उपराष्ट्रपति का चुनाव लोकसभा और राज्यसभा के निर्वाचित सांसदों तथा राज्यसभा के 12 नामांकित सदस्यों द्वारा किया जाएगा। मतदान गुप्त मतपत्र से होगा और इसमें सिंगल ट्रांसफरेबल वोट प्रणाली अपनाई जाएगी। सांसदों पर व्हिप लागू नहीं होगा, जिससे क्रॉस वोटिंग की संभावना बनी रहती है। यदि केवल एक उम्मीदवार मैदान में होता है, तो वह निर्विरोध उपराष्ट्रपति बन जाएगा।राजनीतिक हलकों में संभावित उम्मीदवारों पर चर्चा तेज हो गई है। बीजेपी खेमे में नीतीश कुमार, अरिफ मोहम्मद खान, जेपी नड्डा, हरिवंश नारायण सिंह और रामनाथ ठाकुर जैसे नामों की चर्चा है। अभी तक विपक्षी खेमे ने अपना रुख साफ नहीं किया है। यदि विपक्ष उम्मीदवार नहीं उतारता, तो सत्ता पक्ष का उम्मीदवार निर्विरोध चुना जा सकता है।

वर्तमान में संसद में कुल 782 सदस्य हैं। उपराष्ट्रपति बनने के लिए उम्मीदवार को 50त्न से अधिक यानी कम से कम 392 वोटों की आवश्यकता होगी। एनडीए खेमे के पास लोकसभा और राज्यसभा मिलाकर लगभग 422 सांसदों का समर्थन है, जबकि इंडिया गठबंधन के पास करीब 313 वोट माने जा रहे हैं।चुनाव आयोग ने राज्यसभा महासचिव पी.?सी. मोदी को रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया है। आयोग ने कहा है कि इलेक्टोरल कॉलेज की सूची तैयार कर ली गई है और चुनाव की सभी तैयारियां पूरी हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह चुनाव न सिर्फ संवैधानिक औपचारिकता है बल्कि आने वाले समय की राजनीति का संकेत भी देगा। गुप्त मतदान की वजह से क्रॉस वोटिंग संभव है, जिससे अप्रत्याशित नतीजे भी सामने आ सकते हैं।अब सबकी निगाहें इस बात पर हैं कि बीजेपी किसे उम्मीदवार बनाती है और विपक्षी दल क्या रणनीति अपनाते हैं। अगर मुकाबला हुआ तो यह चुनाव दिलचस्प होगा, लेकिन अगर विपक्ष उम्मीदवार नहीं उतारता, तो सत्ता पक्ष का उम्मीदवार बिना चुनाव के उपराष्ट्रपति बन सकता है। 9 सितंबर को मतदान के साथ ही देश को नया उपराष्ट्रपति मिल जाएगा।

व्यापारी हैं हमारे सामाजिक तानेबाने का महत्वपूर्ण अंग : अमनदीप

नवागंतुक डीएम ने दिया व्यापारिक समस्या निस्तारण का आश्वासन
जिला उद्योग व्यापार मंडल ने खड़े होकर किया स्वागत

ललितपुर। खड़े होकर नये जिलाधिकारी का स्वागत करते व्यापारी नेता।

ललितपुर। जिला उद्योग व्यापार मंडल ने जिलाध्यक्ष सुरेश बड़ैरा के नेतृत्व में सैकड़ों व्यापारी नेताओं के साथ नवांगतुक जिलाधिकारी अमनदीप डुली से कलेक्ट्रेट सभागार में शिष्टाचार भेंट की और व्यापारिक समस्याओं से अवगत कराया।

व्यापारी नेताओं ने क्रमवार जिलाधिकारी को माला पहना कर बुके भेंटकर स्वागत किया। जिला महामंत्री शैलेन्द्र सिंघई ने बताया कि जनपद की व्यापारिक समस्याओं में स्मार्ट मीटर का विरोध महत्वपूर्ण है। ऐसे में इस मीटर की स्थापना पर वर्तमान में रोक लगाई जाये। जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी से विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता राजीव कालरा से वार्ता कर स्मार्ट मीटर की गुणवत्ता सिद्ध होने तक न लगाये जाने को कहा।

इस शिष्टाचार भेंट के दौरान संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित मनीष सडैया, जिलाध्यक्ष सुरेश बड़ेरा, वरिष्ठ महामंत्री प्रदीप सतरबांस, जिला महामंत्री शैलेंद्र सिंघई, प्रदेश उपाध्यक्ष गल्ला मंडी अध्यक्ष जयकुमार महोली, उद्योग मंच प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश सराफ, प्रदेश मंत्री अजीत खजुरिया, प्रदेश संगठन मंत्री राहुल गुप्ता, प्रदेश मंत्री संतोष इमलिया, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुधांशु शेखर हुंडेत, राजू सिंधी, बॉबीराजा नाराहट, रवीन्द्र दिवाकर, हेमंत रोंड़ा, जिला कोषाध्यक्ष सिद्धेश्वर जमोरया, जिला संयुक्त महामंत्री अभिषेक अनोरा, जिला उपाध्यक्ष संजीव कड़ंकी, नगर महामंत्री समित समैया, जिला युवा अध्यक्ष विशाल सराफ, नगर युवा संजय जैन रिंकू, नगर संयोजक मंगू पहलवान, नगर युवा महामंत्री सुमित कछालिया, जिला मंत्री सुबोध गोस्वामी, विजय कैफे, मनीष मनपसंद, राघवेंद्र सिंह बुंदेला, नितिन अग्रवाल, विजय नेता, संजय पहलवान, नगर विधि सलाहकार एडवोकेट अखिलेश शर्मा, ओपी रिछारिया, राजकुमार साहू, निखिल राजा, सुनील सैनी, अविनाश जैन, ललित दीपक, अवधेश नायक, प्रमोद गोस्वामी, संचित अग्रवाल, अनिल मामाभांजा, रजनीशचड्ढा, संजीव नायक, प्रकाश जैन, योगेश यादव, अरविंद गुप्ता, हरविंदर सिंह सलूजा, संजीव सोंरया, महावीर कामरा, प्रभात सराफ आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

नये उद्योग लगायें व्यापारी, प्रशासन देगा मदद : डीएम

जिलाधिकारी ने कहा कि व्यापारी भामाशाह जनपद में नये उद्योगों की स्थापना में आगे आयें। उन्होंने एक सीमेंट फैक्ट्री की स्थापना की सलाह दी ताकि पावर प्लाण्ट की फ्लाई एश का सदुपयोग हो सके और जनपद में रोजगार के अवसर पैदा हो सकें। उन्होंने कहा कि प्रशासन हर संभव मदद करेगा।

ऑपरेशन कन्विक्शन : 109 अपराधियों को करायी सजा

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक के निर्देशन में चिन्हित अभियोगों में अपराधियों को शीघ्र व अधिक से अधिक सजा दिलाने जाने हेतु प्रभावी पैरवी कराते हुये मॉनीटरिंग सेल/पैरवी सेल में नियुक्त अधिकारी व कर्मचारियों, पैरोकार व सीओ, थाना प्रभारी, विवेचकों आदि को न्यायालय में पैरवी हेतु नामित किया गया था। जिनके द्वारा अपराधों के अभियोगों की समुचित पैरवी न्यायालय में करते हुए साक्ष्य हेतु महत्वपूर्ण गवाहों को न्यायालय में समय से प्रस्तुत कराया गया। प्रभावी पैरवी से न्यायालय ललितपुर द्वारा जुलाई माह में कुल 71 चिन्हित अभियोगों में कुल 109 अपराधियों को अधिक से अधिक सजा करवाते हुये कुल 1,85,500 रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित करवाया गया। इसमें प्रमुख रूप से पॉक्सो/दुष्कर्म के 2 अभियोग में 1 अपराधी को 20 वर्ष का कठोर कारावास व 40 हजार रूपये के अर्थदण्ड व दो अभियुक्तो को 3-3 वर्ष का कारावास व 3-3 हजार रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित कराया गया। अन्य 69 चिन्हित अभियोगो में 106 अपराधियों को अधिक से अधिक सजा व अर्थदण्ड से दण्डित कराया गया। उक्त के अतिरिक्त आबकारी अधिनियम के 13 अभियोगों में 13 अभियुक्तों को सजा करायी गयी।

तीन बैट्री व इन्वर्टर के साथ चार पकड़े

- आरोपियों में दो बाल अपचारी भी
- थाना पाली पुलिस ने बरामद किया 50 हजार का माल

ललितपुर। चोरी के माल के साथ पकड़े गये अभियुक्त।

ललितपुर। एएसपी कालू सिंह व सीओ पाली सुनील कुमार के निकट पर्यवेक्षण में पाली पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पाली पुलिस ने तीन बैट्री व एक इन्वर्टर के साथ दो बाल अपचारी समेत चार लोगों को पकड़ा है।

थाना पाली में दर्ज एफआईआर में धारा 305 बीएनएस की जाँच के दौरान जानकारी में आये पिपरी मोहल्ला निवासी करन अहिरवार पुत्र रामदास, हजारिया मोहल्ला निवासी इकबाल पुत्र अहमद व दो बाल अपचारियों को पुलिस ने चोरी के सामान सहित कांशीराम कालोनी से हिरासत में लिया है। पुलिस ने बताया कि तीन बैट्री व एक इन्वर्टर उच्च प्राथमिक विद्यालय पाली से चोरी किया गया था, जिसकी शिकायत प्रधानाध्यापक द्वारा दर्ज करायी गयी थी। बदमाशों को पकड़ने वाली पुलिस टीम में थाना पाली के उप निरीक्षक देवेन्द्र सिंह, उपनिरीक्षक आदेश कुमार, कान्सटेबिल सुदर्शन पाठक, कान्सटेबिल गोलू, कान्सटेबिल ऋषभ सागर आदि मौजूद रहे।

पर्यटन पुरुष रवीन्द्र दिवाकर ने दी जनपद के पर्यटन क्षेत्रों की जानकारी

ललितपुर। जनपद के पर्यटन क्षेत्रों की जानकारी देते पर्यटन पुरुष।

ललितपुर। नवागंतुक जिलाधिकारी अमनदीप डुली को पर्यटन पुरुष पत्रकार रवीन्द्र दिवाकर ने जनपद के पर्यटन स्थलों की जानकारी दी। बताया कि कैसे यहाँ के पर्यटन विकास में चार चाँद लग सकते हैं।

उत्तरप्रदेश पर्यटन विभाग से पर्यटन रत्न की उपाधि प्राप्त पत्रकार रवीन्द्र दिवाकर ने जिलाधिकारी को 'ललितपुर में मेरी 11 पर्यटन खोजें' नामक पुस्तिका भेंट की और बताया कि नयी खोजों में क्या महत्वपूर्ण है। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन पर्यटन विकास के प्रति अत्यंत गंभीर है। वे पर्यटन विकास के लिये महत्वपूर्ण कदम उठायेंगे। इस दौरा अपर जिलाधिकारी अंकुर श्रीवास्तव, कमलेश सर्राफ, सुरेश बड़ैरा, शैलेन्द्र सिंघई आदि दर्जनों पर्यटन प्रेमी मौजूद रहे।

तोरिया बीज मिनी किट पाने करें ऑनलाइन बुकिंग

ललितपुर। उप कृषि निदेशक ने बताया कि राज्य सहायतित निःशुल्क बीज मिनीकिट वितरण एवं प्रसार कार्यक्रम अन्तर्गत अपर कृषि निदेशक (तिलहन एवं दलहन) लखनऊ के द्वारा जिले को तोरिया बीज के निःशुल्क मिनीकिट प्राप्त हुये हैं। शासनादेश अनुसार कृषि विभाग के पोर्टल पर पंजीकृत कृषकों द्वारा मिनीकिट प्रदर्शन हेतु निःशुल्क बीज मिनीकिट प्राप्त करने के लिये ऑनलाइन आवेदन करना होगा। लक्ष्य से अधिक बुकिंग होने पर आवेदकों के मध्य ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से लाभार्थियों का चयन किया जायेगा। इसके उपरान्त चयनित कृषक को पी.ओ.एस. मशीन के माध्यम से निःशुल्क तोरिया बीज मिनीकिट दिया जायेगा। इसके लिये 15 अगस्त 2025 तक पोर्टल पर बुकिंग की जा सकती है।

पर्यावरण संरक्षण के लिये पेड़ लगायें : जाकिरराज चौहान

बुन्देलखण्ड मीडिया पत्रकार क्लब रजि.के तत्वावधान में हुआ वृक्षारोपण

ललितपुर। बुन्देलखण्ड मीडिया पत्रकार क्लब रजि.के तत्वाधान में ग्राम पनारी में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता संरक्षक जाकिर राज चैहान ने की।

इस दौरान संगठन के पत्रकार साथियों ने आम, नीबू, नीम, कहटल, मुनगा, अमरूद के पौधे रोपे। जाकिरा राज चौहान ने कहा कि आज धरती पर सबसे अधिक वृक्षारोपण की आवश्यकता है, वृक्ष लगाने से जहाँ एक ओर गर्मी में शीतल छाया मिलती है वहीं जीवनदायी शुद्ध ऑक्सीजन प्राप्त होती है। वृक्षों से हमें फल और विभिन्न प्रकार की सब्जियां भी प्राप्त होती हैं जिससे हमें आर्थिक लाभ भी प्राप्त होता है।

ललितपुर। वृक्षारोपण करते पत्रकार बंधु।

वृक्ष लगाने से भूमि कटाव कम होता है वहीं दूसरी और वर्षा समुचित होती है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिये अधिक से अधिक पेड़ लगाने होंगे। क्लब के संरक्षक फहीम बख्श ने कहा कि सभी लोगों को कम से एक एक पेड़ जरूर लगाना चाहिए। इस मौके पर पत्रकार शमीम खान, ताहिर खान, जावेद किरमानी, मुहम्मद आसिफ एडवोकेट, नाजिर बेग, शिशुपाल, हसीब खान वकील, आमिर खान, परशुराम झा, केहर सिंह बुन्देला, सूर्यप्रताप सिंह, भगवान सिंह यादव आदि उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

जिला स्तरीय सिविल सर्विसेज चयन/ट्रायल्स अब 21 को

ललितपुर। वर्ष 2025-26 में खेल निदेशालय लखनऊ के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिला खेल कार्यालय के तत्वाधान में सिविल सर्विसेज-टेनिस, वालीवाल, तैराकी, बास्केटबाल, बैडमिन्टन, टेबुल-टेनिस, कबड्डी, शतरंज, भारोत्तोलन एण्ड बेस्टफिजिक, एथलेटिक्स, फुटबाल, कैरम, ब्रिज, कुश्ती, पावरलिफ्टिंग, क्रिकेट, हॉकी व खो-खो खेलों की जिला स्तरीय चयन/ट्रायल्स का आयोजन पहले 8 अगस्त को होना था, परन्तु अब संशोधित कार्यक्रमानुसार यह आयोजन 21 अगस्त को पूर्वान्ह् 11 बजे से स्पोर्ट्स स्टेडियम ललितपुर में किया जायेगा।

उक्त चयन/ट्रायल्स में केवल राजकीय कर्मचारी भारत सरकार की गाईड लाइन के अनुसार आटोनोमनस बाडी जैस-परिषद/बोर्ड/नगर निगम/पंचायत/पुलिस विभाग के कर्मचारी, अध्यापक/०सहायक अध्यापक आदिद्ध को छोड़कर ही ही भाग ले सकेगें। यह आयोजन फिजिकल टैस्ट के आधार पर होगा। जिला स्तर पर चयन के बाद मंडल स्तर पर यह चयन ट्राइल्स 25-26 अगस्त को क्षेत्रीय खेल कार्यालय मेजर ध्यानचन्द स्पोर्ट्स स्टेडियमए झाँसी में सम्पन्न होगा। जिला क्रीड़ा अधिकारी रेखा रावत ने बताया कि जो इच्छुक अधिकारी कर्मचारीगण उक्त चयन/ट्रायल्स में प्रतिभाग करना चाहते हैं वह निर्धारित तिथि में अपने कार्यालयाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष से प्राप्त अनुमतिपत्र के साथ समय से स्पोर्ट्स स्टेडियम ललितपुर पर उपस्थित हों। इस दौरान उन्हें विभाग द्वारा ड्यूटी पर माना जायेगा।

मथुरा से तीर्थाटन कर लौटते दम्पत्ति का का पर्स चोरी

ललितपुर। मध्य प्रदेश के जिला नर्मदरापुरम के नेहरू वार्ड पिपरिया निवासी मनमोहन पुरोहित पुत्र राधेश्याम पुरोहित ने जीआरपी चौकी में तहरीर दी है। बताया कि वह मथुरा दर्शन के बाद 5 जुलाई 2025 को आगरा से ट्रेन संख्या 12191 के कोच संख्या एस-6 की बर्थ नं. 65, 68 व 66 पर थे। वह अपनी पत्नी का लेडीज पर्स ब्लैक कलर का वर्थ नं. 65 पर सिर के नीचे रखकर सो गया। जब उसकी नींद खुली तो पर्स गायब था। पर्स में 16 हजार रुपये नकद, एक मोबाइल फोन जिसकी कीमत 35592 रुपये था। जीआरपी पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ बीएनएस की धारा 305 (सी) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

स्वच्छता अभियान : रेलवे स्टेशन पर दिलायी स्वच्छता की शपथ

ललितपुर। स्वच्छता की शपथ लेते अधिकारी।

ललितपुर। स्थानीय रेलवे स्टेशन पर अगस्त माह के शुभारंभ पर स्वच्छता शपथ समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह की अध्यक्षता एसटीएच मैनेजर डी.के.चतुर्वेदी ने की। जबकि स्वच्छता अभियान की शपथ का उदबोधन एवं नेतृत्व सीबीपीएस कमलापति अग्निहोत्री ने किया। स्वच्छता अभियान की शपथ महात्मा गांधी के जीवन एवं कार्यप्रणाली के तहत किये गये मार्गदर्शन में की गयी। शपथ का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य, स्वच्छ शरीर, गांव-शहर एवं देश में जो भी रहता है, वही राष्ट्र विकसित होता है। प्रत्येक नागरिक को प्रतिदिन कम से कम दो घण्टे का समय ऐसे प्रेरणादायक अभियान को देना चाहिए। शपथ के दौरान सीबीपीएस कमलापति अग्निहोत्री ने कहा कि स्वच्छता मनुष्य जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग है। अपने आसपास स्वच्छता रखने से मन और तन दोनों स्वस्थ्य रहते हैं। स्वच्छता रखने से किसी भी मौसम के प्रतिकूल असर हमारे शरीर पर नहीं होता। एसटीएच मैनेजर डी.के.चतुर्वेदी ने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार स्वच्छता को लेकर वृहद स्तर पर कार्य कर रही है। हमारे आसपास स्वच्छता बनाये रखना हमारा ही दायित्व है। इसे समझना होगा और दूसरों को भी स्वच्छता रखने के लिए प्रेरित करना होगा। सीटीआई संजय सोनकर ने कहा कि स्वच्छता ही बेहतर जीवन को जीने का एक माध्यम है। सीसीआई संजय चौबे ने भी स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए लोगों को जागरूक करने के प्रति बल दिया। इस दौरान नवेन्दु अग्निहोत्री, सत्येन्द्र पाण्डे, अभिजीत शुक्ला, लाखन मीना, मनीषा, फरौसिया, आकांक्षा पाराशर आदि मौजूद रहे।

महिला की इंस्टाग्राम आई.डी. हैक करने का आरोप, एफआईआर

- ए.आई. की मदद से आपत्तिजनक फोटो किये थे अपलोड

ललितपुर। झाँसीपुरा जेल चौराहा निवासी रोहित पुत्र विजय ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी महिला मित्र की किसी अज्ञात व्यक्ति ने फेक इंस्टाग्राम आई.डी. बनाकर ए.आई. के माध्यम से उसका चेहरा इस्तेमाल करते हुये आपत्तिजनक फोटो बनाकर अपलोड कर दी है। आरोपी उसे इन्स्टाग्राम पर मैसेज भेजकर परेशान करते हुये ब्लैकमेल कर रहा है।

पीड़ित के प्रेमी ने बताया कि उक्त आई.डी. की सूचना उसकी दोस्त ने उसे दी तो उसने उक्त आई.डी. को अपने फोन में खोलने का प्रयास किया एवं फोरगोट पासवर्ड किया तो उससे एक जीमेल आई.डी. प्राप्त हुयी, जिस पर उक्त इंस्टाग्राम आई.डी. का ओटीपी जा रहा था। उसके दोस्त ने उसे इंस्टाग्राम पर जब साइबर सेल में शिकायत करने की बात कही तो इंस्टाग्राम आईडी डीएक्टीवेट कर दी गयी। पीड़ित ने मामले की जांच करायी जाकर उक्त आईडी संचालक के खिलाफ सख्त कार्यवाही किये जाने की मांग उठायी है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ बीएनएस की धारा 308 (3) व आई.टी. एक्ट की धारा 67 ए के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

मानस निरूपण व्याख्यान सुनने जुटे श्रद्धालु

ललितपुर। मंदिर में सजायी गयी भव्य झाँकी।

ललितपुर। श्रावण शुक्ल सप्तमी तुलसी जयंती पर श्रीपरमहंस मंदिर तालाबपुरा में कई वर्षों से अनवरत चल रही मानस व्याख्यान माला में पं.उमाशंकर शर्मा (प्रयागराज वालों) के मुखारविंद से बाबा तुलसीदासजी द्वारा मानस निरूपण के विषय पर व्याख्यान दिया गया, जिसमें उन्होंने मानस की चौपाइयों के माध्यम से तुलसीदासजी को मानस प्रेरणा, रामचरितमानस के चारों घाट और वेद पुराणों द्वारा श्रीराम को निरूपित किया। पं.उमाशंकर ने कहा कि 'बंदहुं नाम राम रघुवर को, हेतु कृषानु भानु हिमकर को' वेदों में कृषानु भानु और दिनकर तीनों का उल्लेख आता है। जिनके माध्यम से राम का निरूपण वेद शास्त्रों में किया गया है। इस दौरान सावन मास का झूला उत्सव में ताड़का वध और अहिल्या उद्धार की झांकी लगाई गई देर रात्रि तक कार्यक्रमों की मंदिर परिसर में धूम रही कार्यक्रम में उपस्थित सुधिजनों में गोविंद नारायण रावत, रविंद्र पाठक, पं.मदन चतुर्वेदी, मनमोहन संज्ञा, जगदीश पाठक, राजकुमार राठौर, पत्रकार विवेक चतुर्वेदी, हरविंदर सलूजा, अमित तिवारी, डा.प्रबल सक्सेना, चंद्रशेखर राठौर, दिनेश चतुर्वेदी, कमलेश सेन, मनोहर चतुर्वेदी एड., सिद्धार्थ श्रीवास्तव एड., गणेश राठौड़, राकेश तामिया, बृजेश तिवारी, विजय तिवारी, विवेक चौपड़ा, अखिलेश शांडिल, भुवनेश चतुर्वेदी, महेश नामदेव, मुन्नालाल त्यागी, बृजेश चतुर्वेदी आदि मौजूद रहे।

जन्म के 6 माह तक बच्चे को पिलायें सिर्फ माँ का दूध : सीएमओ

विश्व स्तनपान सप्ताह पर सीएमओ कार्यालय में गोष्ठी सम्पन्न

ललितपुर। गोष्ठी में निर्देश देते सीएमओ।

ललितपुर। विश्व स्तनपान सप्ताह पर सीएमओ कार्यालय में जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया।

सीएमओ डा.इम्तियाज अहमद ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 1 से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य माताओं को शिशु के जन्म से 6 माह तक केवल मां का दूध पिलाने के लिये प्रोत्साहित करना और स्तनपान के महत्व को समाज में व्यापक रूप से फैलाना है। शिशु के मानसिक व शारीरिक विकास में स्तनपान की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है। पब्लिक हेल्थ स्पेशलिस्ट डा.सौरभ सक्सेना ने बताया कि मां का दूध शिशु के लिये सम्पूर्ण आहार है जो उसे कुपोषण संक्रमण और कई बीमारियों से बचाता है। विश्व स्तनपान सप्ताह 2025 की थीम है स्तनपान को प्राथमिकता दें, स्थायी सहायता प्रणालियों का निर्माण करें। डीपीएम ने बताया कि जन्म के तुरन्त बाद शिशु को पहला पीला गाढा दूध (कोलोस्ट्रम) अवश्य देना चाहिये क्योकि यह शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढाता है। जिला मातृ स्वास्थ्य परामर्शदाता रविशंकर झा ने बताया कि इस सप्ताह के दौरान स्तनपान को बढावा देने के लिये प्रचार प्रसार के विभिन्न तरीकों का उपयोग किया जायेगा। इस दौरान नाजमीन खान स्टेट ट्रेनर द्वारा स्तनपान के तरीकों, सावधानियों और स्तनपान के दौरान आने वाली सामान्य समस्याओं के समाधान के बारे में विस्तार से बताया। उप सीएमओ डा.शिव प्रकाश, डा.प्रदीपसिंह यादव, डीसीपीएम गणेश तेंगुरिया, एसएमओ डा.सुमित बघेल, डीएमसी यूनीसेफ सबा परवीन, जन्म-मृत्यु डीपीए आलोक सचान, विभिन्न ब्लॉकों से आये अधिकारी कर्मचारी आदि मौजूद रहे।

भाजपा नेताओ ने मुख्यमंत्री का किया अभूतपूर्व स्वागत

राजापुर को मिली सौगात पर जताया आभार

चित्रकूट। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत करते राजापुर चेयरमैन संजीव मिश्र, पूर्व चेयरमैन पति मनोज द्विवेदी व चित्र भेंट करती विद्यालय की छात्रा साथ मे डीसीबी चेयरमैन पंकज अग्रवाल

चित्रकूट। 528वीं तुलसी जयंती मनाने पवित्र नगरी राजापुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भाजपा नेताओ ने अभूतपूर्व स्वागत किया। अनुरोध किया कि प्रतिवर्ष मनायी जाने वाली गोस्वामी तुलसीदास जयंती पर इसी तरह आये ताकि गोस्वामी तुलसीदास की ख्याति देष मे नही बल्कि विदेषो मे भी पहुंच सके। इसके अलावा स्कूली छात्रा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का चित्र भेंट स्वरूप दिया। उन्होने उसे आर्षीवाद दिया। प्रतिवर्ष कार्यक्रम मे आने के लिये अनुरोध किया है। स्वागत करने वालो मे नगर पंचायत अध्यक्ष संजीव मिश्रा, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज द्विवेदी, डीसीबी चेयरमैन पंकज अग्रवाल, मजदूर नेता चन्द्रमोहन द्विवेदी के अलावा अन्य भाजपा नेता शामिल रहे।

काशी विश्वनाथ वाराणसी की तर्ज पर बना है काशीपुर का शिव मंदिर, हुए धार्मिक आयोजन

पनवाड़ी महोबा संवाददाता राम लखन सोनी। जनपद क्षेत्र का एक ऐसा धार्मिक स्थान जहां पर सावन माह में श्रद्धालुओं भक्तों और भगवान शिव के मंदिर द्वारा अभिषेक, श्री सत्यनारायण व्रत कथा धार्मिक अनुष्ठान आयोजन लगातार चल रहे हैं और कावड़ यात्राएं भी बुंदेलखंड क्षेत्र की यहां से गुजरती है इस पावन प्रति स्थल का नाम मराठा साम्राज्य के समय से स्थापित यह गांव काशीपुरा[पनवाड़ी] शिव मंदिर के दर्शन करें -यह मंदिर धसान नदी लहचूरा बांध क्षेत्र में आता है यहां पर महाशिवरात्रि के भगवान् शिव पार्वती के विबाह महोत्सव पर बुंदेलखंड का जितना पुराण इतहासिक शिवमंदिर खजुराहो का भगवान् मतंगेस्वर जी का है , उतना ही पुराना मंदिर काशी विश्नाथ मंदिर की तर्ज पर बना 11 सौ बर्ष पुराना काशीपुरा का शिवमंदिर -बताया जाता है। इस मंदिर के निर्माण भी भूगौलिक दृष्टि से बहुत ही सुरक्षा से हुआ।

ऐसा कहा जाता है की इस क्षेत्र में भियावान जंगल था , तथा संतो साधुओ की सुरक्षा को लेकर यहाँ संत अपनी भक्ति करते थे। काशीपुरा ग्राम का नाम भी इसी मंदिर के इतिहास से जुड़ा है। मराठा साम्राज्य में इस मंदिर का निर्माण काशी विश्वनाथ वाराणसी उत्तर प्रदेश की तरह बनाने का मराठा साम्राज्य का था और कुछ मंदिर बने के साथ ही भगवान शिव जी श्री गणेश जी नंदी बाबा एवं अन्य मूर्तियां मंदिर स्थापित हैं। बुंदेलखंड के समाजसेवी संतोष गंगेले कर्मयोगी तीन बर्षो से बुंदेलखंड क्षेत्र में भारतीय संस्कृति और संस्कारो , नैतिक शिक्षा को बचाने विभिन्न बिषयो को लेकर जन जाग्रति अभियान जगाने के लिए छतरपुर ,महोबा ,हमीरपुर ,बाँदा ललितपुर , झाँसी टीकमगढ़, निवाड़ी ,,पन्ना ,सतना दमोह,सागर आदि जिला में मोटर साईकिल से भ्रमण करते है। इसी दौरान महाशिवरात्रि पर्व पर काशीपुरा गए। यहाँ के बुजुर्ग आदि से बात करने पर बताया की जो मंदिर काशीपुरा में बना है , बैसा ही मंदिर वनारस वणारसी में बना है ,देश में मंदिर एक जैसे है। देश के आजादी के बाद इस मंदिर की किसी भी प्रकार की कोई आर्थिक मदद न मिलने के कारण मंदिर खंडहर में तव्दील होने लगा है। मंदिर के भण्डार कक्ष तथा सुरक्षा दीवाल गिर चुकी है। जो भक्त दर्शन करने आते है वह अपनी ओर से कुछ सुधार करवा रहें है।

बुंदेलखंड के समाजसेवी संतोष गंगेले कर्मयोगी ने उत्तर प्रदेश सरकार से अनुरोध करते हुए कहा की इस मंदिर की यदि तत्काल सुरक्षा और सुधार की और ध्यान गया तो बुंदेलखंड का प्रसिद्ध दार्शनिकधार्मिक आस्था का केंद्र काशीपुरा मंदिर ध्वस्त हो जायेगा तथा बाहुबलिओ के कब्जे में हो जायेगा। इसलिए पनवाड़ी ब्लाक प्रमुख ,क्षेत्रीय विधायक ,सांसद ,राजकीय अधिकारी , जनपद अधिकारी इस मंदिर को भारत सरकार पुरातन विभाग ,राज्य संस्कृति विभाग को अधिग्रण करना चाहिए। महाशिवरात्रि पर्व पर इस मंदिर पर पुताई सफाई तक न होने से भक्तो और क्षेत्रीय भक्तो में सरकार के इस रवैया से गुस्सा है। इस पावन पवित्र तीर्थ स्थल की सुरक्षा देखकर में महोबकंठ पुलिस का भी रवैया ठीक नहीं रहता है यहां पर सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस तैनात नहीं होती है । पुरातत्व विभाग एवं संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश इस धार्मिक किस स्थान को अनदेखा कर रहा है जिससे कि श्रद्धालुओं भक्तों को क्षेत्र वासियों मैं आक्रोश देखा जाता है । क्षेत्र के वरिष्ठ श्री बलराम चतुर्वेदी पुत्र पंडित श्री बदलू लंबरदार निवासी रिपनौर बीहट ब्लाक पनवाड़ी जनपद महोबा से बुंदेलखंड के समाजसेवी संतोष गंगेले कर्मयोगी द्वारा जब मुलाकात की थी तब उन्होंने बताया था कि पनवाड़ी ब्लाक के विश्वामित्र झारखंड रिपनौर बीहट कोटरा क्षेत्र में भगवान श्री राम के गुरु विश्वामित्र एवं श्री दशरथ जी के गुरु वशिष्ठ जी की आस्था के केंद्र दशान नदी के बीच में दोनों गुरुओं की कुंडी बनी हूं जहां पर वर्ष में दो बार मकर संक्रांति एवं कार्तिक पूर्णिमा को मेला लगता है यह स्थान महोबा जनपद के एवं झांसी जनपद के दोनों क्षेत्र में आता है यहां पर संत महात्माओं और आस्था से भक्ति में पूर्ण व्यक्ति आते हैं यहां पर एक मंदिर श्री हनुमान जी का है जो काफी प्राचीन बताया जाता है इस मंदिर के पास दो बरगद के पेड़ जो लगभग 500 वर्ष पुराने बताए जाते हैं जिनकी शाखाएं बहुत ही जमीन में पहुंच चुकी है सभी जगह संपर्क एवं भ्रमण किया कर जानकारी हासिल करने का मौका मिला इन दोना प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों पर महोबा जिला की मिडिया को भी ध्यान देना होगा।

न्यूज ब्रीफ

न्यायालय ने दस साल का सुनाया कठोर कारावास

चित्रकूट। विशेष न्यायाधीश एण्टी डकैती कोर्ट ने अपहरण के आरोपी अभियुक्त को 10 वर्ष का सश्रम कारावास व 13 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। प्रभारी निरीक्षक रैपुरा विनोद कुमार शुक्ला एवं पैरोकार आरक्षी रवि प्रकाश तथा मॉनिटरिंग सेल प्रभारी प्रभुनाथ यादव एवं उनकी टीम द्वारा की गयी गहन पैरवी अपर जिला शासकीय अधिवक्ता गोपाल दास द्वारा की गयी प्रभावी बहस के फलस्वरूप न्यायालय विशेष न्यायाधीश एण्टी डकैती कोर्ट अपर सत्र न्यायाधीश नीरज कुमार श्रीवास्तव ने पुलिस मुख्यालय से पैरवी के आरोपी अभियुक्त रामगोपाल उर्फ गोप्पा उर्फ भोले यादव पुत्र स्व0 चुनकू यादव निवासी हर्रा थाना पहाड़ी को 10 वर्ष का सश्रम कारावास व 13 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया है।

शराब के साथ बंदी

चित्रकूट। उपेन्द्र प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में उनि कैलाशनाथ यादव व उनकी टीम ने अभियुक्त आसिफ खान पुत्र अकबर खान निवासी शिवरामपुर थाना कोतवाली कर्वी को 22 क्वार्टर अवैध देशी शराब मस्तीहू के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध थाना कोतवाली कर्वी पर धारा 60 आबकारी अधिनियम के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत किया है।

ननो की अवैध गिरफ्तारी पर किसान सभा ने की निंदा

चित्रकूट। मुख्यालय के कचेहरी परिसर मे किसान सभा जिलाध्यक्ष कामरेड चुनकू राम पाल की अगुवाई मे बैठक हुई। जिसमे राज्य कार्यकारिणी सदस्य एडवोकेट रूद्र प्रसाद मिश्र ने कहा कि वह छत्तीसगढ मे कैथोलिक ननो प्रीति मैरी और बंदना फ्रांसिस की अवैध गिरफ्तारी की निंदा करते है। ये दोनो केरल की रहने वाली है। बीते 25 जुलाई को सुखमन मंडावी के साथ कथित जबरन धर्मांतरण और मानव तस्करी के आरोप मे दुर्ग रेलवे स्टेषन से पुलिस ने पकडा है। यह गिरफ्तारी बजरंग दल के एक स्थानीय कार्यकर्ता की षिकायत के आधार पर हुई है। क्योंकि संघ परिवार से जुडे संगठनो ने यह अफवाह फैलाई कि इन ननो ने नारायणपुर की तीन महिलाओ का धर्मांतरण कराया है। एक वायरल वीडियो मे बजरंग दल का कार्यकर्ता ननो और अन्य लोगो को धमकाते हुए देखा गया है। धर्मांतरण की कथित पीडित महिलाओ मे से एक ने बयान दिया है कि बजरंग दल के कार्यकर्ता उन्हे पुलिस के समक्ष झूंठा बयान देने के लिए डरा धमका रहे है। इस मौके पर षिवमोहन यादव, राजाराम, मो0 अली, राम सहांय सिह, वीर बहादुर सिह आदि मौजूद रहे।

बीज मिनीकिट के लिये करे आवेदनःराजकुमार

चित्रकूट। उप कृषि निदेशक राजकुमार ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा राज्य सहायतित निःशुल्क तिलहन बीज मिनीकिट वितरण प्रदर्शन एवं प्रसार कार्यक्रम के अन्तर्गत तोरिया (लाही) फसल का दो किलोग्राम मात्रा का मिनीकिट निःशुल्क प्राप्त करने के लिये कृषि विभाग के पोर्टल पर पंजीकृत कृषकों द्वारा आनलाईन आवेदन 1 अगस्त से 15 अगस्त तक किया जायेगा।

इंस्टाग्राम पर गलत टिप्पणी पर क्षत्रिय समाज मैं है आक्रोश व्याप्त

महोबा संवाददाता राम लखन सोनी । अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा एकता के तत्वाधान में सदर थाना कोतवाली प्रभारी को क्षत्रिय बंधुओ ने एक लिखित प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराकर मांग करते हुए कहा कि शोभा यादव युटुब र ने इंस्टाग्राम आईडी पर एक गाना डाला जिसमें महोबा के बीर पराक्रमी योद्धा आल्हा-ऊदल को यादव बताने का दुस्साहस किया जबकि आल्हा उदल क्षत्रिय बंश के बनाफर ठाकुर थे, जहां युटुबर द्वारा टिप्पणी करने पर क्षत्रिय समाज द्वारा नाराजगी जताते हुए शोभा यादव के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर दोषी के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही किए जाने की मांग उठाई है।

महोबा में मिट गयी मुंशी प्रेमचंद की निशानियां : तारा

महोबा संवाददाता राम लखन सोनी । हिन्दी के महान साहित्यकार एवं उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की 145वीं जयंती पर उनके प्रशंसकों ने आज सुबह गोरखगिरि पर्वत के ऊपर स्थित सिद्ध बाबा आश्रम में एक संगोष्ठी आयोजित की जिसमें उनके महोबा से गहरे संबंधों पर प्रकाश डाला गया और जहां वे रहते थे, उस ग्रांट गंज वार्ड का नाम मुंशी प्रेमचंद वार्ड रखने की मांग की। साथ ही महोबा में उनकी मूर्ति स्थापित करने की मांग की।

बुंदेली समाज के संयोजक तारा पाटकर बुंदेलखंडी ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद का महोबा से गहरा नाता था लेकिन शासन प्रशासन की लापरवाही से धीरे-धीरे उनकी सभी निशानियां यहां मिट गयीं। वे अंग्रेजी हुकूमत के दौरान 1909-1914 तक ग्रांट गंज वार्ड के जिस मकान में किराए से रहते थे, वह मकान कुछ साल पहले पूरी तरह ढह गया, प्रशासन ने यदि ध्यान दिया होता तो उसे संरक्षित कर संग्रहालय बनाया जा सकता था। सरकारी नौकरी में होने के कारण वे पहले नबाव राय नाम से लिखते थे लेकिन महोबा आने के बाद ही उन्होंने नबाव राय की जगह मुंशी प्रेमचंद नाम से लिखना शुरू किया। गोदान, गबन, कर्मभूमि, निर्मला, नमक का दरोगा, दो बैलों की जोड़ी व बड़े घर की बेटी जैसी मशहूर रचनाओं से अमर हो चुके उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद शिक्षा विभाग में सब डिप्टी इंस्पेक्टर आफ स्कूल पद पर तैनात थे। उन्होंने यहां जो सोज-ए-वतन पुस्तक लिखी, उससे हमीरपुर के तत्कालीन अंग्रेज कलेक्टर नाराज हो गए और उन्हें दंडित करते हुए लिखने पर प्रतिबंध लगा दिया। साथ ही सोज-ए-वतन की प्रतियां भी जलवा दीं। कुछ समय रुकने के बाद उन्होंने नाम बदलकर मुंशी प्रेमचंद नाम से लिखना शुरू किया और बड़े घर की बेटी कहानी यहीं लिखी।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष दिलीप जैन ने कहा कि वाराणसी के लमही गांव में 1880 में जन्मे मुंशी प्रेमचंद का मूल नाम धनपतराय श्रीवास्तव था। महोबा उनके साहित्यिक सफर का सबसे महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। प्रेमचंद ने 15 उपन्यासों सहित 300 से ज्यादा रचनाएं लिखी। उनकी रचनाओं से प्रभावित होकर बंगाल के मशहूर साहित्यकार शरदचंद्र चट्टोपाध्याय ने मुंशी प्रेमचंद को उपन्यास सम्राट की उपाधि प्रदान की।

इस मौके पर डा. देवेन्द्र पुरवार, अवधेश गुप्ता, मनीष जैदका, जागेश्वर सोनी, अन्नू पुरवार, पुजारी रामदास त्यागी, निखिल गुप्ता, मोनू, गया प्रसाद, प्रेम चौरसिया, सिद्ध गोपाल सेन व ललित समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

राजपूत छीपा समाज के मेधावी छात्र/छात्राओ का हुआ सम्मान समारोह आयोजित

मऊरानीपुर (झाँसी) नगर के गौरव गेस्ट हाउस में कीतिशेष कामता प्रसाद राजपूत (बेरवई) की 10 वीं. पुण्य स्मृति पर राजपूत छीपा समाज के मेधावी छात्र/छात्राओ, सरकारी/प्राईवेट नौकरी प्राप्त एवं उच्चतर शिक्षा में प्रवेश पाये अभ्यार्थियों का प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसके मुख्य अतिथि डॉ. रश्मि आर्य विधायक मऊरानीपुर, प्रदीप पटेल जिलाध्यक्ष भाजपा, देवेन्द्र कृष्ण शास्त्री गुरु जी, योगी सत्यनाथ महाराज शिष्य गौरक्ष पीठ गोरखपुर, अति विशिष्ट अतिथि एड. दीपक तिवारी विशेष लोक अभियोजक , आयुष श्रीवास अध्यक्ष प्रतिनिधि नगर पालिका परिषद मऊरानीपुर, , विशिष्ट अतिथि प्रागीलाल अहिरवार पूर्व विधायक मऊरानीपुर, रोहित सोनी नगर अध्यक्ष भाजपा, राजपाल यादव प्रधान रुपाधमना, संजय गुप्ता मण्डल अध्यक्ष टोडीफतेहपुर, नारायण दास जरिया वरिष्ठ भाजपा नेता रहे। सम्मानित अतिथिगणों में एम. एल. राजपूत प्रधानाचार्य जबलपुर, दीपक सर्राफ नागपुर, ओमप्रकाश राजपूत बाँदा, पुष्पेन्द्र राजपूत छतरपुर, जगदम्बा शरण राजपूत पूर्व पार्षद भाजपा छतरपुर, तारक रजापूत वरिष्ठ संरक्षण सहायक , भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण कर्वी चित्रकूट रहे। अध्यक्षता चन्द्रप्रकाश दुलारिया नागपुर ने एवं संचालन मुकेश राजपूत ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के कर कमलों से सर्वप्रथम माँ सरस्वती की पूजा अर्चना कर दीप प्रज्जवलित करके कीर्तिशेष कामता प्रसाद राजपूत को पुष्पाँजलि अर्पित की गयी। इसके तत्पश्चात अतिथियों का फूलमाला पहनाकर एवं बैच लगाकर जोरदार स्वागत सम्मान किया गया। इसी के चलते कार्यक्रम संयोजक रोहित राजपूत लोको पायलेट भारतीय रेल झाँसी ने कार्यक्रम पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसके बाद अतिथियों के द्वारा छात्र/ छात्राओं का सम्मान किया गया। इन छात्र/छात्राओं का हुआ सम्मान हाईस्कूल वर्ग से राशि, ऋद्धिमा, दुर्गेश, अनवी , राशि, आयुष गौरांग, हर्ष, एकता, अभिनय, मोहित, यशेन्द्र, पूर्वा ,अनुष्का, काव्या, कशिश, परिधि, ऋषिका, अनुपम, हर्षिका, तुषार, इण्टरमीडिएट वर्ग से रोनक, राज, मयंक, गौरव, मयंक तिलैरा, ऋषि, दिव्यांशु, रीति, सृष्टि, मनसा, गोबिन्द, आस्था, विकाश, प्रगति, उत्कर्ष, स्नेहा के साथ सरकारी एवं प्राईवेट नौकरी वर्ग में विनय राजपूत न्याय विभाग, हर्षल राजपूत शिक्षा विभाग, कपिल राजपूत पुलिस विभाग, अमन राजपूत भारतीय स्टेट बैंक, राजर्षि राजपूत डाक विभाग एवं उज्जवल बडौदिया प्रा. हायर एजूकेशन में सिर्फ एक छात्र दिव्यांशु कुमार नीट एमबीबीएस का भी सम्मान हुआ। इस मौके पर मुख्य रुप से संरक्षक राजेन्द्र सर्राफ संचालक गौरव गेस्ट हाउस, अध्यक्ष रामनारायण राजपूत, वीरपाल राजपूत, हरिश्चन्द्र राजपूत, हरिशंकर राजपूत, कन्हैया राजपूत, कृष्ण कुमार बंदैया, हेमन्त दुलारिया, सुरेन्द्र राजपूत, कैलाश राजपूत, श्याम सुन्दर घटौरिया, प्रकाश आलेकर, लक्ष्मीनारायण जतारिया, रामदास गरौठया, बृजकिशोर पडवैया, जगदीश मोदी, गजेन्द्र आलेकर, प्रताप राजपूत, मनमोहन घटौरिया, रवि दुलारिया, छगन वजनावारे, अशोक माया वाले, संदीप पटसारिया, रणवीर सिंह परिहार, संदीप नायक, अपूर्व सोनी, प्रागीलाल, युगल किशोर बबेले, प्रहलाद गुप्ता, रमेश चन्द्र पाठक, केशव छीपा, राजेन्द्र सिंह छीपा सहित सैकडों लोग उपस्थित रहे। अन्त में सभी आगन्तुकों का अध्यक्ष रामनारायण राजपूत ने आभार व्यक्त किया।

तुलसी जयंती पर तोतामुखी हनुमान मंदिर मे हुआ कीर्तन, भण्डारा

चित्रकूट। रामघाट स्थित प्राचीन सिद्धपीठ तुलसी गुफा तोता मुखी हनुमान मंदिर में तुलसी जयंती धूमधाम से मनाई गयी।

महंत मोहित महाराज ने बताया कि गोस्वामी तुलसीदास को हनुमान जी ने बनारस में बताया था कि आपको भगवान श्री राम के दर्शन चित्रकूट में होंगे तब तुलसीदास जी चित्रकूट आए रामघाट में मिट्टी की कगार में छोटी सी गुफा बनाकर तपस्या करने लगे। 1607 में गोस्वामी तुलसीदास जी को प्रभु श्री राम जी के दर्शन हुए हनुमान जी तोते के रूप में दोहा सुनाया जो दोहा प्रसिद्ध है चित्रकूट के घाट पर भइ संतान की भीड़ तुलसीदास चंदन घिसे तिलक देत रघुवीर आज भी इस गुफा में गोस्वामी तुलसीदास जी के हाथों के स्थापित तोता मुखी हनुमान जी विराजमान है जिनके दर्शन के लिए देश दुनिया से लाखों भक्त आते हैं जिनकी मनोकामना हनुमान जी महाराज पूर्ण करते हैं आज गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती के उपलक्ष में मानस संगोष्ठी हुई। भजन गायको द्वारा तुलसीदास जी के पदों का गायन किया गया एवं विशाल भंडारा का आयोजन किया गया।

महाकवि तुलसीदास एवं उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचन्द्र की जयन्ती पर हुयी काव्य गोष्ठी

मऊरानीपुर (झाँसी) महाकवि तुलसीदास एवं उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचन्द्र की जयन्ती पर काव्य गोष्ठी बाँके बिहारी मन्दिर, कुरैचानाका मऊरानीपुर में मधुपुरी साहित्य एवं सामाजिक परिषद के तत्वाधान में कवियों ने उनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर सामाजिक कविताओं का पाठ कर श्रोताओं को मंत्र मुग्ध किया। मुख्य अतिथि के रुप में खेमचन्द्र शर्मा एवं विशिष्ट अतिथि शिवनारायण सिंह परिहार किसान काँग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष रहे। अध्यक्षता प्रमोद पाण्डेय एडवोकेट एवं संचालन वृन्द्रावन लाल वर्मा ने किया। काव्य गोष्ठी में रमेश द्विवेदी, सुरेश चौधरी, सुल्तान खान जर्रा, मोतीलाल सोनकर, प्यारे लाल बेधडक, रेवाशंकर पाठक, जयप्रकाश खरे, नन्दकिशोर राजपूत, डॉ. एम. एम. शर्मा, बृजेन्द्र कुमार पटैरिया, श्रीमती जमीला खातून, पं. अवध बिहारी सूरोठिया, रमाशंकर चतुर्वेदी, डॉ. डी. आर. वर्मा , मदनकान्त व्यास, रामकुमार चौबे आदि उपस्थित रहे।

जिले मे चरम पर है भ्रष्टाचार, मुख्यमंत्री के दौरे से क्या मिला: अनुज

चित्रकूट। समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष अनुज यादव ने जारी बयान में कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का चित्रकूट का दौरा केवल हवा हवाई साबित हुआ। चित्रकूट वासियों में घोर निराशा छाई हुई है जहां एक ओर पूरे जिले में भ्रष्टाचार चरम पर है वहीं दूसरी ओर योगी की योजनाओं का यह हाल है की अब तक दर्जन पुल वा सड़के उद्घाटन से पहले ही धंस गई या तो टूट गई जिले की स्वास्थ्य सेवाएं वेंटिलेटर पर पहुंच गई हैं अन्ना गोवंशों ने किसानों का जीना दूभर कर दिया है सड़को मे आये दिन लोग जान गवा रहे है। जल जीवन मिशन मे भारी भ्रष्टाचार व्याप्त होने की वजह से अभी तक किसी गांव मे पानी नहीं पंहुचा विभाग द्वारा गावों की वर्षो पुरानी सड़को को अलग तोड़ दिया गया है

उन्होने कहा कि जिले मे रोजगार न होने के कारण यहां का नौजवान सूरत दिल्ली पंजाब की ओर रुख कर रहा है लेकिन मुख्यमंत्री एक भी शब्द ना तो यहां के भ्रष्टाचार पर बोले और ना ही यहां पर बेरोजगारी पर बोले और ना ही किसानों को कोई सौगात दी। उन्होने कहा की आज छात्रों से स्कूल छीने जा रहे हैं गांव-गांव मोहल्ले-मोहल्ले कंपोजिट दारू की दुकानें खोली जा रही हैं भांग और गांजे की दुकानों में बढ़ोत्तरी हो रही है जनपद की सभी तहसीलों में भारी भ्रष्टाचार व्याप्त है किसी भी गरीब का बिना पैसे कोई काम नहीं हो रहा है थानों में जाति पूछ कर काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री से यहां के निवासियों को काफी उम्मीदें थी किंतु उन उम्मीदों पर योगी पानी फेरते हुए यहां पर केवल लखनऊ से चलकर बच्चों को टाफ़ी बांटने आए वहीं पूर्व की समाजवादी सरकार ने राजापुर को जमुना में पुल देने का काम किया था और राजापुर को तहसील का दर्जा देने का काम किया था जिले मे 24 घंटे बिजली देने का काम सपा शासन में हुआ था तमाम बड़े-बड़े पुल सपा शासन ने देने का काम किया था जो आज भी चल रहे है हर न्याय पंचायत मे अनाज मंडी, स्पोर्टस स्टेडियम, हवाई पट्टी, बस स्टॉप, फोर लेन सड़क, कई बिजली सब स्टेशन देने का काम समाजवादी सरकार ने किया था।

शान्ति भंग में दो का हुआ चालान

मऊरानीपुर (झाँसी) वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झाँसी बीबीजीटीएस मूर्ति के निर्देशन में डॉ. अरविन्द्र कुमार पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व मनोज कुमार सिंह क्षेत्राधिकारी मऊरानीपुर के निकट पर्यवेक्षण में जयप्रकाश प्रभारी निरीक्षक कटेरा के नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियों की धरपकड के क्रम में हमराही रवि शर्मा , रौकी यादव , होमगार्ड रामस्वरुप साहू ने शान्ति भंग करने में किशन लाल कुशवाहा पुत्र माधव प्रसाद निवासी ग्राम गुढा को गिरफ्तार किया गया इसके बाद पुलिस ने चालान कर दिया। तो वही एक अन्य शान्ति भंग में राजाराम अदिवासी निवासी ग्राम पडरा, थाना क्षेत्र कटेरा को गिरफ्तार कर चालान किया गया।

महिला को 17 लीटर कच्ची शराब के साथ किया गिरफ्तार

मऊरानीपुर (झाँसी) वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झाँसी बीबीजीटीएस मूर्ति के निर्देशन में डॉ. अरविन्द्र कुमार पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व मनोज कुमार सिंह क्षेत्राधिकारी मऊरानीपुर के निकट पर्यवेक्षण में जयप्रकाश प्रभारी निरीक्षक कटेरा के नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियों की धरपकड के क्रम में सोनाली कबूतरा को कटेरा कबूतरा डेरा से 17 लीटर कच्ची अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया गया।

झोलाछाप डॉक्टर आये प्रशासनिक अमले की छापामारी की चपेट में

मऊरानीपुर (झाँसी) झोलाछाप डॉक्टरों की बराबर चर्चाओं के बाजार गर्म होने पर प्रशासनिक अमले ने झोलाछाप डॉक्टरों के ठिकानों पर छापामारी की। जिसमें एक फर्जी झोलाछाप डॉक्टर को रँगे हाथों अस्पताल में पकडा गया। तो वही दूसरा फर्जी झोलाछाप डॉक्टर मौका देखकर भाग खडा हुआ। क्या है पूरा मामला लगातार झोलाछाप फर्जी डॉक्टरों की शिकायतें प्रशासन तक पहुँचने से अचानक से नायब तहसीलदार अमित मुदगिल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मऊरानीपुर के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आर. जे. सिंह पुरानीमऊ स्थित बडी माता मन्दिर के मुख्य द्वार के पास अपनी टीम के साथ पहुँचे। जहाँ दो अस्पतालों पर छापामारी की गयी। जिसमें मौके पर एक चिकित्सक को अपने डॉक्टरी प्रप्त्र न दिखा पाने पर उसको टीम साथ भी ले आयी। वही छापामारी टीम के द्वारा इन अस्पतालों में ताला लगाकर अग्रिम कार्यवाही शुरु कर दी गयी।

इको-फ्रेंडली राखियां पर आकांक्षा की डोर भाइयों की ओरः डॉ. रचना बिमल दुबे

- गौ-प्रसाद से निर्मित राखियां भी आकांक्षा बिक्री केन्द्र पर उपलब्ध
- आकांक्षा समिति द्वारा उत्पादों की खरीद करें और आकांक्षा के हाथ मजबूत करें
- जनरल बिपिन रावत पार्क स्थित आकांक्षा बिक्री केन्द्र में प्रतिदिन सायं 04 से 08 बजे तक

झांसी जयूसं। अध्यक्षा, आकांक्षा समिति, झांसी मण्डल झांसी प्रो. डॉ.रचना बिमल दुबे ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश राज्य की आकांक्षा समिति प्रदेश की आकांक्षा बहनें जो अंतिम पायदान पर खड़ीं हैं, उनके आर्थिक स्वावलम्बन और स्वाभिमान की प्रतिष्ठा के लिए गत चार दशकों से प्रयासरत हैं। लखनऊ का आकांक्षा बिक्री केन्द्र अपने मटरी, भाजी, डोसा, इडली, मेकिंग मसाले तथा अन्य उत्पादों के लिए अब देश भर में ख्याति प्राप्त कर रहा है। इसी कड़ी मेंआकांक्षा समिति की झांसी मण्डल की इकाई ने झांसी के विभिन्न उत्पाद में एक बिक्री केन्द्र खोला है। इस बिक्री केन्द्र में झांसी मण्डल के तीनों जनपद झांसी, जालौन और ललितपुर की बहनें एवं जो महिला स्वयं सेवी समूह हैं, भी अपने उत्पाद बेच सकते हैं। इस बिक्री केन्द्र का उद्घाटन पूर्व मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश की धर्मपत्नी डॉ.रश्मि सिंह नेकिया, जो स्वयं भी प्रशासनिक अधिकारी हैं, ने विगत 19 जुलाई 2025 को किया था और इस अवसर पर हमने झांसी की आकांक्षा बहनों के उत्पादों को बिक्री के लिए वहाँ रखा। ये बहनें पूजा के बेहद सुन्दर पूजा के आसन, डोरमैट्स के साथ-साथ बैग्स भी बना रहीं हैं। ये वे बहनें हैंजो कम कीमत केअन्दर एक बेहतरीन उत्पाद आपके सामने लाई हैं, चाहे वो भगवान जी की पोशाकें हों या फिर जूट के बैग। इसके साथ ही हमारे यहां हथकरघा पर बनी हुई सुन्दर, सस्ती और बहुत की उत्तम क्वालिटी की चादरें, गमछे इत्यादि भी बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। चन्देरी की साडियाँ आपका निःसंदेह मन मोह लेंगीं। जालौन की दाल अपनी गुणवत्ता और पौष्टिकता केसाथ-साथ स्वाद के लिए अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। वे भी महिला स्वयं सेवी सहायता समूह इस बिक्री केन्द्र पर अपने उत्पादों को लेकर आपकेसामने आ रहे हैं। इसी भांति आप यहां कच्ची घानी सरसों का तेल भी खरीद सकते हैं। साथ ही बच्चों के लिए साफ्ट टॉय बनाने वाली जो महिला है, उनके खिलौने मल्टी नेशनल कम्पनीज के खिलौनों से कमतर नहीं हैं। ये खिलौने 100 रूपये से लेकर के मात्र 500-600 रूपये तक की कम कीमत में उपलब्ध हैं जो छोट-बड़े सभी का मन मोह लेते हैं। साथ ही अचार, बड़ियां, पापड़ के साथ-साथ हमारे बिक्री केन्द्र पर देशी घी के पौष्टिक लड्डू उपलब्ध हैं। मात्र 200 रूपये की कीमत से आप आधा किलो तक लड्डू ले सकते हैं। ये घर के बने शुद्ध गुणवत्ता वाले लड्डू सेहत और स्वाद दोनों का ही साथ दे रहे हैं।

रक्षाबन्धन का त्योहार निकट है, इसको ध्यान में रखते हुए हमने गौ-प्रसाद से निर्मित राखियाँबनाने वाली बहनों की राखियाँ इस आकांक्षा बिक्री केन्द्र पर उपलब्धि कराई हैं। ये राखियाँभाई की कलाई को तो सुशोभित करेंगी ही, साथ ही गौ-संवर्धन की योजना में भी योगदान दे रही हैं। ये राखियाँ इको-फ्रेंडली भी हैं, जिनका प्राकृतिक तरीके से निस्तारण भी सहजता से हो जायेगा। आकांक्षा समिति के ये उत्पाद रक्षाबन्धन के त्योहार में भाई और बहन दोनों के लिये अत्यन्त उपयोगी हैं। बहनें अपने भाइयों के लिये राखी खरीद सकती हैं व भाई उपहार में देने के लिये इन उत्पादों को खरीद सकते हैं।

इसी भाँति गणेश चतुर्थी के अवसर पर हम ईको फेन्डली गौ-प्रसाद से बने हुये गणेश भी इस बिक्री केन्द्र पर लेकर आ रहे हैं। ये सारे उत्पाद हमारी बहनों की कलात्मकता, उनकी कल्पना के साथ-साथ समाज के दृष्टिकोण को भी प्रतिनिधित्व देते हैं कि अब हम विदेशी चमक-दमक वाले उत्पादों को छोड़कर स्वदेशी भावना से बने हुए समाज के जो हमसे थोड़ा सा पीछे छूट गये हैं, उन भाई-बहनों की सहायता करते हुए इन स्वदेशी उत्पादों को अपनायें, जिससे हम सभी भाई-बहनों के आर्थिक विकास में भी योगदान दे सकें।आकांक्षा समिति, झांसी मण्डल के ये उत्पाद आपके अपने ही भाई-बहनों के हाथों से बने हुए उत्पाद हैं। यदि आप इन्हें खरीदेंगे तो निःसंदेह आपके बहन-भाइयों के परिवारों में भी त्योहारों से लेकर के दैनिक जीवनचर्या के अन्दर खुशहाली आयेगी और जब सब खुश होंगे, प्रसन्न होंगे तभी हमारा राष्ट्र भी प्रसन्न राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ सकेगा, तो आइये अपने उत्पादों की खरीद करें और आकांक्षा के हाथ मजबूत करें।

राजघाट बाँध से 88132 क्यूसेक व माताटीला बाँध 95826 क्यूसेक पानी छोड़ा, जलभराव पर जिला प्रशासन की सतत् दृष्टि

- प्रदेश व जनपद में हो रही बारिश के दृष्टिगत आमजन मानस को नदी,तालाब एवं बांधों के करीब न जाने की दी सलाह
- जनपद मेंलगातार हो रही बारिश के कारण जनपद के दुकवां,पारीछा, पहुँच, डोंगरी, पहाड़ी, लहचूरा, कुरार एवं पथरई बांधों से भी लगातार छोड़ जा रहा पानी
- नदी किनारे गांवों में ग्राम प्रधान मुनादी के माध्यम से ग्रामीणों को नदी किनारे व टापू पर ना जाने की दें सलाहः जिलाधिकारी

झांसी जयूसं। जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने जनपद एवं प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश के दृष्टिगत बांधों से छोड़े जा रहे पानी के कारण क्षेत्र कि नदी नाले उफान पर हैं और जल भराव की स्थिति उत्पन्न हो रही है। उन्होंने समस्त अधिकारियों को स्थिति पर सतत दृष्टि बनाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने जनपद के समस्त आमजन से अपील करते हुए कहा कि प्रदेश सहित जनपद में हो रही लगातार बारिश के कारण डैम से पानी छोड़ा जा रहा है। जिस कारण नदियां उफान पर हैं, इसके दृष्टिगत नदी किनारे बसे गांव के ग्रामीण किसी भी दशा में नदी के मध्य टापू पर ना जाएं और ना ही नदी के किनारे किसी भी तरह की गतिविधि करें।उन्होंने आह्वान किया कि आप सभी सुरक्षित रहें और लोगों को भी सुरक्षित रहने की सलाह दें। जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने कहा कि 01 अगस्त को प्रातः राज घाट बाँध ललितपुर से 88132 क्यूसेक एंव माताटीला बांध से लगभग 95823 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है, उन्होंने कहा कि लगातार हो रही बारिश के कारण और पानी छोड़े जाने की संभावना है। पानी छोड़े जाने के कारण कई गांव प्रभावित होने की संभावना पर उन्होंने नदी के किनारे बसे गांवों को सतर्क रहने की हिदायत दी।

उन्होंने ऐसे गांव जो नदी किनारे हैं और पानी छोड़े जाने की स्थिति में प्रभावित होने वाले हैं, वहां के ग्राम प्रधान, ग्राम निगरानी समिति, लेखपाल, सचिव सहित अन्य सभी को सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सभी लोग पूर्ण सतर्क रहते हुए नदी के बढ़ते जल स्तर पर सतत् दृष्टि बनाए रखें और लगातार जानकारी देते रहे। उन्होंने विभिन्न विभागीय अधिकारियों को मौके पर जाकर निरीक्षण करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि नदी के तट के किनारे कोई गो-आश्रय स्थल है तो वहां पर विशेष सतर्कता बरती जाए। उन्होंने कहा कि पशु हानि और जन हानि किसी भी दशा में ना हो इसे अवश्य सुनिश्चित कर लिया जाए।

गोता खोर की करें व्यवस्था

जिलाधिकारी ने कहा कि नदी किनारे गांव में गोताखोर तथा नाव की व्यवस्था सुनिश्चित करें ताकि वक्त रहते लोगों को दुर्घटना से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण किसी भी व्यक्ति को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। रिपटे पर यदि पानी का बहाव बहुत तेज है तो सड़क पार करने से बचें और दूसरों को भी बचाएं और ऐसे गांव की जानकारी तत्काल मुख्यालय पर उपलब्ध कराएं।

बाँधों पर रखें सतत् दृष्टि

जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने बताया कि माताटीला से आज 95826 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है और छोड़े जाने की संभावना है। उन्होंने बताया कि माताटीला से छोड़े गए पानी को दृष्टिगत रखते हुए सुकुवां-दुकुवां बांध, पारीछा बांध एवं पहाड़ी बांध पर प्रशासन की सतत् दृष्टि बनी हुई है। जनपद में लगातार हो रही बारिश और माताटीला से छोड़े गए पानी के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने समस्त जनमानस से अपील करते हुए कहा कि यदि कोई समस्या हो तो तत्काल कलेक्ट्रेट स्थित जन सुविधा केंद्र के कंट्रोल रूम के फोन नंबर- 0510-2371199,2371100 पर तत्काल सूचना दें।

सुरक्षा की दृष्टि से पानी किया जा रहा डिस्चार्जः पोरवाल

इस मौके पर अधिशासी अभियंता बेतवा बृजेश कुमार पोरवाल ने बताया कि जनपद तथा प्रदेश में लगातार हो रही बारिश के कारण जनपद के सभी बाँध लगभग जल भराव से प्रभावित है सुरक्षा की दृष्टिगत बांधों से पानी डिस्चार्ज किया जा रहा है।

अधिशासी अभियंता बेतवा ने बताया कि 01अगस्त को दुकुवां बांध से 99790 क्यूसेक, पारीछा बाँध से 198000 क्यूसेक,पहूंज बाँध से 1620 क्यूसेक,डोंगरी बाँध से 1216 क्यूसेक, पहाड़ी बाँध से 15370 क्यूसेक,लहचूरा बाँध से 18000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि सभी बाँधो मैं जल भंडारण पर विभागीय अधिकारियों की सतत दृष्टि बनी हुई है।

न्यूज ब्रीफ

माटीकला विद्युत चालित चाक व पगमिल मशीन केलिएसाक्षात्कार 04 अगस्त को

झांसी जयूसं। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी रामकिशोर ने अवगत कराया हैकि माटीकला टूल-किट्स वितरण योजना के अन्तर्गत माटीकला विद्युत चालित चाक एंव पगमिल मशीन हेतु जिन अभ्यर्थियों द्वारा वर्ष 2025-26 में ऑनलाइन आवेदन किये गये है, उन समस्त अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 04 अगस्त को विकास भवन सभागार झांसी मेंप्रातः 11 बजे मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता मेंआयोजित किया जायेगा। उक्त चयन/साक्षात्कार हेतु समस्त अभ्यर्थी04 अगस्त 2025 को प्रातः 10:30 बजे विकास भवन सभागार झांसी में उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

हज-2026 केलियेआवेदन करें 07 अगस्त तक

झांसी जयूसं। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, सचिव/कार्यपालक अधिकारी मो.तारिक ने अवगत कराया है कि हज-2026 के आनलाइन आवेदन हेतु अन्तिम तिथि 31 जुलाई 2025 से बढ़ाकर दिनांक 07 अगस्त 2025 तक दी गयी है। जिन आवेदको ने हज यात्रा हेतु अपना रजिस्ट्रेशन नहीं किया है, वह तत्काल करा लें तथा जिन्होंने रजिस्ट्रेशन कर लिया व आवेदन किन्ही कारणों से पूर्ण नहीं किया है, वह उक्त अवधि में आवेदन पूर्ण कर ले।

हज 2026 हेतु आवेदन ऑनलाइन हज कमेटी ऑफ इण्डिया की बेबसाइट पर अन्तिम तिथि 07? अगस्त 2025 तक किये जायेगे। हज आवेदन हेतु जनपद झाँसी में मदरसा इस्लामियां जामा मस्जिद सराय, झाँसी को ई-सुविधा केन्द्र/हज फैसिलीटेशन सेन्टर निर्धारित किया गया है। हज आवेदक उक्त सेन्टर पर हज यात्रा सम्बन्धी जानकारी प्राप्त एवं हज-2026 हेतु आवेदन करा सकते है।

अधिवक्ता मध्यस्थता केलिए आवेदन करें 05 अगस्त तक

झांसी जयूसं। अपर जिला जज/सचिव ने सर्वसाधरण को सूचित किया है कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, झांसी के तत्वाधान में जनपद झांसी में उत्तर प्रदेश मध्यस्था नियमावली 2021 के अनुसार मध्यस्थों का चयन किया जाना है, उक्त नियमावली में विहित शर्तों के अनुसार ऐसे अधिवक्ता मध्यस्थ के रूप में चयनित किए जा सकते है जिनको कम से कम 10 वर्ष का विधिक व्यवसाय करने का अनुभव हो तथा ऐसे मध्यस्थों का चयन उपरोक्त नियमावली के नियमों के अधीन ही किया जाएगा जो अधिवक्ता उक्त नियमावली के अधीन मध्यस्थ के रूप में कार्य करने की पात्रता रखता व इच्छुक हो, तो वह निर्धारित प्रारूप पर अपना आवेदन कर सकता है। साथ ही यह भी आवश्यक है कि वह अपने शैक्षणिक प्रपत्र अथवा अन्य योग्यता का प्रपत्र जो आवश्यक हो उसको भी आवेदन पत्र के साथ संलग्न करके05 अगस्त 2025 की शाम 04 बजे तक सीधे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, झांसी के कार्यालय में प्रेषित कर सकते है। बार एसोसिएशन/दि लायर्स एसोसियेशन के माध्यम से उक्त तिथि व समय तक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, झासी के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, झांसी में प्रस्तुत प्रार्थना पत्र को श्री आदिल जाफरी प्राप्ति प्रदत्त करेंगे तथा बार संघ, झांसी के माध्यम से प्रस्तुत प्रार्थना पत्र श्री अजितेन्द्र तिवारी डिप्टी लीगल एड डिफेन्स काउंसिल प्राप्ति प्रदान करेंगे।

नागरिक सुरक्षा रेलवे का प्रथम दायित्वः मनोज कुमार सिंह

- बुंदेलखंड विश्वविद्यालय मेंभारतीय रेल में जनसंपर्क विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

झांसी जयूसं। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी में भारतीय रेल में जनसंपर्क विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान में उत्तर मध्य रेलवे, झांसी मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने उपस्थित छात्रों को जनसंपर्क की भूमिका, चुनौतियाँ और कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का शुभारंभ विभाग समन्वयक डॉ. कौशल त्रिपाठी द्वारा स्वागत भाषण के साथ हुआ। उन्होंने मनोज कुमार सिंह का स्वागत करते हुए जनसंपर्क के महत्व पर प्रकाश डाला। व्याख्यान के दौरान उन्होंने भारतीय रेल में मीडिया प्रबंधन, जनसंपर्क अभियानों, सोशल मीडिया की भूमिका, और रेल यात्रियों से संवाद के विभिन्न तरीकों पर छात्रों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि, भारतीय रेलवे जैसा विशाल संगठन जनसंपर्क के दृष्टिकोण से बहुत ही महत्वपूर्ण है। समाज से जुड़े रहने, सूचना के सही संप्रेषण और विपरीत परिस्थितियों में विश्वास बनाए रखने में जनसंपर्क की अहम भूमिका होती है।ज्ञ सत्र के अंत में शाश्वत सिंह, आशुतोष नायक, और आदित्य कन्नौजिया जैसे छात्रों ने जनसंपर्क की कार्यप्रणाली, मीडिया से समन्वय और संकट समय की रणनीतियों पर प्रश्न पूछे, जिनका मनोज कुमार सिंह ने उत्तर दिया।इस अवसर पर कला संकाय के डीन, प्रोफेसर मुन्ना तिवारी, डॉ. जय सिंह, डॉ राघवेंद्र दीक्षित, उमेश शुक्ल, डॉ. अभिषेक कुमार, गोविंद यादव, रिसर्च स्कॉलर्स देवेंद्र सिंह, विजया, शुभम कुशवाहा, विजय, ऋ षि, विजय, यश अग्रवाल के साथ स्नातक एवं परास्नातक स्तर के छात्र-छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

यूपी कौशल विकास मिशन के लिये लक्ष्य आवंटित किया: कुँ. लाखन सिंह

झाँसी जयूसं। जिला सहकारी विकास संघ के निदेशक कुंवर लाखन सिंह अस्ता ने कहा की उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने युवाओं के लिए यूपी कौशल विकास मिशन के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए रिकॉर्ड लक्ष्य आवंटित करने का दावा किया है। सरकार का कहना है कि इस बार लक्ष्य निर्धारण की प्रक्रिया को पहले से ज्यादा वैज्ञानिक और तकनीकी आधारित बनाया गया है। प्रमुख सचिव और मिशन निदेशक के नेतृत्व में पहली बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हुए जनपदों की औद्योगिक मांग, उपलब्ध संसाधनों, सेवायोजन क्षमता और पूर्व उपलब्धियों का गहराई से विश्लेषण किए जाने की भी बात कही गई है। इसके आधार पर जनपदवार प्रशिक्षण प्रदाताओं को लक्ष्य दिए गए हैं।आकांक्षी जनपदों और ब्लॉकों को प्राथमिकता इस बार हर प्रशिक्षण प्रदाता को अधिकतम पांच जनपदों तक सीमित किया गया है, ताकि कुछ संस्थानों का वर्चस्व न रहे और क्षेत्रीय संतुलन बना रहे। आकांक्षी जनपदों और ब्लॉकों को प्राथमिकता देते हुए उन्हें शत-प्रतिशत प्रशिक्षण केंद्रों से आच्छादित किया गया है। जहां पिछले वर्ष आवासीय प्रशिक्षण मात्र 1त्न था, उसे बढ़ाकर 36त्न कर दिया गया है, क्योंकि ऐसे प्रशिक्षण में छात्रों की उपस्थिति और गुणवत्ता बेहतर देखी गई है। वहीं, औद्योगिक इकाइयों की भागीदारी को 3त्न सेबढ़ाकर 47 प्रतिशत कर दी गई है, जिससे उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार प्रशिक्षण और बेहतर सेवायोजन सुनिश्चित हो सके।इन्वेस्ट यूपी और सीडीओ की ली जाएगी मदद इन्वेस्ट यूपी के सहयोग से प्रदेश में स्थापित होने वाली बड़ी औद्योगिक परियोजनाओं की भविष्य की मांग का आकलन कर लक्ष्य तय किए गए हैं। जनपदों के मुख्य विकास अधिकारियों (सीडीओ) की मदद से सेवायोजन क्षमता और रोजगार की आवश्यकताओं का भी विश्लेषण कराया गया। इस बार टाटा द्वारा आच्छादित आईटीआई संस्थानों में भी अल्पकालीन कोर्स को शामिल किया गया है। प्रशिक्षण प्रदाताओं के लिए महिलाओं के लिए 33प्रतिशत और दिव्यांगों के लिए पांच प्रतिशत आरक्षण अनिवार्य किया गया है। इस बार ड्रोन टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स, मशीन लर्निंग, डिजिटल टेक्नोलॉजी, कंटेंट क्रिएटर, ग्रीन जॉब्स और सोलर एनर्जी जैसे भविष्य के उपयोगी कौशलों को भी विशेष प्राथमिकता दी गई है।

दूध उत्पादन बढ़ाने की कुंजी: साइलेज तकनीक आधारित चारा प्रबंधन

- दूध का उत्पादन बढ़ाने की दी सलाह

झाँसी जयूसं। रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी के पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. मानवेन्द्र सिंह ने साइलेज तकनीक आधारित चारा प्रबंधन से दूध उत्पादन बढ़ाने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि भारत में डेयरी उद्योग ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, लेकिन इसकी उत्पादकता सीधे तौर पर हरे चारे की उपलब्धता और गुणवत्ता पर निर्भर करती है। बुंदेलखंड क्षेत्र में जहाँ वर्षा ऋतु में हारा चारा प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होता है, वही बारिश के बाद आने वाले शुष्क और गर्मी के महीनों में हरे चारे की भारी कमी देखी जाती है, जिससे पशुओं के दुग्ध उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इस चारा संकट का प्रभावी समाधान साइलेज तकनीक को अपनाकर किया जा सकता है। साइलेज एक प्रकार का किण्वित चारा होता है, जिसे वायुरहित अवस्था में रखा जाता है। साइलेज के द्वारा हरे चारे को बिना उसकी पौष्टिकता घटाए, महीनों तक सुरक्षित रखा जा सकता है। साइलेज बनाने के लिए आमतौर पर मक्का, ज्वार, बाजरा, नेपियर घास, गिन्नी घास, बरसीम आदि उपयुक्त माने जाते हैं क्योंकि इनमें घुलनशील कार्बोहाइड्रेट्स की मात्रा अधिक होती है, जो किण्वन की प्रक्रिया में सहायता करते हैं। चारे को दूधिया अवस्था में 1 से 2 इंच की लंबाई में काटकर गड्ढे, ड्रम या प्लास्टिक बैग में परत दर परत भरते हैं और हर परत को दबाकर हवा को निकालते हैं, जिससे अंदर का वातावरण ऐरोबिक से ऐनऐरोबिक हो जाता है। यदि चारे में अधिक नमीं हो तो भूसा, सूखा चारा या पुआल मिलाकर संतुलन बनाया जाता है और किण्वन की प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए इसमें गुड़ (1-2:) या यूरिया (0.5-1:) को मिलाया जाता है। चारे को भरने के बाद ढेर को प्लास्टिक शीट से पूरी तरह ढककर किनारों से मिट्टी या भारी वस्तु से दबा दिया जाता है ताकि किसी भी प्रकार की हवा अंदर न जा सके। यह बंद प्रक्रिया 45 से 60 दिनों तक चलती है, जिसमें लैक्टिक एसिड अम्ल बनने से चारा सड़ने की बजाय संरक्षित हो जाता है। डॉ सिंह ने बताया कि सायलेज का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह न केवल पशुओं के लिए एक स्वादिष्ट आहार है, बल्कि यह उनकी पाचन क्षमता, स्वास्थ्य, प्रजनन और दुग्ध उत्पादन में उल्लेखनीय सुधार करता है। यह विशेष रूप से गर्मी, सूखा, बाढ़ अथवा हरे चारे की अनुपलब्धता के समय बहुत उपयोगी होता है। इसके नियमित उपयोग से पशुपालकों को बाजार से महंगा चारा खरीदने की आवश्यकता नहीं पड़ती और चारे की बर्बादी भी नहीं होती। जो पशुपालक व्यवसायिक स्तर पर डेयरी का व्यवसाय करते हैं, मशीनों का उपयोग कर बड़े स्तर पर साइलेज बना सकते है, इससे उन्हे अधिक दुग्ध उत्पादन प्राप्त होगा साथ ही उनके डेयरी फार्म की आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। यह कहा जा सकता है कि साइलेज तकनीक न केवल चारा संरक्षण का एक माध्यम है, बल्कि यह दुग्ध उत्पादन बढ़ाने की एक व्यवहारिक कुंजी भी है, जो टिकाऊ और लाभदायक पशुपालन का मार्ग प्रशस्त करती है।

स्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक नाथूराम कुशवाहा द्वारा जनता यूनियन प्रेस, शिव परिवार कालोनी, उन्नाव गेट बाहर झाँसी से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक - नाथूराम कुशवाहा*
फोन नं. 0510-2331158 आरएनआई नं. यूपीएचआईएन/2007/22191 समस्त विवादों का निपटारा झाँसी न्यायालय के अधीन होगा। *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए उत्तरदायी